श्र्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 126 | गुवाहाटी | रविवार, 27 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संविधान सबसे बड़े लोकतंत्र का मार्गदर्शक : प्रो. मुखी पेज 3
दिल्ली सरकार के अस्पतालों में मुफ्त में होगी रिअसाइनमेंट सर्जरी पेज 4
वाराणसी में पांच साल में दस गुना बढ़ गई पर्यटकों की संख्या पेज 5
लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाकर कठोरता से कराएं लागू : निधि त्रिपाठी पेज 8

ई-कोर्ट परियोजना का शुभारंभ

संविधान को समझें युवा, कई समस्याएं खुद हो जाएंगी हल : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। पीएम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान के चलते ही आज देश के गरीब और महिलाएं सशक्त हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज तमाम मुश्किलों को पीछे छोड़ आगे बढ़ रहा है। पीएम ने कहा कि युवाओं को देश के संविधान की जानकारी होना जरूरी है, जब वो इसे जानेंगे तो उन्हें कई सवालों के जवाब खुद मिलेंगे। पीएम ने कहा कि आज के वैश्विक हालात में पूरे विश्व की निगाहें भारत पर टिकी हैं। भारत के तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और इसकी मजबूत वैश्विक छवि के चलते दुनिया हमें बड़ी उम्मीदों के साथ देख रही है। पीएम ने कहा कि इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान ही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ही के दिन मुंबई में 26/11 आतंकी हमला हुआ था। पीएम ने कहा कि 14 साल पहले जब भारत अपने संविधान और नागरिकों के अधिकारों का जश्न मना रहा था, तब मानवता के दुश्मनों ने भारत पर सबसे बड़ा आतंकी हमला किया था। हमले में जान गंवाने वालों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सबसे पहले ई-कोर्ट परियोजना की शुरुआत की। इस परियोजना के तहत वर्चुअल जस्टिस क्लॉक, डिजिटल कोर्ट और जस्टिस मोबाइल एप 2.0 शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

आज संविधान कर रहा मौलिक संकट का सामना : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संविधान दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने एक ट्वीट में लिखा कि संविधान जीने का एक जरिया है और इसकी भावना हमेशा समान रहती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि आज के समय में संविधान एक मौलिक संकट का सामना कर रहा है। उनके अलावा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी इस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जब तक संविधान के हर शब्द का पालन नहीं किया जाता, वह एकता की राह पर चलते रहेंगे। गौरतलब है कि संविधान सभा ने साल 1949 में आज के ही दिन संविधान को अपनाया था। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बाबासाहेब आंबेडकर को याद करते हुए कहा कि संविधान केवल वकीलों का कोई दस्तावेज नहीं है, -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय जाने वाली असम की गाड़ियों पर रोक बरकरार

इंटरनेट बंद की समयसीमा बढ़ी

गुवाहाटी /शिलांग। अंतर्राज्यीय सीमा पर विवादित क्षेत्र में हुई हिंसा में छह लोगों की मौत के बाद असम ने शनिवार (26 नवंबर) को लगातार पांचवें दिन लोगों और निजी वाहनों के मेघालय (मेघालय) जाने पर पाबंदी जारी रखी। दूसरी तरफ मेघालय ने प्रदेश के सात प्रभावित जिलों में इंटरनेट सेवा पर रोक शनिवार (26 नवंबर) सुबह साढ़े 10 बजे से अगले 48 घंटे के लिए बढ़ा दी। मेघालय के प्रभावित जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति हालांकि धीरे-धीरे सामान्य हो रही है, शिलॉन्ग में दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान खुल रहे हैं और सड़कों पर यातायात दिखाई दे रहा है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि मेघालय की राजधानी में कोई बड़ी घटना नहीं हुई। पश्चिमी जयंतिया हिल्स जिले में सिर्फ कुछ उपद्रवियों ने सड़क पर टायर जलाए। सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के बीच हालांकि विवादित क्षेत्र में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू रही। असम पुलिस ने राज्य के लोगों को कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए मेघालय की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। मंगलवार (22 नवंबर) तड़के अवैध रूप से -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

एनजीटी ने नगालैंड सरकार पर लगाया 200 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने शनिवार को नगालैंड पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले ठोस और तरल अपशिष्ट का प्रबंधन नहीं करने के लिए 200 करोड़ रुपए का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया है। न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की पीठ ने 24 नवंबर को आदेश पारित करते हुए कहा कि सीवेज उत्पादन और उपचार में अंतर और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में अंतर के बारे में बयान पर विचार करते हुए, हम प्रदूषक भुगतान सिद्धांत के आधार पर राज्य पर 200 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि उक्त -शेष पृष्ठ दो पर

26/11 वर्षपूर्ति : साजिशकर्ताओं को न्याय के कठघरे में लाने के लिए भारत प्रतिबद्ध : जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं को न्याय के कठघरे में लाने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने आतंकी हमले की बरसी पर कहा कि यह एक ऐसा अवसर है, जिसको पूरा देश इस घटना को याद करता है। देश इस घटना को दृढ़ता से महसूस करता है। उन्होंने कहा कि भारत कई देशों के साथ मिलकर इस संबंध में काम कर रहा है, जिनके नागरिकों ने साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाई थी। विदेश मंत्री जयशंकर ने शनिवार को कहा कि यह एक ऐसा अवसर है, जिसको पूरा देश याद करता है। मैं इस बात को रेखांकित करना चाहता हूं कि हम इसके बारे में कितनी दृढ़ता से महसूस करते हैं। हम इसके न्याया की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हम यह -शेष पृष्ठ दो पर

इजरायल न भूलेगा न माफ करेगा : गिलोन

नई दिल्ली। भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने 26/11 मुबंई आतंकी हमले के सभी पीड़ितो को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने मुंबई में हुए भयानक आतंकी हमले को याद किया और इजरायल और भारत को एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ने को कहा। बता दें कि 26 नवंबर 2022 को देश इस आंतकी हमले की 14वीं बरसी मना रहा है। आंतकियों ने -शेष पृष्ठ दो पर

बीमार बच्चे को गुस्साए पिता ने पटककर मार डाला

तिरुपति। तिरुपति के श्रीकालहस्ती शुकब्रह्म आश्रम के पास वाटर हाउस कॉलोनी से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। आरोप है कि उसने अपने तीन माह के बेटे को जमीन पर पटककर मार डाला। आंध्र प्रदेश पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि बच्चे के रोने से व्यक्ति गुस्से में आ गया, जिसके बाद उसने यह हरकत की। श्रीकालहस्ती के सर्किल इंस्पेक्टर ने स्थानीय लोगों के हवाले से -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

वो जो अपने परिवार से अति लगाव रखता है भय और दुख में जीता है। सभी दुखों का मुख्य कारण लगाव ही है, इसलिए खुश रहने के लिए लगाव का त्याग आवश्यक है।

– **आचार्य चाणक्य**

मुख्यमंत्री शिंदे ने सांसदों व विधायकों के साथ मां कामाख्या का लिया आशीर्वाद

गुवाहाटी (हि.स.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित महाराष्ट्र के 55 मंत्री, सांसद और विधायक शनिवार को गुवाहाटी पहुंचे। शिंदे सहित महाराष्ट्र के मंत्री, सांसद और विधायक बोरझार हवाई अड्डे से सीधे शक्तिपीठ मां कामाख्या मंदिर के लिए रवाना हो गए। शिंदे के साथ आज महाराष्ट्र के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और उनके परिवार के सदस्यों सहित कुल 178 लोग पहुंचे थे। असम सरकार की वित्त मंत्री अजंत नेउग, मंत्री बिमल -शेष पृष्ठ दो पर

गंभीर लापरवाही : प्रसव के दौरान 24 गर्भवतियों की मौत

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना को जिले में बड़ा झटका लग रहा है। घर-घर सर्वे और निगरानी के बावजूद प्रसव और प्रसव के बाद महिलाओं की मौत का सिलसिला जारी है। अप्रैल से 25 नवंबर तक 24 महिलाओं की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराई गई जांच में पाया गया है कि नौ महिलाओं की मौत ब्रेन हेमरेज के कारण हुई हैं। सात की सेप्सिस, पांच की हाइपरटेंशन और तीन की मौत खून की कमी के चलते हुई है। -शेष पृष्ठ दो पर

शराब का धंधा छोड़ें, 1 लाख रुपए का इनाम पाएं : नीतीश कुमार

पटना। बिहार में शराब पर प्रतिबंध को और मजबूत करने के लिए, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में अवैध और नकली शराब के व्यापार के खतरे से निपटने के लिए एक नया तरीका निकाला। सीएम कुमार ने कहा कि उनकी सरकार आजीविका कमाने के लिए शराब का कारोबार छोड़ने वालों को 1 लाख रुपए की राशि देगी। यह योजना बिहार में शराबबंदी की पृष्ठभूमि में आई है। कानून 2016 में लागू किया गया था और सूत्रों ने कहा कि कानून के पेश होने के बाद से लगभग चार लाख लोगों को आरोपों के तहत गिरफ्तार किया गया है। नीतीश कुमार ने ट्वीट करते हुए कहा कि नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर हम सभी तरह के नशे से मुक्ति का संकल्प लें तथा समृद्ध, स्वस्थ एवं खुशहाल बिहार हेतु नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। आईए हम सभी प्रकार के नशे से छुटकारा पाने का संकल्प लें और एक समृद्ध, स्वस्थ और खुशहाल बिहार के लिए नशा -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे मिस्र के राष्ट्रपति!

नई दिल्ली। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी अगले साल भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हो सकते हैं। ऐसा समझा जाता है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले महीने काहिरा की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान अल-सिसी को औपचारिक निमंत्रण दिया था। यह पहली बार होगा जब मिस्र का कोई राष्ट्रपति गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होगा।

5-जी की स्पीड से विकास की चाह रखता है पूर्वोत्तर का युवा

जयपुर (हि.स.)। प्राकृतिक सम्पदा के धनी पूर्वोत्तर भारत का युवा अपने क्षेत्र का विकास 5-जी की स्पीड से चाहता है। उसका कहना है कि पूर्वोत्तर के राज्यों की राजधानियों तक एयर कनेक्टिविटी पहुंच चुकी है, रेल नेटवर्क भी मजबूत हो रहा है, लेकिन बॉर्डर के गांवों तक भी सड़कों की आवश्यकता है। सड़कों के साथ विकास गतिमान होगा। जयपुर में चल रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 68वें राष्ट्रीय अधिवेशन में आए पूर्वोत्तर भारत के युवा छात्रों ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि अब शेष भारत से लोग अब पूर्वोत्तर जाने लगे हैं। पर्यटन की दिशा में पूर्वोत्तर राज्य अब नई पहचान के रूप में उभर रहे हैं। सड़कें, बिजली, इंटरनेट जैसे सुविधाएं दूरस्थ गांवों तक जल्द पहुंचेंगी तो पूर्वोत्तर राज्य आर्थिक विकास की नई इबारत लिखेंगे। युवा छात्रों में शामिल तामे सियांग का मानना है कि पड़ोसी देश चीन ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा तक सड़क, बिजली और मोबाइल नेटवर्क का सशक्त जाल बिछाया है, लेकिन अभी हमारे देश -शेष पृष्ठ दो पर

पूरे विश्व की आत्मा है भारत : भागवत

पटना (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने शनिवार को बक्सर में कहा कि आत्मा के चले जाने से शरीर मृत पड़ रहता है। आत्मा के रहने से ही शरीर में ऊर्जा और सभी चीजों का बोध होता है। ठीक उसी प्रकार भारत के रहने से सम्पूर्ण विश्व चलता है, क्योंकि भारत पूरे विश्व की आत्मा है। बक्सर में प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले राम विवाह महोत्सव में डॉ. भागवत ने कहा कि जीव चलते हैं, सृष्टि में उनका विकार होता है, वासनाएं होती हैं, उनके पीछे-पीछे भागते वे रास्ता छोड़ देते हैं। एक अकेला भारत है जो रास्ता नहीं छोड़ता। सम्पूर्ण विश्व को रास्ते पर लाने का काम भारत कर रहा है। धर्म पर चलने से -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा में भारत जोड़ो यात्रा पर हमला, 12 घायल

अगरतला। त्रिपुरा में शुक्रवार को दो स्थानों पर कांग्रेस की राज्य स्तरीय *भारत जोड़ो यात्रा* पर हुए हमले में तीन पुलिसकर्मियों समेत 12 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता अपराह्न लगभग साढ़े तीन बजे दक्षिण त्रिपुरा जिले के शांति बाजार की ओर मार्च कर रहे थे, जब उन पर पथराव किया गया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थक हैं। शांति बाजार थाना प्रभारी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

जीएसटी क्षतिपूर्ति की अवधि में पांच साल का विस्तार चाहते हैं राज्य

नई दिल्ली। कोविड महामारी की वजह से केंद्र व राज्यों के राजस्व पर जो असर पड़ा है उसका कुछ प्रभाव शुक्रवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ राज्यों के वित्त मंत्रियों की बजट पूर्व बैठक में भी साफ दिखाई पड़ा। सिर्फ कांग्रेस व दूसरे गैर भाजपाई राज्यों की तरफ से ही नहीं, बल्कि कुछ भाजपा शासित राज्यों ने भी राजस्व के मोर्चे पर उत्पन्न चुनौतियों को देखते हुए केंद्र के राजस्व संग्रह में ज्यादा हिस्सेदारी की बात रखी। इसी तरह से केंद्र सरकार की तरफ से कुछ महत्वपूर्ण उत्पादों पर अधिभार लगाने की बढ़ती प्रवृत्ति के खिलाफ भी गैर भाजपा शासित राज्यों ने उठाया तो कुछ भाजपा शासित राज्यों ने भी परोक्ष तौर पर इस मुद्दे पर समर्थन किया। कई राज्यों की तरफ से जीएसटी क्षतिपूर्ति की अवधि पांच वर्ष और बढ़ाने की मांग बहुत ही जोरदार तरीके से रखी गई। कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़, आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार और भाजपा-शिंदे गठबंधन की महाराष्ट्र सरकार, हरियाणा सरकार के प्रतिनिधियों ने बैठक में कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए केंद्र को अतिरिक्त राजकोषीय मदद की घोषणा करनी चाहिए। बैठक को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री (वित्त मंत्रालय का प्रभार) भूपेश बघेल ने अपने भाषण में जीएसटी कंपनसेशन की अवधि को पांच वर्ष और बढ़ाते हुए इसे वर्ष 2026-27 तक लागू करने की मांग की। अपने राज्यों के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की घोषणा करने वाले बाघेल ने केंद्र सरकार से यह भी अपील की है कि नई पेंशन स्कीम में उनके राज्य के कर्मचारियों की तरफ से दी गई 17,240 करोड़ रुपए की राशि को राज्य को लौटा देनी चाहिए ताकि इस फंड से एक अतिरिक्त फंड का निर्माण हो और भविष्य में भविष्य निधि व पेंशन भुगतान में मदद मिले। इस फंड का इस्तेमाल राज्य सरकार केंद्र व राज्यों के बांड्स में निवेश में करेगी। जीएसटी क्षतिपूर्ति की अवधि बढ़ाने की दूसरी मांग केरल की तरफ से आया। केरल के वित्त मंत्री के एन बालागोपाल की तरफ से दूसरी अहम मांग यह आई कि सामान व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में राज्यों की मौजूदा हिस्सेदारी 50 फीसद को बढ़ा कर 60 फीसद कर देनी चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो केंद्र को अपनी हिस्सेदारी 50 फीसद से घटा कर 40 फीसद करनी होगी। बैठक में कुछ उत्पादों व सेवाओं पर अधिभार लगाने की बढ़ती प्रवृत्ति का मुद्दा भी उठाया गया। दरअसल, अधिभार से अर्जित संग्रह में केंद्र सरकार को राज्यों को हिस्सेदारी नहीं देनी पड़ती है। उदाहरण के तौर पर सामान्य पेट्रोल पर अभी केंद्र सरकार की तरफ से कुल 19.90 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया जाता है जिसमें 7.50 रुपए प्रति लीटर का अधिभार है। सामान्य डीजल पर कुल 15.80 रुपए प्रति लीटर का शुल्क लगाया जाता है, जबकि इसमें छह रुपए प्रति लीटर अधिभार के तौर पर है। तमिलनाडु, बिहार, आंध्र प्रदेश, मेघालय की तरफ से इस मुद्दे को उठाया गया। बाद में तमिलनाडु के वित्त मंत्री पलानीवेल थियागराजन ने कहा कि वर्ष 2011-12 में केंद्र के कुल राजस्व में अधिभार व सरचार्ज की हिस्सेदारी 10.4 फीसद थी जो वर्ष 2021-22 26.7 फीसद हो गई है। इससे केंद्र के राजस्व में राज्यों के वैधानिक हिस्सेदारी पर विपरीत असर पड़ा है। राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ वित्त मंत्री की इस तरह की सालाना बैठक हर साल आम बजट की तैयारियों के संदर्भ में होती है। आम बजट 2023-24 संभवत: एक फरवरी, 2023 को पेश की जाएगी।

बच्चों को अब बुजुर्ग माता-पिता को देना होगा गुजारा भत्ता, विधेयक संसद में पेश करने की तैयारी

नई दिल्ली। बदलते सामाजिक ताने-बाने के बीच बुजुर्गों की देखभाल जहां एक बड़ी चुनौती बनते दिख रही है। वहीं सरकार माता-पिता और बुजुर्गों के भरण-पोषण से जुड़े सालों पुराने कानून में बड़े बदलाव की तैयारी में है जिसे और सख्त बनाया जाएगा। इसके तहत कोई व्यक्ति अब बुजुर्गों की देखभाल से मुंह नहीं मोड़ सकेगा। ऐसा न करने पर उसे छह माह की जेल और जुर्माना दोनों की सजा हो सकती है। इसके साथ ही बुजुर्गों को मिलने वाले गुजारा भत्ते में भी बदलाव की तैयारी है। यह भत्ता बच्चों की हैसियत और आय के हिसाब से निर्धारित होगी। अब तक इसका अधिकतम दायरा दस हजार रुपए प्रति माह ही प्रस्तावित किया गया था। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय करीब तीन साल के लंबे इंतजार के बाद माता-पिता व बुजुर्गों के भरण पोषण से जुड़े विधेयक में बदलाव को लेकर फिर से आगे बढ़ने की तैयारी में है। संसद के शीतकालीन सत्र में इसे लाने की पूरी तैयारी है। हालांकि इस विधेयक को पहली बार वर्ष 2019 में संसद में पेश किया गया था, लेकिन बाद में इसे स्टैंडिंग कमेटी को भेज दिया गया। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक कमेटी के सुझाव के बाद इस विधेयक में कई अहम बदलाव किए गए है। जिसमें बुजुर्गों को भगवान भरोसे नहीं छोड़ा जाएगा। कोई इनकी सेवा नहीं करता है तो फिर सरकार उनकी देखभाल करेगी। इसके लिए देश में एक ढांचा खड़ा किया जाएगा। जिसमें प्रत्येक जिलों में बुजुर्गों की मौजूदगी को मैपिंग करते हुए मेडिकल सुविधा युक्त वृद्धाश्रमों और जिला स्तर पर एक सेल गठित होगी। जो इससे जुड़ी सुविधाओं को संचालित करेगी। प्रस्तावित विधेयक में इसके अलावा घरों में अकेले रहने वाले बुजुर्गों की सुरक्षा पर भी ध्यान दिया गया है। इसके तहत प्रत्येक थाने में बुजुर्गों से जुड़े मामलों को देखने और उनका पूरा ब्यौरा रखने के लिए एक सब इंस्पेक्टर या फिर उसके समकक्ष रैंक का कोई पुलिस अधिकारी नामित होगा। जो थाना क्षेत्र में रहने वाले ऐसे प्रत्येक बुजुर्ग की एक सूची रखेगा। साथ ही उनकी देखरेख करने वाले लोगों और पड़ोसियों का भी ब्यौरा रखेगा। गौरतलब है कि माता-पिता और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ा मौजूदा कानून वर्ष 2007 में बना था। प्रस्तावित विधेयक के अनुसार माता-पिता अब सिर्फ अपने जैविक बच्चों से ही गुजारा भत्ता लेने के हकदार नहीं होंगे, बल्कि अब वह नाती-पोते, दामाद या फिर ऐसे संबंधी जो उनकी संपत्ति के दावेदार होंगे, उन सभी संबंधियों से वह गुजारा भत्ता मांग सकेगा। मौजूदा समय में देश में बुजुर्गों की कुल आबादी करीब 12 करोड़ है। इसके वर्ष 2050 तक करीब 33 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में सरकार समय रहते बुजुर्गों से जुड़ी व्यवस्था को चाकचौबंद रखना चाहती है।

गैंडे के हमले में दो व्यक्ति घायल

काजीरंगा (हि.स.)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक गैंडे के हमले में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में वन विभाग के अस्थायी कर्मचारी विनोद और जीवन हैं। जानकारी के मुताबिक शनिवार को कहंरा वनांचल के अधीन बरबील इलाके में मरम्मत किये गये रास्तों के निरीक्षण के दौरान बच्चे के साथ एक मादा गैंडा ने दोनों कर्मचारियों पर हमला कर दिया। वहां मौजूद अन्य वनकर्मियों ने दोनों को बचाया और तुरंत सिविल अस्पताल में उनका प्राथमिक उपचार कराया गया। बाद में दोनों को बेहतर इलाज के लिए जोरहाट मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया।

डीएसपी प्रताप दास को अभाविप ने किया सम्मानित

गुवाहाटी (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), जोराबाट नगर शाखा द्वारा लचित दिवस और महान आहोम जनरल लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती मनाई गई। जोराबाट नगर अध्यक्ष प्रांजल राभा द्वारा जोराबाट के श्रीश्री भद्रकालेश्वरी मंदिर के प्रांगण में ध्वजारोहण कर समारोह की शुरुआत की गई। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हाल ही में पुलिस सुरक्षा सेवा पदक से सम्मानित स्थानीय निवासी प्रताप दास को अभाविप ने सम्मानित किया।

स्थानीय लोगों ने पशु चोर को रंगे हाथों पकड़ा

बक्सा (हि.स.)। बाक्सा जिला के धुलिगुड़ी में शनिवार की तड़के पशु चुराने पहुंचे एक चोर को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आज तड़के करीब 3 बजे के आसपास तीन पशुओं को चुराकर ले जा रहे चोर को स्थानीय लोगों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। स्थानीय लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर उसे पुलिस को सौंप दिया। आरोपित की पहचान बाक्सा के आमगुड़ी नयाबस्ती निवासी परेश दास के रूप में हुई है।

मुरैना : बच्चों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मुरैना (हि.स.)। भारत विकास परिषद शाखा मुरैना द्वारा शनिवार को विश्व पर्यावरण संरक्षण दिवस के अवसर पर जेएस पब्लिक स्कूल में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर वर्ग में कक्षा छठवीं एवं सातवीं के 111 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया एवं सीनियर वर्ग में कक्षा आठवीं एवं नौवीं के 73 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में भारत विकास परिषद के अध्यक्ष राजेश बांदिल ने कहा कि बच्चों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहना चाहिए जिससे बड़े होने पर भी उन्हें स्वस्थ पर्यावरण मिल सके। बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से किए गए छोटे प्रयास भी पर्यावरण संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकते हैं। जैसे घरों में सूखे व गीले कचरे को अलग कर कचरे की गाड़ी में अलग-अलग डालना, पानी व बिजली के अपव्यय को रोकना, अनावश्यक वाहनों का प्रयोग ना करना है। इस मौके पर संगठन के सचिव राम गुप्ता ने भारत विकास परिषद की गतिविधियों के बारे में अवगत कराया। प्रमोद कुलश्रेष्ठ ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में पेड़ पौधों एवं नदियों को ईश्वर का रूप माना गया है अत- हम सबको इन्हें दूषित होने से बचाना है। इसलिए हम सभी को न केवल वृक्षारोपण करना है बल्कि वृक्षों के संरक्षण का ख्याल रखना है। साथ ही प्लास्टिक का कम से कम प्रयोग करना है। प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में वैशाली सिकरवार ने प्रथम, तमन्ना ने द्वितीय एवं रमन शर्मा ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया तथा सेजल सिकरवार, शुभ्रा तोमर, संजना शर्मा, लावण्या पारा एवं वंदना पारा को सांत्वना पुरस्कार मिले। सीनियर वर्ग में करण प्रजापति को प्रथम स्थान, चंचल शर्मा को द्वितीय स्थान एवं अनमोल तोमर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

पृष्ठ एक का शेष

संविधान को समझें ...

की जाएगी। पीएम ने लांचिंग के बाद कहा कि 1949 में आज ही के दिन स्वतंत्र भारत ने अपने लिए एक नई भविष्य की नीव डाली थी। इस बार का संविधान दिवस इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारत ने अपने आजादी के 75 वर्ष पूरे किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले एक ट्वीट के जरिए संविधान देने वाले देश के महान नेताओं को श्रद्धांजलि दी और राष्ट्र के लिए अपने दृष्टिकोण को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में 2015 से 26 नवंबर के दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इससे पहले, इस दिन को कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था। अटार्नी आर वेंकटरमनी ने कार्यकर्म को संबोधित करते हुए कहा कि जाति और अन्य सामाजिक विभाजन की कुछ हानिकारक समस्याओं को मिटाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समानता का दावा जटिल है और नए विभाजन पैदा किए बिना कानून, समाज और अदालतों के बीच समन्वय के लिए आवास बनाया जाना चाहिए। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि डॉ. बीआर अंबेडकर ने कहा था कि इस स्वतंत्रता ने हम पर बड़ी जिम्मेदारियां डाली हैं, जिसे हमे आज भी याद रखना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कई मौकों पर अदालतों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है ताकि न्यायिक प्रणाली में हमारे देश के आम लोगों का विश्वास बढ़ाया जा सके और उन्हें भी जुड़ा हुआ महसूस कराया जा सके। देश के संविधान के निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को 26 नवंबर को देश संविधान दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया था। इसका उद्देश्य देश के लोगों को संविधान के बारे में जागरुक करना भी है। संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देश के हर नागरिक को हो इसके लिए संविधान दिवस मनाने का फैसला हुआ था।

आज संविधान कर ...

बल्कि यह जीने का एक साधन भी है। इसकी भावना सदैव समान रहती है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा कि संविधान सभा के सभी महान नेताओं के बहुमूल्य योगदान को हम याद करते हैं। सभी देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। कांग्रेस अधयक्ष ने एक बयान भी जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा कि एक संविधान जो सात दशकों से अधिक समय से समय की कसौटी पर खरा उतरा है, आज यह संविधान एक मौलिक संकट का सामना कर रहा है। वास्तव में इसके पाठ के पीछे की भावना के अस्तित्व का संकट है। राहुल गांधी ने इस मौके पर कहा कि जब तक हमारे संविधान के हर शब्द का पालन नहीं किया जाता और हर नागरिक की निष्पक्षता एवं न्याय के जरिए रक्षा नहीं की जाती, मैं इस मार्ग पर चलता रहूंगा।

मेघालय जाने वाली ...

काटी गई लकड़ियों से लदे एक ट्रक को असम के वन कर्मियों द्वारा रोके जाने के बाद असम-मेघालय सीमा पर मुकरोह गांव में हिंसा हुई थी, जिसमें एक वन रक्षक समेत छह लोगों की मौत हो गई थी। उधर मेघालय सरकार ने असम-मेघालय हिंसा मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। शुक्रवार को राज्य में कहीं से भी किसी तरह के अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। हालात पर हम नजर बनाए हुए हैं। एक-दो दिन में स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह बात मेघालय के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) डॉ. एल.आर.बिश्नोई ने कही। बिश्नोई ने कहा कि घटना की जांच के लिए मेघालय ने एसआईटी का गठन किया है। उन्होंने कहा कि सात सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व आईडी स्तर का अधिकारी करेगा। हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं। गुरुवार को कुछ छिटपुट घटनाएं हुईं थी, जिस पर काबू पा लिया गया था। उन्होंने खुद घटनास्थल का दौरा किया। अब वहां पर हालात सामान्य है, लेकिन सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। लोगों को समझाया जा रहा है और लोग अब धीरे-धीरे समझ भी रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को राज्य के किसी भी हिस्से से किसी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। शिलांग सहित राज्य में स्थिति लगातार सुधर रहे हैं। शनिवार को कुछ संगठनों ने मारे गए लोगों की याद में शिलांग में कैंडल मार्च निकालने की बात कही है, जिसे प्रशासन ने इजाजत दे दी है। यह कैंडल मार्च पुलिस प्रशासन की निगरानी में निकाला जाएगा। बिश्नोई ने कहा कि शुक्रवार को यह बात सामने आई थी कि राज्य में पेट्रोल और डीजल की कमी हो गई है, लेकिन यह बात सही नहीं है। सरकार ने असम से करीब दस तेल के ट्रेंकर मंगवाए और शिलांग सहित तीन जिलों में तेल की आपूर्ति की गई है। राज्य में किसी तरह की तेल की कमी नहीं है।

एनजीटी ने नगालैंड ...

टिप्पणियों के आलोक में केवल राज्य में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए मुख्य सचिव के निर्देशों के अनुसार संचालित होने के लिए राशि को रिंग-फेंस खाते में रखा जा सकता है। हम आशा करते हैं कि मुख्य सचिव के साथ बातचीत में नगालैंड राज्य एक अभिनव दृष्टिकोण और कड़ी निगरानी के माध्यम से इस मामले में आगे के उपाय करेगा। और यह सुनिश्चित करेगा कि ठोस और तरल अपशिष्ट उत्पादन और उपचार में अंतर जल्द से जल्द पाटा जाए। बहाली योजनाओं को सभी जिलों, शहरों, कस्बों और गांवों में बिना किसी देरी के समयबद्ध तरीके से एक साथ क्रियान्वित करने की आवश्यकता है। बता दें सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 2 सितंबर, 2014 के आदेश के अनुसार ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों की निगरानी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में और तरल अपशिष्ट प्रबंधन के 22 फरवरी, 2017 के आदेश के अनुसार ट्रिब्यूनल द्वारा की जा रही है। अन्य संबंधित मुद्दों में 351 नदी खंडों का प्रदूषण, वायु गुणवत्ता के मामले में 124 गैर-प्राप्ति वाले शहर, 100 प्रदूषित औद्योगिक क्लस्टर, अवैध रेत खनन आदि शामिल हैं। ट्रिब्यूनल ने आगे कहा कि निरंतर गैर-अनुपालन के मद्देनजर, 16 जनवरी, 2019 के आदेश के तहत ट्रिब्यूनल ने अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से बातचीत के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया। यद्यपि इस ट्रिब्यूनल के नियमों और आदेशों का उल्लंघन एक आपराधिक अपराध है फिर भी राज्य के अधिकारियों द्वारा व्यावहारिक रूप से बिना किसी जवाबदेही के बड़े पैमाने पर उल्लंघन किया गया था। आदेश में कहा गया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए राज्य के सर्वोच्च पदाधिकारियों की भागीदारी से खराब स्थिति को दूर करने की आवश्यकता थी।

26/11 वर्षपूर्ति : साजिशकर्ताओं ...

सुनिश्चित करेंगे कि इस घटना में शामिल असली अपराधी नहीं बच पाएं। उन्होंने कहा कि आज मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले की बरसी है। इतने सालों के बाद भी इसकी योजना बनाने वाले लोगों को सजा नहीं मिल पाई है। अब तक उन्हें न्याय के कटघरे में नहीं लाया गया है। यह इस प्रकार की घटना है, जिसको हम सबसे अधिक महत्व देते हैं। मालूम हो कि साल 2008 में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दस आतंकवादियों ने इस हमले को अंजाम दिया था। इस आतंकवादी हमले में लगभग 166 लोग मारे गए और 300 घायल हो गए थे। पिछले माह भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (एनएससी) की काउंटर-टेररिज्म कमेटी (सीटीसी) की दो दिवसीय आतंकवाद विरोधी बैठक की मेजबानी की थी। इस दौरान भारत के पास इसकी अध्यक्षता थी। इसके बैठक के बाद दिल्ली घोषणा पत्र जारी की गई, जिसमें रेखांकित किया गया कि आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचने का अवसर एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है। इस घोषणा पत्र में यह सुनिश्चित किया गया है कि सभी सदस्य देशों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरी तरह से सहयोग करना चाहिए।

इजरायल न भूलेगा ...

मुंबई के ताज होटल को निशाना बनाकर कई हमले किए थे। भारत में इजरायल के राजदूत नोर गिलोन ने एक वीडियो में कहा कि इजरायल 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है और इसे इजरायल कभी नहीं भूलेगा और न ही कभी माफ करेगा। बता दें कि भारत ने पिछले महीने काउंटर-टेररिज्म कमेटी (सीटीसी)की भारत की अध्यक्षता में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (एनएससी) की दो दिवसीय आतंकवाद विरोधी बैठक की मेजबानी की थी। सीटीसी बैठक के बाद एक घोषणापत्र जारी किया गया था जिसमें सभी सदस्य राज्यों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पूरी तरह से सहयोग करने को लेकर रेखांकित किया गया था। यूएनएससी की विशेष बैठक के दौरान, जयशंकर ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि यूएनएससी के *मानवता के लिए सबसे गंभीर खतरे* से निपटने के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद आतंकवाद का वैश्विक खतरा बढ़ रहा है। भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने मुंबई आतंकी हमले को याद करते हुए कहा कि हम मुंबई में हुए भयानक आतंकी हमले के 14 साल पूरे होने की बरसी मना रहे हैं। इजराइल भारत के साथ है, दोनों देश आतंक के शिकार हैं। हमें एक साथ एकजुट होना है। हम आतंक का मुकाबला करने और इसके वित्तपोषण पर भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की सराहना करते हैं। नाओर गिलोन के एक अन्य पोस्ट में वे मुंबई आतंकी हमले के सभी पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने मुंबई के चबाड (नरीमन) हाउस का भी दौरा किया। बता दें कि चबाड हाउस दुनियाभर में ऐसे घरों को कहा जाता है, जिसे इजरायल के यहूदियों द्वारा चलाया जाता है। ये यहूदियों के रहने के काम आता है। मुंबई में हुई आतंकी हमले में आतंकवादियों ने बड़ी बेरहमी के साथ यहां रहने वालों को अपना निशाना बनाया था। नाओर गिलोन ने मुंबई के चबाड (नरीमन) हाउस का दौरा किया और मुबंई आतंकी हमले के सभी पीड़ितो को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इसकी एक तस्वीर पोस्ट कर लिखा कि आज, मैं 26/11 के भयानक मुंबई आतंकी हमले के सभी पीड़ितों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि देने में भारत के लोगों के साथ शामिल हूं। चबाड हाउस का दौरा करना और त्रासदी के बारे में सब कुछ सुनना एक भावनात्मक क्षण था। इजरायल और भारत, इस दुख में एकजुट रहे और आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में भी साथ रहे।

बीमार बच्चे को ...

बताया कि मृतक बच्चे के पिता अनिल और मां स्वाति के बीच बहस हो गई थी। इस दौरान गुस्से में व्यक्ति ने तीन माह के निखिल को जमीन पर पटक दिया। बुखार पीड़ति शिशु पहले से ही कांप रहा था, जो अनिल को नागवार गुजरा। स्थानीय लोगों ने कहा कि चार दिन पहले से बीमार होने के कारण बच्चा रोना बंद नहीं कर रहा था। अनिल ने स्वाति से निखिल को अस्पताल ले जाने के लिए कहा। लेकिन दोनों में झगड़ा शुरू हो गया। इसके बाद उसने अपने बेटे को जमीन पर पटक दिया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस से संपर्क किया। फिर पुलिस बच्चे को एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। सर्किल इंस्पेक्टर ने बताया कि शिशु के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया है। इस बीच अनिल को हिरासत में ले लिया गया है।

मुख्यमंत्री शिंदे ने ...

बोरा और शिक्षा मंत्री डॉ. रोनोज पेगू ने हवाई अड्डे पर शिंदे गुट का गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री सहित सभी नेता सीधे कामाख्या मंदिर पहुंचे और माता कामाख्या का आशीर्वाद लिया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र सरकार से बगावत के दौरान एकनाथ शिंदे ने अपनी सफलता पर माता के दर्शन की मनोकामना मांगी थी। महाराष्ट्र में सरकार बनने के बाद आज उन्होंने अपने सभी मंत्री, विधायक, सांसदों के साथ गुवाहाटी पहुंचकर मां का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने कामाख्या धाम में आज विशेष पूजा-अर्चना की। वहीं शिंदे गुट की पूरी टीम होटल रेडिशन ब्लू में ठहरी हुई है। जानकारी के अनुसार रात में मुख्यमंत्री शिंदे की असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा से मिलने की भी योजना है।

गंभीर लापरवाही : प्रसव ...

जांच रिपोर्ट के बाद गर्भवती महिलाओं की निगरानी बढ़ाने के दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार पांच गर्भवती की मौत दिल्ली के अस्पतालों में प्रसव के दौरान हुई हैं। दिल्ली सरकार द्वारा लिखित में स्वास्थ्य विभाग को इसकी जानकारी दी गई है। इनमें शहरी क्षेत्र की महिलाएं शामिल हैं। राष्ट्रीय हेल्थ मिशन के तहत गर्भवती महिलाओं की घर-घर जाकर निगरानी की जा रही है। प्रसव के दौरान अथवा बाद में होने वाली मौत का आडिट कराया जाता है। प्रयास किया जा रहा है कि महिलाओं को जागरूक किया जाए। नियमित जांच और टीकाकरण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

शराब का धंधा...

मुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। शराब का अवैध कारोबार छोड़ने वालों को एक लाख रुपए की छूट देने की योजना के बारे में बोलते हुए, सीएम कुमार ने कहा कि यह न केवल शराब बेचने वालों पर लागू होगा, बल्कि ताड़ी का व्यापार करने वालों पर भी लागू होगा। नीतीश कुमार ने कहा कि अगर वे ताड़ी का कारोबार छोड़ देते हैं और नीरा (ताड़ का पेय) बनाना शुरू कर देते हैं। कुमार ने कहा कि बिहार में शराब का सेवन करने वालों की गिरफ्तारी हुई है, लेकिन इसका कारोबार करने वालों की नहीं। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि व्यापारियों को इसलिए नहीं पकड़ा गया क्योंकि वे गरीबों को घर-घर शराब पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों को पकड़ने की जरूरत नहीं है। हम यह योजना उन गरीबों के लिए लाए हैं जो थोड़ी सी शराब या ताड़ी बेचते हैं।

5-जी की स्पीड ...

की सीमा तक सड़कें नहीं पहुंची हैं, बिजली भी दूर है और मोबाइल का नेटवर्क धीमा है। ऐसे में देश की सीमाओं की सुरक्षा की दृष्टि से भी इस ओर गति बढ़ाने की जरूरत है। शिलांग-चेरापूंजी-कांजीरंगा से आगे भी पूर्वोत्तर खूबसूरत है। कई जगह कश्मीर से ऊंचे पहाड़ भी हैं। एक बार जो यहां की हरियाली देख लेता है वह कभी नहीं भूल सकता। खास बात यह है कि यहां पर होटल स्टे के बजाय होम-स्टे की अवधारणा को अपनाया जा रहा है ताकि अंदरूनी ग्रामीण क्षेत्रों तक भी पर्यटक पहुंचें और वे वहां के परिवारों के बीच रहते हुए वहां की संस्कृति की अनुभूति करें। इसे लोग पसंद भी कर रहे हैं। युवाओं ने कहा कि पूर्वोत्तर का पर्यटन विभाग पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रयास कर रहा है, कई पारम्परिक ट्राइबल उत्सवों में जाने-माने चेहरों को भी बुलाया जाने लगा है, लेकिन सोशल मीडिया जैसे क्षेत्रों के माध्यम से एक्सपोजर प्रचार-प्रसार की गति बढ़ाने की जरूरत है। अंदरूनी ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह ऐसी हैं जहां पर अभी सड़कें पहुंचना बाकी है। तिविंग गोम्बू बताते हैं कि हमें 21वीं सदी के अनुरूप गति नहीं मिल पा रही है, हालांकि अभी जो रेल और वायुयान नेटवर्क नजर आ रहा है वह आजादी के 75 साल बाद ही नजर आया है। जेथुओ लुखाम, नाबाम कामिंग, टेटलोम टायेंग आदि पूर्वोत्तर से आए युवाओं ने वहां बसे अन्य समाज के साथ प्रगाढ़ता के संदर्भ में कहा कि सभी एक दूसरे के यहां आते-जाते हैं, अलग-अलग समाज के परम्परागत उत्सवों या मांगलिक अवसरों पर भी परस्पर निमंत्रण दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि खान-पान के मामले में शाकाहार पसंद करने वाले कुछ दूरी बनाते थे, अब आयोजनों में इस बात का ध्यान रखा जाने लगा है। युवा कहते हैं कि वहां की जनजाति वर्ग की लड़कियां जिस युवक को पसंद करती हैं, उसे उसके साथ विवाह करने की अनुमति दी जाती है, ऐसे में अंतरधार्मिक विवाह बढ़े हैं। समुदाय विशेष के लोग वहां घुसपैठ करने की दृष्टि से योजनाबद्ध तरीके से इस प्रकार के विवाह कर रहे हैं। यह गंभीर समस्या बन रही है। इन युवाओं ने बातचीत में बताया कि उनके वहां भविष्य जानने के लिए विशेष प्रथा है। मुर्गे की बलि देकर उसका लीवर देखकर उनके समुदाय के जानकार व्यक्ति संबंधित का भविष्य बताते हैं। कई अनुष्ठान भी इसी आधार पर किए जाते हैं। बलि दिए जाने वाले मुर्गे को लम्बे समय पवित्र करके भली-भांति देखभाल की जाती है। मुर्गे की बलि वही देता है, जिसे अपना भविष्य जानना होता है।

पूरे विश्व की ...

अर्थ-काम-मोक्ष सभी प्राप्त होते हैं। भारत ने शुरुआत से ही अपने धर्म को नहीं छोड़ा है इसलिए यह पूरे जगत को रास्ता दिखाने का काम कर रहा है। संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि भक्ति का भाव संत ही प्रदान करते हैं। इसलिए संत सदा प्रणम्य होते हैं। किसी भी व्यक्ति को ऐसे स्थान पर अवश्य आते रहना चाहिए। अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे स्थान पर आकर कार्य के लिए आवश्यक ऊर्जा, दृष्टि और मन को शांति मिलती है। संत मामा जी ने अपनी साधना से इस स्थान पर आभामंडल का निर्माण किया है। उल्लेखनीय है कि राम विवाह महोत्सव का प्रारंभ 1969 में प्रख्यात संत मामाजी ने किया था। इस साल 53वां महोत्सव मनाया जा रहा है। आज यहां फुलवारी का मंचन किया गया। रविवार को राम बारात निकाली जाएगी। सोमवार को राम विवाह होगा। मंगलवार (29 नवंबर) को महोत्सव का समापन हो जाएगा।

त्रिपुरा में भारत ...

अनुपम दास ने बताया कि युवकों के एक समूह ने अचानक रैली पर पथराव कर दिया, जिसमें तीन पुलिस कांस्टेबल सहित कई लोग घायल हो गए। इससे युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो गई। उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर, पुलिस ने युवकों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। हो सकता है कि इस दौरान कुछ लोग घायल हो गए हों। उन्होंने कहा कि हमले में कांग्रेस के छह-सात समर्थक घायल हो गए, लेकिन यह संख्या बढ़ने की आशंका है। बाद में आक्रोशित भाजपा समर्थकों ने अपने समर्थकों पर लाठीचार्ज को लेकर थाने के बाहर प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेता आशीष साहा ने दावा किया कि हमले में पार्टी के 15 कार्यकर्ता घायल हुए हैं। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी), शंकर दास ने कहा कि कार्यक्रम के दूसरे चरण में पश्चिम त्रिपुरा जिले के आमतली में हमला किया गया। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है, लेकिन पुलिस घटना की स्वत: जांच शुरू कर देगी। स्थिति अब नियंत्रण में है। राष्ट्रीय स्तर की भारत जोड़ो यात्रा के तहत कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की विभिन्न राज्य इकाइयां इसी तरह के मार्च का आयोजन कर रही हैं। कांग्रेस की त्रिपुरा इकाई ने सभी उप-मंडलों में ऐसी यात्राएं आयोजित की हैं। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को पूरी छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। जो लोग हिंसा में लिप्त हैं उन्हें पता होना चाहिए कि हिंसा से कुछ नहीं होता है।

स्वर्वेद भाष्य

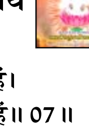

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

भोक्ता को वाणी नहीं, वाणी जाना नाहिं।
मनन विवेचन थकित है, सो सुख वरणि न जाहिं॥ 07॥

शब्दार्थ : (सुख) परमानंद (भोक्ता) आत्मा।

भाष्य : आत्मा की वाणी नहीं है कि वह बाहर अपने आनंद को प्रकट कर सके और जो वाणी बाह्य जगत में कार्य करती है, वह उस आनंद को जानती नहीं। बुद्धिमान उसके मनन, विवेचन करने में असमर्थ हैं, उस महासुख का भौतिक करणों से वर्णन नहीं हो सकता।

गूँगा प्रेम प्रसन्न से, कर अँगूर रस पान।
सोय स्वाद नहिं कहि सके, मनहिं मन अनुमान॥ 08॥

शब्दार्थ : (गूँगा) मूक, जो वाणी से नहीं बोल सकता (अँगूर) दाख (स्वाद) रस, आनंद।

भाष्य : गूंगा व्यक्ति अंगूर के रस का पान करता है, पर उसके स्वाद सुख का वर्णन नहीं कर सकता। वह अपने मन में ही उस रस का विचार करता है, क्योंकि वर्णन करने के लिए उसकी वाणी नहीं है। इसी प्रकार ब्ह्मसुख-उपभोग आत्मा, गूंगे की तरह उस सुख का वर्णन नहीं कर सकती। ब्रह्मसुख आत्मा का विषय है, इंद्रियों का नहीं इसलिए उसका बर्णन नहीं हो सकता।

संविधान सबसे बड़े लोकतंत्र का मार्गदर्शक : प्रो. मुखी

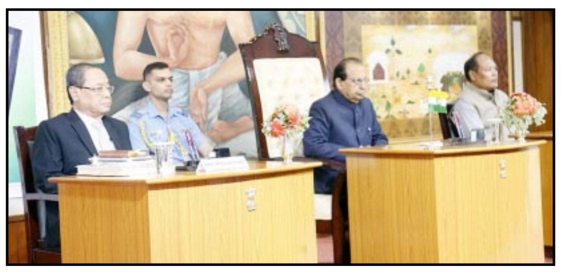

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संरचना, पोषण और रखरखाव का सौभाग्य प्राप्त है। ऐसे में संविधान जो इस सबसे बड़े लोकतंत्र का मार्गदर्शक प्रकाश है, उसे हर आम आदमी के अस्तित्व से जुड़ना चाहिए और उसकी आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करना चाहिए। राज्यपाल प्रो. मुखी ने शनिवार को यहां राजभवन में संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चूंकि भारत का संविधान देश में सभी के लिए एकमात्र शक्ति का स्रोत है, इसलिए इसे लोगों के जीवन को बनाने के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने संविधान और जनता के बीच आंतरिक संबंध बताते हुए कहा कि संविधान लोगों को उतना ही अधिकार देता है, जितना लोग संविधान को सशक्त करते हैं। जब व्यक्ति और संस्थान पूछते हैं कि संविधान ने उनके लिए क्या किया है और इसने उनकी क्षमताओं का निर्माण कैसे किया है-तो उन्हें यह भी विचार करना चाहिए कि उन्होंने संविधान को बनाए रखने के लिए क्या किया है और उन्होंने इसकी मूल्य प्रणाली का समर्थन करने के लिए क्या किया है। संविधान लोगों को मजबूत करता है। साथ ही लोगों को भी प्रतिदिन अपने कार्यों से संविधान को मजबूत करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि संविधान निर्माताओं के बेहतरीन योगदानों में से एक उनका कदम है कि राष्ट्र की संप्रभुता अंतत: देश के नागरिकों के पास निहित है। इसलिए, संविधान सभा का दृढ़ विश्वास था कि उनके पास मौलिक अधिकारों का दावा है। हालांकि प्रो. मुखी ने कहा कि नागरिकों के अपने अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्य के रूप में राष्ट्र और समाज के प्रति दायित्व भी होते हैं। उन्होंने सभी से संविधान में शामिल मौलिक कर्तव्यों पर अधिक चिंतन करने की अपील की। प्रो. मुखी ने कहा कि देश के लोगों को जनता को संगठित करने और मौलिक कर्तव्यों के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता पैदा करने के लिए एकजुट होना चाहिए। लोकतंत्र में जन आंदोलन सबसे मजबूत हथियार है। अत: भारतीय लोकतंत्र में भी लोगों को मौलिक कर्तव्यों के पालन के लिए प्रेरित करने के लिए बड़े पैमाने पर जनमत होना चाहिए। डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बी.आर. अंबेडकर जैसे अन्य संविधान निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने संविधान दिवस को स्वीकार करने और सम्मान करने के लिए 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया। उन्होंने कहा कि संविधान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसका सनातन दर्शन है। संविधान के निर्माता बहुत दूरदर्शी थे इसलिए उन्होंने संविधान को लचीला बनाया ताकि आने वाली पीढ़ियों को संविधान की धाराओं को बदलने की शक्ति दी जा सके और उन्हें बदलते समय के साथ अधिक सार्थक और संगत बनाया जा सके। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संविधान कठोर नहीं बल्कि एक जीवंत दस्तावेज है। संविधान सभा सचेत थी कि नए परिवर्तनों और लोगों की आकांक्षाओं को समायोजित करने के लिए संविधान को नए धागों से गुंथे जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में संसद द्वारा संविधान में कई संशोधन किए गए हैं। चूंकि, संविधान दिवस 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में हर साल मनाया जाता है, राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि एक राष्ट्र के रूप में जो कुछ भी किया जा रहा है, उस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। लोगों का कल्याण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि भारत के आम आदमी के कल्याण के लिए प्रत्येक कार्य को जिम्मेदार ठहराना संविधान निर्माताओं के लिए सबसे बड़ी श्रद्धांजलि और संविधान दिवस समारोह होगा। राज्यसभा के सदस्य और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने इस अवसर पर संविधान सभा की यात्रा पर प्रकाश डाला, जिसका गठन स्वतंत्र भारत के लिए संविधान बनाने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि यह एक लंबा प्रयास था जिसमें संविधान को आकार देने वाले निर्माताओं के कठिन परिश्रम को शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि संविधान सभा के निर्माताओं ने जब संविधान का मसौदा तैयार किया तो उन्होंने मुख्य रूप से आपसी विश्वास की भावना पर भरोसा किया। इसके अलावा, वे संविधान के दर्शन को भी चिरस्थायी बनाना चाहते थे। संविधान निर्माता बहुत दूरदर्शी थे इसलिए उन्होंने विशिष्ट आवश्यकताओं को समायोजित करने के लिए संविधान में संघीय और एकता चरित्र का प्रावधान किया। उन्होंने संविधान की समग्र भावना और विभिन्न परिस्थितियों में यह कैसे काम कर रहा है, इस पर भी विस्तार से बात की। असम विधानसभा के अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि पूरे विश्व में सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते, हमारा संविधान गरिमा और सम्मान का जीवन जीने के लिए अंतिम मार्गदर्शक प्रदान करता है।

माछखोवा से फैंसी बाजार में रिक्शा की एंट्री बंद

गुवाहाटी (नसं)। माछखोवा जेल रोड से फैंसी बाजार में रिक्सा की एंट्री फिलहाल बंद कर दी गई है। गौरतलब है कि शुक्रवार को फैंसी बाजार मधुकुंज तीन आली पर दो ई रिक्शा चालक को लेकर आपस में बुरी तरह से उलझ गए। जिसमें एक को को मामूली सी चोट भी आई। इस परिस्थिति को लेकर वहां काफी भीड़ भी जमा हो गई थी। ऐसी घटनाएं आये दिन देखने को मिलती है। फैंसी बाजार में फिलहाल जेल रोड से एंट्री बंद कर दी गई है। मगर सामान से लदे ठेले पर कोई प्रतिबंध नहीं है एवं अन्य वाहन रोजमर्रा की तरह आते जाते रहेंगे। दूसरी ओर जेल रोड भाजपा चारोली पर सब्जी व्यापारियों की जो भरमार रहती है उसके चलते भी रिक्शा के चलते काफी जाम की समस्या पैदा हो जाती है। प्रात: 5:00 से 9:00 बजे तक तो स्थिति इतनी भयंकर होती है कि स्थानीय आवासीय को भी पैदल चलने में काफी कठिनाई महसूस होती है। ऐसी परिस्थिति में महिलाएं काफी असुरक्षित रहती है। इस एकतरफा नो एंट्री से समस्या का पूरा समाधान तो नहीं हो पाएगा लेकिन कुछ हद तक भीड़ में कमी की जा सकती है।

कोकराझाड़ में सीआरपीएफ की 129वीं बटा ने मनाया संविधान दिवस

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के भोटगांव स्थित सीआरपीएफ की 129 बटालियन के द्वारा शनिवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बटालियन के कमाण्डेंट गुलाब सिंह के द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को शपथ दिलाई गई। साथ ही कमाण्डेंट के द्वारा बटालियन में उपस्थित अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए भारत के संविधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है जो कि संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर, 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ। वर्तमान में इसमें 448 अनुच्छेद तथा 12 अनुसूचियां हैं और ये 25 अंगों में विभाजित है। इसमें अब तक 101 बार संशोधन भी किया जा चुका है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना के अनुसार भारत एक सम्प्रभुता संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष तथा लोकतांत्रिक गणराज्य है। भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि हम अपने संवैधानिक मूल्यों का आदर करें तथा उनका पालन करें। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्मिकों ने संविधान का पालन करने की शपथ ली।

कई ट्रैक रिनुअल कार्य पूसीरे ने किया पूरा

गुवाहाटी (विभास)। रेल पटरियों के रखरखाव और रेल यात्रियों को सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने अक्तूबर महीने में कई ट्रैक रिनुअल कार्य किए हैं। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने शनिवार को एक बयान में बताया है कि पूसीरे ने संरक्षा वृद्धि और ट्रेन परिचालन की गति बढ़ाने के लिए कई ट्रैक रखरखाव कार्य किए हैं। अक्तूबर महीने के दौरान बलास्ट से धूल, बलुई राख आदि की अभेद्य परत को साफ कर 11.68 किमी समतल पटरियों की डीप स्क्रीनिंग की गई है, जिससे इस वर्ष अप्रैल से अक्तूबर तक 114.74 किमी की संचयी प्रगति हुई है। अक्तूबर में 14.45 टीकेएम का थ्रू स्लीपर रिनुअल किया गया है, जिससे महीने तक 74.08 टीकेएम की संचयी प्रगति हुई है। अक्तूबर के दौरान 10.75 समकक्ष सेटों का थ्रू टर्नआउट रिनुअल किया गया है, जिससे महीने तक 93.75 सेटों की संचयी प्रगति हुई है। अक्तूबर में 35 पुलों का पुनर्वास किया गया है, जिससे महीने तक 131 पुलों की संचयी प्रगति हुई है। नियमित अंतराल पर पटरियों के रखरखाव के परिणामस्वरूप ट्रेनों का संचालन सुचारू रूप से

हुआ है। इसके अलावा अक्तूबर में यूएसएफडी (अल्ट्रा सोनिक फ्लॉ डिटेक्शन) मशीन द्वारा 1843.17 किमी ट्रैक का परीक्षण किया गया है, जिससे महीने तक 12372.35 किमी की संचयी प्रगति हुई है। सुरक्षा कारणों से यूएसएफडी तकनीक दरारों और दोषपूर्ण पटरियों को समय पर हटाने जैसी खामियों का पता लगाने के लिए की जाती है। रेलवे ट्रैक के लिए संरक्षा उपायों पर जोर दिए जाने से बढ़ी हुई गति और बेहतर सवारी अनुभव के साथ ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन हुआ है।

शिवसागर के शिमलगुड़ी से लापता छात्रा अरुणाचल में मिली

शिवसागर (हि.स.)। पुलिस अधिकारी सूर्य कुमार बोरा की तत्परता से शिवसागर जिलांतर्गत नाजिरा उपखंड के शिमलगुड़ी से लापता हुई एक छात्रा को सकुशल अरुणाचल प्रदेश से बरामद किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया है कि लापता छात्रा को अरुणाचल प्रदेश के दापरिजू से बचाया गया। 15 वर्षीय छत्रा पिछले करीब 20 दिनों से लापता थी। छात्रा की सकुशल बरामदगी पुलिस की बड़ी सफलता बतायी जा रही है। अभियान का नेतृत्व शिमलगुड़ी थाना प्रभारी सूर्य कुमार बोरा ने किया। 9वीं कक्षा की छात्रा को बहलाकर उसके हम उम्र का एक युवक ले गया था।

ट्रेन की चपेट में आने से स्कूटी चालक की मौत

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। डिब्रूगढ़ जिला के दो नंबर पदुम नगर में ट्रेन की चपेट में आने से स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार को रेलवे ट्रैक पार करते समय स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना खबर मिलते ही मौके पर पहुंची रेलवे पुलिस की टीम ने मृत स्कूटी चालक के शव को पोस्टमार्टम के अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान सूरज मल प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक प्रकाश कुमार सिन्हा के रूप में की गई है। घटना के समय प्रकाश स्कूटी के जरिए स्कूल से अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गए।

पीजी योग थेरेपी डिप्लोमा कोर्स के छात्र की इंटर्नशिप स्वस्ति अस्पताल में आयोजित

रंगिया (निसं)। वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती के मौके पर गुरुवार को कुमार भास्कर बर्मा संस्कृत और प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, नलबाड़ी के पीजी योग थेरेपी डिप्लोमा कोर्स के छात्र की इंटर्नशिप स्वस्ति अस्पताल, रंगिया में विशिष्ट चिकित्सक तथा स्वस्ति अस्पताल के परिचालन संचालक डॉ. हितेंद्र कलिता ने उद्घाटन किया। इस मौके पर डॉ कलिता ने कार्यक्रम के प्रारंभ में वीर लाचित की छवि के सामने दीप प्रज्वलित कर वीर सेनापति को श्रद्धांजलि अर्पित की और वीर लाचित के कर्मजीवन और यौगिक चिकित्सा के विषय पर एक मूल्यवान और दिलचस्प भाषण दिया। मुख्य अतिथि डॉ. खबीरुद्दीन आहमेद ने वर्तमान समय में योग चिकित्सा की आवश्यकता और प्रासंगिकता पर व्याख्यान दिया। योग चिकित्सक योगाचार्य ज्योतिष कलिता ने रोगियों को ठीक करने में

योग चिकित्सा की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में कुमार भास्कर बर्मा विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्रशिक्षक उत्पल दत्त ने भाग लिया, जिन्होंने स्वस्ति अस्पताल के प्रतिष्ठित डॉक्टरों सहित अधिकारियों को इंटर्नशिप में सुविधाएं और सहयोग प्रदान करने के लिए अपना हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

रंगिया में संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन की 5वीं वर्षगांठ कार्यक्रम

रंगिया (निसं)। रंगिया में स्थापित सामाजिक और सांस्कृतिक संगठन संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन ने चौथा वर्ष पूर्ण कर लिया है। इस उपलक्ष्य में रंगिया कृषक शहीद भवन में आयोजित हेमोंतोर सोंधिया संगीत का गीत और कविता शीर्षक विशेष कार्यक्रम रनदिया (शतदल) साहित्य सभा के सचिव हेमंत कलिता द्वारा केक काटकर किया गया। उनके साथ दिग्गज अभिनेता मृगेन लहकर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में शिक्षिक कवि खगेन दास, मुनीन शर्मा, मामोनी लहकर, बीना बरुआ, सैयद मुस्तफा अहमद ने स्वरचित कविता पाठ किया। शिक्षिका रीता पासनी, रीना देवी, साधना शर्मा और कुलदीप डेका ने गीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में नन्ही धृतिस्मिता और निहारिका दास तथा एजे डांस एकेडमी के शिल्पियों के नृत्य की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही। बैठक का विशेष कार्यक्रम दिग्गज अभिनेता मृगेंद्र लहकर के अभिनय की प्रस्तुति रही। कार्यक्रम के अंत में ग्रुप की ओर से प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक की शुरुआत में संगीत ग्रुप ऑफ क्रिएशन के सचिव पंकज पल्लव शर्मा ने कहा कि मैं हमेशा अपेक्षित और प्रतिभाशाली कलाकारों के पक्ष में रहा हूं और रहूंगा तथा इनकी सहायता करते रहुंगा। प्रमुख कवि उज्ज्वल डेका द्वारा संचालित तथा पंकज पल्लव शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में नलबाड़ी जिला छात्र संघ के सांगठनिक सचिव रंजीत शर्मा और पत्रकार शंकर कलिता आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक का समापन गिरिजानंद भट्टाचार्य के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। बैठक में यादव कुमार कलिता, कलाकार नियर परश, मेघाली डेका, मोनालिसा गोस्वामी, अंजू कलिता और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

मारवाड़ी सम्मेलन की दो नई शाखाओं का गठन

गुवाहाटी। मारवाड़ी समाज की अग्रणी संस्था पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) की दो नई शाखाओं का गठन प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल की उपस्थिति में हुआ। ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ व तिनसुकिया के बीच चंद गांवों को मिलाकर अलग-अलग शाखा का गठन किया गया। इनमें डिकम, आलीमुर लाहोवाल, घो?ामारा व थानाई गांवों को मिलाकर मारवाड़ी सम्मेलन डिकम वृहत्तर शाखा का गठन किया गया। वहीं नाहोलिया, बरडुबी, मधुटिंग व टिपलिंग गांव को मिलाकर मारवाड़ी सम्मेलन की नाहोलिया बरडुबी शाखा का गठन किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष खंडेलवाल की उपस्थिति में दोनों नई शाखाओं के अध्यक्ष तथा कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। नवगठित डिकम वृहत्तर शाखा के अध्यक्ष के रूप में सुभाष अग्रवाल तथा नाहोलिया बरडुबी शाखा के अध्यक्ष के रूप में जगदीश अग्रवाल को प्रांतीय अध्यक्ष ने शपथ पाठ कराया। वहीं दोनों शाखाओं के कार्यकारिणी शाखाओं के सदस्यों को मंडलीय उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, मंडलीय सहायक मंत्री पवन केजरीवाल, संगठन विस्तार समिति के संयोजक बीरेन कुमार अग्रवाल, प्रांतीय कार्यकारिणी परिणय समिति संयोजक बिमल अग्रवाल ने शपथ ग्रहण कराया। डिकम वृहत्तर शाखा के सचिव के रूप में जगदीश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल तथा नाहोलिया बरडुबी शाखा सचिव के रूप में राजू बजाज व कोषाध्यक्ष गोविंद अग्रवाल ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रांतीय अध्यक्ष खंडेलवाल ने अपने संबोधन में आह्वान किया कि समाज को सशक्त बनाने के लिए संस्था से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ें। उन्होंने दोनों शाखाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि ऊपरी असम के अंदरुनी गांवों में मारवाड़ी सम्मेलन की दो शाखाओं का गठन होने से यहां पर संस्था और मजबूत होने के साथ-साथ समाज सेवा के कार्यों में बढ़ोतरी होगी। प्रांतीय जनसंपर्क अधिकारी विवेक सांगानेरिया ने बताया कि दोनों शाखाओं के गठन कराने में प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य बिमल अग्रवाल व बीरेन अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके लिए प्रांतीय अध्यक्ष खंडेलवाल ने उनके प्रयासों की खुले दिल से सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

रंगिया में पूप्रामास के प्रांतीय पदाधिकारियों का दौरा

रंगिया (निसं)। पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल तथा महामंत्री अशोक अग्रवाल ने आज सम्मेलन की रंगिया शाखा का दौरा किया। इस मौके पर आयोजित औपचारिक बैठक मे शाखा अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, उपाध्यक्षद्वय योगेश शर्मा व बासुदेव शर्मा, सचिव जितेन्द्र जाजोदिया, कोशाध्यक्ष पवन जाजोदिया, कार्यकारिणी सदस्य कैलाश छित्रका, सलाहकार महेशजी सीकरिया उपस्थित थे। बैठक के पूर्व मौके पर सम्मेलन की रंगिया शाखा की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष खंडेलवाल एवम महामंत्री अग्रवाल का फूलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। इस मौके पर प्रांतीय पदाधिकारियों ने रंगिया शाखा अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल और सचिव जितेंद्र जाजोदिया को संगठन का बेज प्रदान किया तथा उनका फूलाम गामोछा से सम्मानित किया। इस मौके पर प्रांतीय पदाधिकारियों ने वक्तव्य प्रदान कर उपस्थित शाखा पदाधिकारिओं को प्रोत्साहित किया।

इंफ्रास्ट्रक्कर स्नैपशॉट कोकराझाड़ ने जीता राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2021-22

कोकराझाड़ (हि.स.)। 25वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस शिखर सम्मेलन 2022 के रूप में जम्मू में शनिवार से आरंभ एक मेगा कार्यक्रम में इंफ्रास्ट्रक्कर स्नैपशॉट कोकराझाड़ ऐप को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार प्रदान किया गया। कोकराझाड़ की उपायुक्त बर्नाली डेका ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के सचिव वी श्रीनिवास, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अलकेश कुमार शर्मा, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के अतिरिक्त सचिव अरुण कुमार मेहता, अमर नाथ और कई अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री कार्यालय और कार्मिक राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से पुरस्कार प्राप्त किया। यह कार्यक्रम श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय परिसर के कार्यलय में आयोजित किया गया। कोकराझाड़ की उपायुक्त डेका के साथ उनकी टीम के सदस्य सहायक आयुक्त पी खानिकर और मृदुल बोडो उपस्थित थे। टीम के अन्य सदस्यों के रूप में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के जिला सूचना अधिकारी श्यामल कुमार दास शामिल थे। यह सम्मेलन राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन की रजत जयंती और आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष में आयोजित किया

जा रहा है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन देश भर के हजारों दर्शकों द्वारा लाइव और वेबकास्ट मोड में देखा गया। ज्ञात हो कि ऐप ने कोकराझाड़ जिला प्रशासन की एक अभिनव पहल के रूप में अंतिम पायदान पर खड़े उपयोगकर्ता तक सार्वजनिक सेवाओं को पहुंचाने है और एक प्रभावी ई-गवर्नेंस टूल के रूप में कार्य किया है। इस पहल को कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार के तहत प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा ई-गवर्नेंस में जिला स्तरीय उद्योगों में उत्कृष्टता की श्रेणी के तहत चुना गया है। सभी सरकारी योजनाओं और सार्वजनिक संस्थानों की प्रभावी निगरानी के लिए कोकराझाड़ के उपायुक्त बर्नाली डेका द्वारा 24म7 विन्यास योग्य मोबाइल आधारित एप्लिकेशन के रूप में कल्पना की गई बुनियादी ढांचा स्नैपशॉट कोकराझाड़ ऐप शिकायतों को आसानी से दर्ज करने और निपटान करने में सक्षम बनाता है। ऐप को एंड्रॉयड प्लेस्टोर पर मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है। इसमें स्टेटस अपडेट फीचर के साथ ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से काम करने की सुविधा है। वेबकैम ने इस ऐप को अपनी सामाजिक कार्रवाई पहल के तहत मुफ्त में विकसित किया है। ऐप एक एकीकृत, केंद्रीकृत पोर्टल है जो सेवा वितरण और निर्णय लेने के अलावा नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देता है। ऐप में अब अंग्रेजी, असमिया में उपयोगकर्ता भाषाई इंटरफ़ेस है। बोडो और अन्य स्थानीय भाषाओं के इंटरफेस को भी बहुत जल्द शामिल किया जाएगा। यह ऐप उपयोगकर्ताओं को देखी और सबमिट की गई समस्याओं को हल करने के लिए सुझाव दे सकता है। यह विभागीय पर्यवेक्षण को भी सक्षम बनाता है। बर्नाली डेका बोडोलैंड स्वायत्तशासी परिषद के सचिव और बोडोलैंड एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज के निदेशक के रूप में अतिरिक्त प्रभार के साथ कोकराझाड़ के उपायुक्त के रूप में कार्यरत हैं। वह ई-गवर्नेंस पर इस प्रतिष्ठित रजत जयंती संस्करण, 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में व्यापार करने में आसानी और जीवन की आसानी को बढ़ाने के लिए डिजिटल गवर्नेंस के पूर्ण सत्र की मुख्य अध्यक्ष और मुख्य वक्ता होंगी।

दिल्ली सरकार के अस्पतालों में मुफ्त में होगी रिअसाइनमेंट सर्जरी

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के हस्तक्षेप के बाद अब दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों को एक सर्कुलर जारी किया है कि अगर उनके यहां 'बर्न एंड प्लास्टिक वार्ड' और प्लास्टिक सर्जन हैं तो मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी शुरू करें। डीसीडब्ल्यू कई महीनों से स्वास्थ्य विभाग के साथ इस मामले को उठा रहा है। डीसीडब्ल्यू ने कहा कि राजधानी में ट्रांसजेंडरों द्वारा सामना किए जाने वाली समस्याओं में से सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी (एसआरएस) की कमी एक बड़ी समस्या है। ट्रांसजेंडरों को एक निजी अस्पताल में लिंग परिवर्तन की प्रक्रिया करवाने के लिए 10-15 लाख तक का भुगतान करना पड़ता है। इस संबंध में डसीडब्ल्यू ने दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग को नोटिस जारी कर दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी की सुविधा के प्रावधान के संबंध में जानकारी मांगी थी। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोग को सूचित किया गया था कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में एसआरएस की सुविधा उपलब्ध नहीं थी।

हालांकि, डीसीडब्ल्यू के आग्रह पर स्वास्थ्य विभाग ने मामले को परखने और उस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) को एक समिति के गठन का निर्देश दिया था। इसके बाद जब स्वाति मालीवाल द्वारा समिति की स्थिति की जानकारी मांगते हुए डीजीएचएस को एक नोटिस भेजा गया, तो आयोग ने बताया कि दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल के बर्न एंड प्लास्टिक विभाग में अब मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्वाति मालीवाल ने तब स्वास्थ्य विभाग को सम्मन जारी कर पूछा कि 'बर्न एंड प्लास्टिक' सर्जरी वार्ड की सुविधा वाले केवल एक सरकारी अस्पताल में मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी क्यों है? सभी अस्पतालों में क्यों नहीं? आयोग ने विभाग को चिन्हित किया कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति 2019 में भी सरकारी अस्पतालों में एसआरएस का प्रावधान है। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय द्वारा अब आयोग को सूचित किया गया है कि सरकार ने आयोग की सिफारिश को स्वीकार कर लिया है और इस संबंध में दिल्ली के सरकारी अस्पतालों के सभी चिकित्सा अधीक्षकों को एक सर्कुलर जारी किया गया है। जारी किए गए सर्कुलर में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि प्लास्टिक सर्जन की सुविधा के साथ 'बर्न एंड प्लास्टिक वार्ड' वाले सभी सरकारी अस्पतालों को ट्रांसजेंडरों को मुफ्त सेक्स रिअसाइनमेंट सर्जरी प्रदान करना शुरू करना चाहिए।

मुंबई हमले के 14 साल पूरे होने पर कोश्यारी शिंदे फड़नवीस सुप्रिया सुले ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई (ईएमएस)। 26/11 मुंबई आतंकी हमले की 14वीं बरसी पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडनवीस गेटवे ऑफ इंडिया और ताज होटल के बाहर श्रद्धांजलि देने वालों में शामिल हुए। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने भी मुंबई आतंकी हमले की 14वीं बरसी पर मुंबई में तुकाराम ओंबले स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उन शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की जिन्होंने 14 साल पहले 26 नवंबर को शहर पर हमला करने वाले आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवा दी थी। उन्होंने दक्षिण मुंबई स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय के परिसर में शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस मंत्री दीपक केसरकर मुख्य सचिव मनु कुमार श्रीवास्तव राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रजनीश सेठ मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक

फणसालकर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। नवंबर 2008 में हुए इन हमलों में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि 10 पाकिस्तानी आतंकवादी 26 नवंबर 2008 को समुद्री मार्ग से मुंबई पहुंचे थे और उनके हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 166 मारे गए थे तथा कई अन्य लोग घायल हुए थे। इसके अलावा करोड़ों रुपये की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा था। यह हमला 26 नवंबर को शुरू हुआ था और 29 नवंबर तक चला था। इस दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस ओबेरॉय ट्राइडेंट ताजमहल पैलेस एंड टॉवर लियोपोल्ड कैफे कामा अस्पताल नरीमन सामुदायिक केंद्र जैसे स्थानों को निशाना बनाया गया था। अजमल कसाब एकमात्र आतंकवादी था जिसे जिंदा पकड़ा गया था। उसे चार साल बाद 21 नवंबर 2012 को फांसी दे दी गई थी।

कर्नाटक की मांग- महाराष्ट्र में कन्नड़ भाषियों को दी जाए पर्याप्त सुरक्षा

- गृह सचिव ने कन्नड़भाषियों की सुरक्षा के लिए महाराष्ट्र के गृहविभाग से की चर्चा

मुंबई, (हि.स.)। कर्नाटक राज्य के गृह सचिव ने शनिवार को महाराष्ट्र में कन्नड़भाषियों की सुरक्षा के सूबे के गृहविभाग से चर्चा की है। कर्नाटक के गृह सचिव ने राज्य कन्नड़ भाषियों को हर तरह सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की भी मांग की है। महाराष्ट्र के सीमावर्ती गांवों में शुक्रवार को कर्नाटक की बसों के विरुद्ध आंदोलन करने के बाद कर्नाटक सरकार ने बस सेवा बंद कर दी है। महाराष्ट्र कर्नाटक सीमा विवाद की वजह से महाराष्ट्र ने भी अपनी बसों को कर्नाटक में भेजना बंद कर दिया है।

इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आज कर्नाटक के मुख्यमंत्री वसवराज बोम्मई ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट में चल रही सीमा विवाद की लड़ाई किसी भी कीमत पर कर्नाटक सरकार ही जीतने वाली है। इस बयान को लेकर भी महाराष्ट्र में रोष फैला है। इससे पहले कर्नाटक के सीएम बोम्मई ने कहा था कि सांगली जिले के 42 गांव के लोग तथा सोलापुर की अक्कलकोट तहसील के लोग कर्नाटक में शामिल होने के इच्छुक है। इसके बाद महाराष्ट्र में माहौल गरमा गया है। इसके बाद महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा पर शुक्रवार को कर्नाटक की बसों के विरुद्ध आंदोलन किया गया था। इसके मद्देनजर आज कर्नाटक के गृह सचिव ने महाराष्ट्र के गृह विभाग से चर्चा की है।

भागीरथ पैलेस में लगी आग, उपराज्यपाल ने स्थिति का लिया जायजा

अजय कुमार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के चांदनी चौक के भागीरथ पैलेस में गुरुवार रात लगी भीषण आग पर 38 घंटे बाद भी पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना शनिवार को जायजा लेने मौके पर पहुंचे। उनके साथ दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग और डीसीपी सागर सिंह कलसी भी थे। इन लोगों ने स्थिति का जायजा लिया और वहां के लोगों से पूछताछ की। दमकल के डिप्टी चीफ ऑफिसर सुमेश कुमार दुआ ने बताया कि बिल्डिंग का आधा से ज्यादा हिस्सा गिर चुका है। जहां पर मलबा गिरा है, उसके नीचे काफी सारी दुकानें चपेट में आ चुकी है। मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड की टीम पानी डालकर उसे लगातार बुझा रही हैं।

एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियां मौजूद हैं। दमकल विभाग ने बताया कि यह कह पाना कि आग कितनी देर के अंदर पूरी तरह से बुझ जाएगी काफी मुश्किल है। दमकल की टीम के अलावा मौके पर दिल्ली पुलिस और दूसरी एजेंसियों की टीम भी तैनात हैं। इस आग पर काबू पाने में और कई घंटों का समय लग सकता है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार रात 9.11 बजे आग की सूचना दमकल विभाग के कंट्रोल रूम को मिली थी। रात में ही 40 से ज्यादा दमकल की गाड़ियों ने पहुंचकर भीषण आग पर कंट्रोल कर लिया था। शुक्रवार सुबह 8 बजे तक आग को बुझा लिया गया है, लेकिन कूलिंग का काम अभी भी चल रहा है, जो अगले कई घंटों तक जारी रहेगा।

एम्स सर्वर डाउन के मामले में अब एनआईए भी कर रही है जांच !

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का सर्वर चौथे दिन भी डाउन रहा। हालांकि यहां अस्पताल के कार्य मेनुअल तरीके से संचालित किए जा रहे हैं। देश के सबसे प्रतिष्ठित अस्पताल का सर्वर यूं डाउन क्यों हुआ, इसका पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। सूत्रों की माने तो अब एनआईए भी उक्त मामले की जांच कर रही है। एम्स ने कहा है कि ऐसे हमलों को रोकने के लिए कदम उठाने की भी योजना बनाई जा रही है। हम आशा करते हैं कि प्रभावित सेवाएं जल्दी बहाल हो जाएंगी। साइबर सुरक्षा हमले के डर के बीच, सभी इमरजेंसी और सामान्य सेवाएं, प्रयोगशाला आदि का काम कागज-कलम की मदद से हो रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया

कि भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी टीम, दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि लगातार इस मामले में काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण भी इस जांच में शामिल हो गए है। दिल्ली के एम्स में सबसे ज्यादा सर्वर डाउन होने से मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों के रिश्तेदार पिछले कई दिनों से एम्स में अपॉइंटमेंट के लिए चक्कर काट रहे हैं। समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है और जिन्हें चेकअप की डेट दी गई है उनका चेकअप भी नहीं हो पा रहा है क्योंकि सभी काम आजकल ऑनलाइन होते हैं।

सत्येंद्र जैन का एक और वीडियो हुआ वायरल

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की तिहाड़ जेल में मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में बंद दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन का शनिवार को एक और वीडियो वायरल हुआ है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता हरीश खुराना ने कहा कि इस वीडियो में सत्येंद्र जैन, अपने कमरे में जेल सुपरिटेंडेंट अजीत कुमार समेत अन्य लोगों के साथ मीटिंग कर रहे हैं। जो कि सरासर जेल मैनुअल का उल्लंघन है। इससे पहले भी सत्येंद्र जैन की मसाज कराने और होटल का खाना खाने का वीडियो वायरल हुआ था। भाजपा का कहना है कि जेल में रहकर मंत्री सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि सत्येंद्र जैन पर जेल में अपने पहुंच का गलत इस्तेमाल करने के आरोपों की जांच के बाद, 14 नवंबर को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव नरेश कुमार ने जेल नंबर 07 के सुपरिटेंडेंट अजीत कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया था। इस संबंध में गत माह ईडी ने कोर्ट से शिकायत की थी कि सत्येंद्र जैन

जेल में अपने प्रभाव का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। वह जेल मैनुअल का उल्लंघन कर मसाज से लेकर अन्य सुविधाओं का आनंद ले रहे हैं।

इसके साथ ही यह भी कहा गया था कि वह केस से संबंधित लोगों से मिल भी रहे हैं और तो और ईडी ने सत्येंद्र जैन के जेल में मसाज लेने का वीडियो भी सबूत के तौर पर कोर्ट को सौंपा था, जिसका वीडियो बीजेपी द्वारा सार्वजनिक किया गया था। वहीं, बीतें दिनों लगाए गए इस आरोप के बाद भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने उपराज्यपाल से इसकी शिकायत की थी, जिसके बाद उपराज्यपाल ने पूरे मामले की जांच दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को करने को कहा था। जांच के बाद मुख्य सचिव ने जेल नंबर 07 के सुपरिटेंडेंट अजीत कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया था। वहीं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा था कि सत्येंद्र जैन अभी भी दिल्ली सरकार के मंत्री बने हुए हैं और 30 मई को गिरफ्तारी से पहले उनके पास स्वास्थ्य और जेल विभाग था। उनके जेल अधिकारियों के साथ पहले से संपर्क हैं जिसका वह अवैध लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यह करोड़ों की ठगी करने वाले सुकेश चंद्रशेखर जैसा ही मामला है जिसने जेल में करोड़ों की रिश्वत देकर सुविधाओं का लाभ उठाया। सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने की पीएम से पॉजिटिव सोचने की अपील

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को एक बार फिर कहा कि सीबीआई की चार्जशीट में मनीष सिसोदिया का नाम नहीं है, यह पूरा केस फर्जी है। चार महीने की जांच में 800 अफसरों को कुछ नहीं मिला। मनीष सिसोदिया ने शिक्षा क्रांति से देश के करोड़ों गरीब बच्चों को अच्छे भविष्य की उम्मीद दी है। मुझे दुःख है ऐसे खख्स को झूठे केस में फंसाकर बदनाम करने की साजश रची गई। भाजपा ने गुजरात में लोगों का समर्थन देख अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को बदनाम करने के लिए कहानी लिखकर सीबीआई को पकड़ाई। केजरीवाल ने कहा कि वे हाथ जोड़कर प्रधानमंत्री से अपील करते हैं, वो कहते हैं कि 18 घंटे काम करते हैं। वो यही सोचते हैं कि किस तरह केजरीवाल को काम करने से रोकूं। 18 में से 2 घंटे भी देश के लिए काम कर लें, तो देश में

महंगाई कम होगी, थोड़ा पॉजिटिव सोचें। केजरीवाल ने प्रेस वार्ता में कहा कि देश भर में सीबीआई और ईडी की 500 से ज्यादा टीमों ने छापेमारी की। भाजपा की केंद्र सरकार के 6 महीने के प्रयास के बाद भी मनीष सिसोदिया के खिलाफ कोई सुराग नहीं मिला। उनकी दीवारें तोड़कर देखा गया कि कहीं कैश तो नहीं। गद्दे फाड़कर देखे गए।

मनीष का बैंक लॉकर देखा गया। रिश्तेदार और गांव की जांच की। मगर साक्ष्य नहीं मिला। इससे साबित होता है कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार है, आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार है। उन्होंने कहा कि कोई भाजपा का नेता अपने आप को ही यह कह कर दिखाए। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला केस की प्रधानमंत्री सीधे मॉनिटरिंग करते थे। उन्हें बताया गया कि कह रहे हैं कि जांच जारी है। एडिशनल चार्जशीट आ सकती है। हमारी जांच प्रधानमंत्री तब तक कराएंगे, जब तक जिंदा हैं। जिंदगी भर जांच जारी है। आज तक जितनी भी जांच की, उसमें 25 पैसे की भी गड़बड़ी नहीं मिली। प्रधानमंत्री खुद इस केस को मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वो खुद सीबीआई और ईडी डायरेक्टर से मिल रहे थे। वो चाहते थे कि मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार करे। गर्व से कह सकते हैं कि केजरीवाल कट्टर ईमानदार हैं। पार्टी कट्टर ईमानदार है। आज मैं खड़ा होकर कहता हूं कि कट्टर ईमानदार हूं। भारतीय राजनीति में एक भी नेता खड़ा होकर नहीं कह सकता कि कट्टर ईमानदार हूं। इसी से सब परेशान हैं। सारी फाइल की जांच कर ली, ये कुछ नहीं निकाल पाए।

जीएसटी परिषद की 48वीं बैठक 17 दिसंबर को वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिए होगी

नई दिल्ली, (हि.स)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 48वीं बैठक 17 दिसंबर को होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक इस बार वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए होगी। वित्त मंत्री कार्यालय के मुताबिक जीएसटी परिषद की 48वी बैठक वित्त मंत्री की अध्यक्षता में 17 दिसंबर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए आयोजित की गई है। पहले यह बैठक नवंबर के पहले पखवारे में मदुरै में आयोजित होने वाली थी, जो टाल दी गई थी। परिषद की बैठक में जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना पर मंत्रियों की समिति (जीओएम) की रिपोर्ट और कसीनो तथा ऑनलाइन गेमिंग पर कर लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की उम्मीद है। इसके अलावा जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) के गठन पर भी इस बैठक में चर्चा होगी, जिसकी रिपोर्ट हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाले जीओएम ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पहले ही सौंप चुकी है। दरअसल, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए पिछले साल 24 सितंबर, 2021 को गठित जीओएम को मूल रूप से दो महीने यानी नवंबर 2021 तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन समिति को लगातार विस्तार मिल रहा है।

जीएसटी परिषद ने जून, 2022 में अपनी पिछली बैठक में जीओएम को पूरी रिपोर्ट सौंपने के लिए सितंबर, 2022 तक का वक्त दिया था। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा की अध्यक्षता वाले जीओएम ने मूल रूप से ऑनलाइन गेमिंग, कसीनो और घुड़दौड़ पर 28 फीसदी जीएसटी लगाने का सुझाव दिया था। हालांकि, जीएसटी परिषद ने जून में बैठक के दौरान समिति की रिपोर्ट को आगे चर्चा के लिए वापस भेज दिया था।

हिमाचल भाजपा फिर करेगी विस चुनाव की समीक्षा, सभी 68 उम्मीदवारों से लेगी फीडबैक

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए 12 नवम्बर को हुए मतदान के बाद भाजपा एक बार फिर समीक्षा बैठक करेगी। प्रदेश भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति बीते 20 नवम्बर को सोलन जिला के परवाणू में विस चुनाव की समीक्षा कर चुकी है। अब होने वाली समीक्षा बैठक में चुनाव में उतरे सभी उम्मीदवारों के साथ संवाद किया जाएगा। इसके लिए भाजपा जल्द तिथि तय करेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने शनिवार को कहा कि समीक्षा बैठक में सभी उम्मीदवारों से चुनाव को लेकर फीडबैक लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा पूर्ण रूप से आश्वस्त है कि इस बार प्रदेश में रिवाज बदलेगा और भारतीय जनता पार्टी इन चुनावों में पिछली बार से अधिक सीटें जीतकर नया रिवाज बनाएगी और प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार स्थापित होगी। भाजपा

अध्यक्ष ने कहा कि इस बार प्रदेश में बम्पर मतदान हुआ है और जनता के रूझान एवं उत्साह से साफ जाहिर है कि प्रदेश की जनता ने इस बार प्रदेश में हुए विकास के नाम पर मुहर लगाई है। सुरेश कश्यप ने कहा कि कुछ दिन पूर्व भाजपा की विधान सभा चुनावों के लिए गठित विभिन्न समितियों की बैठक परवाणू में सम्पन्न हुई थी जिसमें समितियों द्वारा किए गए चुनावी कार्यों के लिए उनका आभार प्रकट किया गया था और उनसे सुझाव आमंत्रित किए गए थे। उन्होंने कहा कि कुछ समितियों ने चुनाव से संबंधित सुझाव प्रकट किए थे जिन पर पार्टी ने अमल करने आश्वासन दिया है और जो कुछ कमियां रह गई है उन्हें भी दूर किया जाएगा। सुरेश कश्यप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के बीच अपना अस्तित्व खो चुकी है। आजकल कांग्रेस के सभी नेता दिल्ली दरबार में हाजिरी लगाकर अपनी-अपनी वरिष्ठता को साबित करने का प्रयास कर रहे हैं परन्तु उनकी यह दिल्ली दौड़ किसी काम नहीं आएगी और हिमाचल में एक बार फिर भाजपा सरकार पूर्ण बहुमत के साथ स्थापित होगी।

लीगल प्रोफेशन में भी वंचितों की हिस्सेदारी बढ़नी चाहिए : सीजेआई चंद्रचूड़

नई दिल्ली, (हि.स.)। चीफ जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ाई के साथ-साथ संविधान को लिखने का काम भी किया गया। देश के आजाद होने के समय कई सामाजिक बुराईयां थीं और अभी भी हैं, जिनके खिलाफ आगे भी लड़ाइयां लड़नी हैं। उन्होंने कहा कि लीगल प्रोफेशन में भी वंचितों की हिस्सेदारी बढ़नी चाहिए। चीफ जस्टिस आज संविधान दिवस पर आयोजित एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम अदालतों के कामकाज में सुधार के लिए तकनीक अपना रहे हैं। यह सर्वोच्च महत्व और आवश्यकता है कि न्याय की तलाश में लोग अदालतों तक पहुंचने के बजाय लोगों तक पहुंचने के लिए अदालतों को फिर से तैयार करें। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे बहुसांस्कृतिक देश में न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती वंचितों तक न्याय की पहुंच बनाना है। न्यायपालिका की कोशिश लोगों तक पहुंचने की होनी चाहिए। सीजेआई ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम न्यायपालिका का हिस्सा रहे लोगों के विभिन्न वर्गों के अनुभव को टैप करें। उनके ज्ञान और समझ से संस्था मजबूत होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कानूनी पेशे और न्यायपालिका में हाशिए पर रहने वाले समुदायों और महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाए। हमारे जैसे बड़े और विविध राष्ट्र में एक संस्था के रूप में न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि न्याय वितरण प्रणाली सभी के लिए सुलभ हो। चुनौतियों के लिए समर्पित कार्यों की आवश्यकता होती है। इस मौके पर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बाबासाहेब डॉ. बीआर अंबेडकर के शब्दों को याद करने के लिए आज उपयुक्त समय है जब उन्होंने हमें चेतावनी दी थी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इस आजादी ने हम पर बड़ी जिम्मेदारियां डाली हैं, आजादी से हमने कुछ भी गलत होने के लिए अंग्रेजों को दोष देने का बहाना खो दिया है। उन्होंने कहा कि देश की कानूनी सामग्री और कानूनी शब्दावली आम आदमी की समझ में आने वाली स्थानीय भाषा में उपलब्ध नहीं है। रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कई अवसरों पर न्यायिक प्रणाली में हमारे देश के आम लोगों के विश्वास को बढ़ाने और उन्हें भी जुड़ाव महसूस कराने के लिए अदालतों में स्थानीय भाषाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। कानून मंत्रालय के तहत बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पूर्व सीजेआई एसए बोबडे की अध्यक्षता में भारतीय भाषा समिति का गठन किया है। यह समिति पहले कदम के रूप में क्षेत्रीय भाषाओं में कानूनी सामग्री का अनुवाद करने के लिए सभी भारतीय भाषाओं के करीब एक सामान्य कोर शब्दावली विकसित करने के लिए शब्दों और वाक्यांशों को सूचीबद्ध कर रही है।

वाराणसी में पांच साल में दस गुना बढ़ गयी पर्यटकों की संख्या

– जुलाई 2022 में आंकड़ा पहुंचा 40 लाख के पार, विश्व पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभर रही काशी

वाराणसी, (हि.स.)। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के भव्य और विस्तारित स्वरूप को देखने की ललक अब पूरी दुनिया में बढ़ रही है। काशी के ऐतिहासिक एवं धार्मिक विरासत के सरंक्षण एवं विकास के साथ हजारों करोड़ की विकास परियोजनाओं से बदली प्राचीन शिव नगरी की तस्वीर लोगों को भाने लगी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में हजारों करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात के चलते काशीपुराधिपति की नगरी का आकर्षण पहले से काफी बढ़ गया है। इसका असर यहां पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के रूप में साफ दिख दिखने लगा है। भारतीय पर्यटकों के अलावा विदेशी मेहमानों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। बीते पांच सालों की तुलना में वाराणसी में देसी पर्यटकों की संख्या दस गुना तक बढ़ गयी हैं। पर्यटन विभाग की ओर से जनवरी 2017 से लेकर जुलाई 2022 तक के आंकड़े इसकी मूक गवाही दे रहे हैं। पिछले दो सालों में कोविड महामारी के चलते विदेशी सैलानियों की आवाजाही में जो ठहराव आ गया था, उसमें इस साल तेजी से बढ़ोतरी हुई है।

पर्यटन उप निदेशक प्रीति श्रीवास्तव ने बताया कि वर्ष 2022 में महज जुलाई माह में वाराणसी पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 40 लाख 3 हजार 288 है, जो जुलाई 2017 के 4,61,650 के मुकाबले करीब दस गुना ज्यादा है।

विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी कोरोना काल के बाद 174 गुना का बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2022 की जुलाई में 12,578 विदेश पर्यटक बनारस पहुंचे, जबकि 2021 में ये संख्या महज 72 थी। इसी साल सावन माह में श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड आमद वाराणसी में हुई। पर्यटन विभाग की ओर से अभी केवल जुलाई 2022 तक के आंकड़े जारी किये गये हैं, जबकि इसमें सावन और देव दीपावली के आंकड़े शामिल नहीं हैं। सावन और देव दीपावली में वाराणसी पहुंचने वाले सैलानियों की संख्या रिकॉर्ड तोड़ रही है। पर्यटन उद्योग से जुड़े एवं बनारस होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष गोकुल शर्मा बताते हैं कि बेहतर कनेक्टिविटी के चलते पर्यटक वाराणसी के साथ ही अयोध्या, विंध्याचल और प्रयागराज भी जा रहे हैं। छुट्टियों, पर्वों एवं त्योहारों में काशी में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी है। टेंट सिटी, रिवीर फ्रंट, नमो घाट जैसी पर्यटन, परिवहन तथा मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने वाली परियोजनाओं के पूरा होने के बाद वाराणसी और मिजार्पुर मंडल में पर्यटन उद्योग को और ऊंचाई मिलेगी।

इसलिए बनारस में बढ़ रहे सैलानी – उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन इकोनामी बनाने में पर्यटन उद्योग अहम भूमिका अदा करने वाला है। योगी सरकार की ओर से प्रदेश के पर्यटन स्थलों का विकास, कनेक्टिविटी और वहां मूलभूत सुविधाएं तथा बेहतर कानून व्यवस्था देने से प्रदेश में पर्यटकों के लिए अनुकूल माहौल बना गया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण वाराणसी बनकर उभरा है, जो विश्व के पर्यटन मानचित्र पर तेजी से उभरकर सामने आया है। इसकी वजह है वाराणसी का चौतरफा विकास। सड़कों और फ्लाईओवर का जाल, सुगम पार्किंग, पर्यटकों के लिए सुविधाएं और सुदृढ़ कानून व्यवस्था। इसके अलावा मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने वाराणसी और आसपास की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाया है, जिससे पर्यटकों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद पर्यटकों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गयी है। इसके अलावा गंगा और घाटों की सफाई, गौतमबुद्ध की उपदेश स्थली सारनाथ का विकास, गंगा में क्रूज आदि पर्यटकों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण कारण बन रहे हैं।

मायावती ने गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देश में व्याप्त गरीबी, बढ़ती महंगाई एवं बेरोजगारी को लेकर एक बार फिर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। मायावती ने ट्वीट करते हुए कहा कि देश में व्याप्त गरीबी व पिछड़ेपन के लाचार जीवन में लोग महंगाई की मार झेल रहे हैं। इतना हीं नहीं बेरोजगारी से त्रस्त मेहनतकश लोग हर दिन आटा, दाल-चावल व नमक-तेल आदि के महंगे दाम को लेकर सरकार को कोसते रहते हैं। लेकिन सरकार इसका जवाब देने व उपाय ढूंढने के बजाए ज्यादातर खामोश बनी रहती है, ऐसा क्यों? आगे उन्होंने कहा कि आटा का दाम

भी एक साल में काफी महंगा होकर लगभग 37 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाने से लोगों में बेचैनी, हताशा व निराशा है। ऐसे में सरकार को अपनी निश्चिन्तता व लापरवाही आदि त्यागकर, इसके समाधान के गंभीर उपाय में जी-जान से जुट जाना ही समय की सबसे बड़ी मांग। मायावती ने कहा कि भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में यहां वर्षों से व्याप्त विचलित करने वाली गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई आदि अब असली राजनीतिक एवं चुनावी चिन्ता नहीं रही है, तब भी सभी सरकारों को इनके प्रति उदासीन बने रहकर देश की प्रगति व जनता की उन्नति में रोढ़ा बने रहना अनुचित व दुःखद।

कुलपति ने किया विरासत कला वीथिका का उद्घाटन

जौनपुर, (हि.स.)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र की ओर से संकाय भवन में शनिवार को विरासत कला वीथिका का उद्घाटन कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किया। यह कला वीथिका शिल्प और कला के विविध रूपों से समृद्ध दिखी। महिला अध्ययन केंद्र में विद्यार्थियों ने जो सृजन किया उसे अपनी कलाकृतियों में उकेरा। कला वीथिका में सजे चित्रों में काशी कारीडोर. शाही पुल, अटाला मसजिद, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय समेत क्राफ्ट की कई कलाकृति देखने को मिली। इस अवसर पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों को सराहा। कहा कि विद्यार्थी अपना कौशल दिखाएं उन्हें जो भी आर्थिक मदद की जरूरत होगी विश्वविद्यालय उन्हें उपलब्ध कराएगा। कला वीथिका की आयोजक डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि इसका उद्देश्य हुनर के साथ- साथ विद्यार्थियों में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि देश की विरासत और धरोहर को कला के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। कुलपति और वित्त अधिकारी ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों को सराहा। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो रजनीश भास्कर, डा. मनोज मिश्र, डा. सुनील कुमार, डा. पूजा सक्सेना, डा. विनय वर्मा, डा. वनिता सिंह डा. लक्ष्मी मौर्य, रामगोपाल, ईश्वर शरण श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

इंवेस्टर्स समिट से प्रदेश में नहीं आया निवेश : धर्मेन्द्र यादव

– कहा, मैनपुरी में डिंपल यादव की ऐतिहासिक जीत तय

मैनपुरी, (हि.स.)। मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव का प्रचार अपने चरम पर है। ऐसे में समाजवादी पार्टी (सपा) व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच जुबानी जंग भी तेज हो गई है। दोनों दलों के नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर तीखे बयानों से हमला किया जा रहा है। ऐसा ही निशाना शनिवार को भाजपा पर सपा नेता धर्मेन्द्र यादव ने साधा। उन्होंने मैनपुरी सीट से पार्टी प्रत्याशी डिंपल यादव के प्रचार के दौरान भाजपा के सपा का किला ढहा देने वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा चुनाव के समय दावे करती है। दो करोड़ लोगों को हर साल रोजगार, मंहगाई घटाने, काला धन वापस लाने, जैसे दावे इनके (भाजपा) के द्वारा किये जाते रहे हैं, लेकिन उन दावों की हकीकत सभी देख रहे हैं। सपा नेता धर्मेन्द्र यादव ने यह भी कहा कि इंवेस्टर्स समिट से प्रदेश में कोई निवेश नहीं आया है। मैनपुरी के साथ प्रदेश की रामपुर व खतौली विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव को लेकर कहा कि आखिर में फैसला जनता को लेना है और जनता अपना मन बना चुकी है। सपा और मजबूती की तरफ आगे बढ़ रही है। मैनपुरी में डिंपल यादव की ऐतिहासिक जीत तय है। वहीं रामपुर व खतौली में भी बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

विभिन्न मुद्दों को लेकर किसान ईको गार्डेन में भरेंगे हुंकार, लखनऊ में फोर्स तैनात

लखनऊ, (हि.स.)। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसान आज लखनऊ के ईको गार्डेन में हुंकार भरेंगे। इसको लेकर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की है। पीयूष मोर्डिया (कानून एवं व्यवस्था) के मुताबिक, संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले विभिन्न मुद्दों को लेकर किसान लखनऊ में आज महापंचायत कर रहे हैं। इसमें भाकियू प्रवक्ता राकेश टिकैत भी शामिल होंगे। इसमें किसानों के विभिन्न मुद्दे उठाए जाएंगे। इसको लेकर विधानसभा की सुरक्षा

व्यवस्था को मजबूत कर दिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया है। वहीं, राकेश टिकैत ने यह आरोप लगाया है कि पुलिस जिलों-जिलों में किसानों को रोक रही है ताकि वे लखनऊ न पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि यदि किसानों को रोका तो उन्हीं जिलों में एसएसपी कार्यालय पर धरना दिए जाएगा।

इसौली विधानसभा क्षेत्र की सड़कों के जीर्णोद्धार के लिये सपा विधायक ने लिखा पत्र

सुल्तानपुर, (हि.स.)। इसौली विधानसभा की सड़कें जल्द चमकती और चमचमाती दिखाई देगी। क्षेत्र के सपा विधायक ताहिर खां ने दस सड़कों के जीर्णोद्धार के लिये प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग किया है कि जनहित में इसे जल्द ठीक कराया जाना जरूरी है। पूर्व सांसद व विधायक ताहिर खान ने पत्र के माध्यम से शासन को अवगत कराया है कि बल्दीराय ब्लॉक से कस्बे तक डेढ़ किमी मार्ग, इतना ही लंबा भवानीपुर-शिवपुर मार्ग, बघौना-निनावां मार्ग व विरधौरा संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त है। जिसे ठीक कराना जरूरी है। इसी प्रकार साढ़े पांच किमी लंबी अलीगंज-कोटिया-पिपरी मार्ग, चार किमी के आसपास ऊंचगांव संपर्क मार्ग, पांच किमी लंबा बहमदपुर-ककरहवा संपर्क मार्ग, डेढ़ किमी असरोगा-नौगवा और सात किमी लंबा भदहरा मार्ग का हाल बेहाल है। जिसे जल्द से जल्द ठीक कराया जाये। इसके अलावा विधायक ताहिर ने अलीगंज-देहली-बघौना-वलीपुर करीब 25 किमी संपर्क मार्ग के चौड़ीकरण के लिये पत्र में लिखा है। उन्होंने कहा है कि विधानसभा इसौली पिछड़ा इलाका है ऐसे में यहां प्राथमिकता के तौर पर कार्य कराया जाये। खासतौर पर सड़कों के चौड़ीकरण के साथ-साथ सुंदरीकरण भी कराया जाये। विधायक ने लिखा है कि क्षेत्र में कई सारे मार्ग गड्ढा युक्त हैं, जिससे जनता को समस्या हो रही है। इससे जनता में रोष भी है। ऐसे में जल्दी सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाये। साथ ही धनपतगंज ब्लॉक से बरासिन-हारिन्गटनगंज मार्ग को भी दुरुस्त कराया जाये।

नागरिकों के लिए ओपन जिम व बच्चों के लिए झूलों की व्यवस्था होगी : नसरीन बानो

हरदोई, (हि. स.)। नगरपालिका परिषद, शाहाबाद के पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा होने से पहले हुई बोर्ड की अंतिम बैठक में पालिका अध्यक्ष नसरीन बानो ने सभी सभासदों और पालिका प्रशासन को धन्यबाद ज्ञापित करते हुए अपने कार्यकाल को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर सभी का आभार व्यक्त किया। बोर्ड की अंतिम बैठक में अध्यक्ष नसरीन बानो ने नगरवासियों के लिये एक ओपन जिम और बच्चो के लिये सुंदर आधुनिक झूलों का तोहफा देने की घोषणा की जिसका सभी ने स्वागत किया। नसरीन बानो ने कहा कि बड़ों के एक्सरसाइज के लिये ओपन जिम और बच्चो के खेलने के लिये एक पार्क की कमी महसूस हो रही थी। जिसके लिये उन्होंने अपनी पालिका कैबिनेट के

माध्यम से ओपन जिम और आधुनिक झूलो का पार्क की स्थापना बड़ी फील्ड के मैदान में करवाई जा रही है। बड़ी फील्ड पार्क में एक सुंदर ओपन जिम जिसमें विभिन्न उपकरण लगाए जा रहे हैं और बच्चो के मनोरंजन के लिये सुंदर आधुनिक झूलों से मैदान की सज्जा हो रही है। उन्होंने कहा कि इसको अतिशीघ्र जनता को समर्पित कर दिया जाएगा। उनका सपना नगर का विकास है और उसके लिये उन्होंने सदैव जनता की कसौटी पर खरा उतरने का काम किया है। उन्होंने नगर की सम्मानित जनता को अपना परिवार बताते हुए सदैव हर सुख दुख में साथ निभाने का संकल्प दोहराया। बोर्ड की बैठक में सभासदों में लक्ष्मी कांत त्रिपाठी, तारिक खाँ, कृष्ण कुमार, अजहर मसूद, पवन रस्तोगी, यदुवीर, सरिता गुप्ता, किरण देवी, बेबी त्रिपाठी, इमरान खाँ, अजीम आदि मौजूद रहे।

नाव दुर्घटना में घायल लोगों से कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल मिला

वाराणसी, (हि.स.)। दशाश्वमेध थाना क्षेत्र के अहिल्याबाई और शीतलाघाट के सामने उस पार शनिवार की सुबह हुई नाव दुर्घटना के पीड़ितों से कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के नेतृत्व में मिला। बीएचयू अस्पताल में भर्ती पति-पत्नी पी आदिनारायण और पी विजया से मिल कर दल ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पूर्व मंत्री अजय राय ने इस दौरान आरोप लगाया कि प्रशासनिक लापरवाही से हादसा हुआ है। उधर, जिलाधिकारी एस. राजलिंगम भी नौका दुर्घटना के पीड़ितों से मिले। हादसे में घायल

पति पत्नी, का हाल जानने तथा इलाज की व्यवस्था देखने बीएचयू इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे। सीएमओ डा.संदीप चौधरी तथा बीएचयू सीएमएस डा.के.के.गुप्ता से मौके पर मरीजों की स्थिति और इलाज के बारे में पूछताछ की। उन्होंने दोनों के परिवारी जनों से दुर्घटना के बारे में पूछा और सांत्वना दी कोई चिंता की बात नहीं है। यहां पर बेहतर इलाज दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की जमानत याचिका खारिज

रांची, (हि.स.)। ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा की अदालत ने शनिवार को साहिबगंज जिले में अवैध खनन और टेंडर मैनेज करने के आरोपित मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पूर्व बीते मंगलवार को मामले की सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान पंकज मिश्रा के वकील प्रदीप चंद्रा ने अदालत के समक्ष पंकज के मेडिकल ट्रीटमेंट से जुड़े दस्तावेज प्रस्तुत किये और खराब स्वास्थ्य के आधार पर जमानत देने का आग्रह किया था। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक आतिश कुमार ने बहस करते हुए

पंकज मिश्रा के अधिवक्ता की दलीलों का पुरजोर विरोध किया था और अदालत से आग्रह किया कि जमानत नहीं दिया जाये। इसके बाद अदालत ने सुनवाई पूरी कर ली थी और आदेश सुरक्षित रखा था। उल्लेखनीय है कि पंकज मिश्रा पर अवैध खनन और टेंडर मैनेज करने से जुड़े एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि का मनी लांड्रिंग करने के आरोप है। पंकज मिश्रा को 19 जुलाई को इस मामले में ईडी की टीम ने गिरफ्तार किया था। फिलहाल, वह रिम्स में न्यायिक हिरासत में इलाज करा रहे हैं।

काली सूची में डाले जाएंगे घटिया कार्य करने वाले संवेदक : अरुणा शंकर

मेदिनीनगर, (हि.स.)। मेदिनीनगर की महापौर अरुणा शंकर ने शनिवार को साफ तौर से कहा कि कई संवेदक निगम का कार्य घटिया कर रहे हैं, जिसकी शिकायत प्रतिदिन उन्हें आम लोगों से मिल रही है। ऐसे कार्य करने वाले संवेदकों पर जल्द कार्रवाई करते हुए संबंधित जूनियर इंजीनियर को कारण बताओ नोटिस किया जाएगा। महापौर ने कहा की उन्हें कई मोहल्लों से शिकायतें मिली है की संवेदक कार्य करने के बाद स्थल पर कचरा छोड़ दे रहे हैं जो गंदगी के साथ रोड को भी बाधित कर रहा। यदि जरूरत पड़ी तो उपायुक्त से मिलकर नए जूनियर इंजीनियर देने को कहूंगी। महापौर ने कहा कि जल्द टीम गठित कर उनके नेतृत्व में जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन संवेदकों का काम घटिया पाया जाएगा, बोर्ड से उस संवेदक को ब्लैकलिस्ट और जूनियर इंजीनियर को निगम से हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी। महापौर ने एक व्हाट्सएप नंबर 9153964344 जारी करते हुए कहा कि निगम क्षेत्र में जहां भी घटिया काम हो रहा है उस मोहल्ले के लोग एक पिटीशन बनाएं उसमें न्यूनतम 20 लोगों का साइन करके शिलान्यास शीला पट के फोटो एवं चल रहे कार्य का फोटो वार्ड नंबर एवं मोबाइल नंबर के साथ मंगलवार से व्हाट्सएप पर भेजें। चाहे वह कितना भी रसूख वाला ठेकेदार क्यों न हो तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

संविधान निर्माण में पलामू के दो लोगों की अहम भूमिकाः उपायुक्त

मेदिनीनगर, (हि.स.)। उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने कहा कि भारत का संविधान,भारत का सर्वोच्च विधान है जो संविधान सभा द्वारा 26 नवंबर 1949 को पारित हुआ इसलिए यह दिन भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है। वहीं संविधान 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। संविधान निर्माण के दौरान पलामू जिले से दो लोग बतौर सदस्य यदुवंश सहाय "यदु बाबू" और अमिय कुमार घोष "गोपा बाबू" शामिल थे। ये हमारे लिए गर्व का विषय है। पलामू के इन दो सपूतों के संविधान निर्माण में योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। उपायुक्त शनिवार को संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

समाहरणालय परिसर में आयोजित संविधान दिवस कार्यक्रम में उपायुक्त के साथ सभी पदाधिकारी व कर्मियों ने संविधान का प्रस्तावना पढ़ा। उपायुक्त ने कहा कि भारतीय संविधान सरल भाषा में है, जो सभी चीजों को प्रदर्शित करता है। उन्होंने भारतीय संविधान में मौजूद मौलिक अधिकारों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि मौलिक अधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जो किसी व्यक्ति के जीवनव्यापन के लिए मौलिक एवं अनिवार्य होने के कारण संविधान के द्वारा नागरिकों को प्रदान किए जाते हैं। ये सभी अधिकार व्यक्ति के मानसिक व भौतिक और नैतिक विकास के लिए जरूरी है।

किसान आंदोलन के वर्षगांठ पर संयुक्त किसान मोर्चा ने दिया धरना

बेगूसराय, (हि.स.)। किसान आंदोलन की दूसरी वर्षगांठ पर संयुक्त किसान मोर्चा एवं ऑल इंडिया किसान संघर्ष समन्वय समिति के आह्वान पर शनिवार को समाहरणालय के दक्षिणी द्वार पर किसानों ने धरना दिया। मौके पर बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि आज बेगूसराय के किसानों के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष बेगूसराय को धान अधिप्राप्ति में 30 हजार एमटी का लक्ष्य मिला था, इस वर्ष लक्ष्य घटाकर 12 हजार नौ सौ एमटी कर दिया गया। खगड़िया का गत वर्ष लक्ष्य 25 हजार एमटी था, उसे बढ़ाकर 42 हजार 790 एमटी कर दिया गया है। क्योंकि दोनों जगह एक ही भ्रष्ट अधिकारी हैं, बेगूसराय में उसे धांधली करने में उसे कठिनाई होगी, लेकिन खगड़िया में कोई

देखने वाला नहीं है। इसीलिए वहां नाक डूबा कर लूटने के लिए उन्होंने ऐसा करवाया है। बेगूसराय के किसान उसको बर्दाश्त नहीं करेंगे, भ्रष्ट डीसीओ को बर्खास्त किया जाए। खाद की कालाबाजारी खुलेआम हो रही है, बेगूसराय डीएओ उसे रोकने में असफल हैं। आवारा पशुओं की आवारागर्दी से बेगूसराय का खेती चौपट है, इसलिए किसानों के बीच काफी आक्रोश है। धरना को बेगूसराय कॉपरेटिव बैंक के चेयरमैन नरेंद्र सिंह धनकू, सहायक जिला सचिव दिनेश सिंह, राम पुकार विद्यार्थी, धर्मेंद्र कुमार सिंह, अनिल अंजान, आनंद कुमार सिंह, अशोक राय एवं रामनरेश महतो आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर किसान नेता चंद्र भूषण ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया तथा सभी किसानों एवं पैक्स अध्यक्षों ने उसका पुनः पाठ करते हुए संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। धरना सभा की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुमार गणेश शंकर सिंह एवं संचालन दिनेश सिंह ने किया। धरना के बाद महासचिव अशोक प्रसाद सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मिलकर 13 सूत्री स्मार पत्र सौंपा।

सबको शपथ लेनी चाहिए, भेदभाव एवं कट्टरता खत्म करने की : राजेन्द्र राजन

बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित विप्लवी पुस्तकालय गोदरगावां के देवी वैदेही सभागार के प्रांगण में अवस्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष शनिवार को संविधान दिवस के अवसर पर प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया गया। संविधान के प्रस्तावना का पाठ स्कूल की छात्राओं के द्वारा किया गया तथा सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं, पुस्तकालय कमिटी के सदस्यों एवं उपस्थित लोगों ने इसे दुहराया। इस अवसर पर पुस्तकालय संरक्षक राजेन्द्र राजन ने कहा कि संविधान ने सभी को बराबरी का अधिकार दिया। लेकिन आज भी बहुत जगह गैर बराबरी कायम है, उनका सपना पूरा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि आज समान काम का समान वेतन नहीं मिल रहा है। हमें भेदभाव एवं कट्टरता को खत्म करना होगा, आर्थिक समानता नहीं होगी तो समाजिक न्याय नहीं रह पाएगी। प्रेम का देश बने, नफरत का देश नहीं, हमें शपथ लेना होगा कि देश को एक रखेंगे, नफरत को खत्म करेंगे, सद्भाव, सहिष्णुता एवं भाईचारा कायम रखेंगे। मध्य विद्यालय गोदरगावां की शिक्षिका संगम कुमारी ने कहा कि सभी लड़के एवं लड़कियों को बराबरी का हक है। सभी महिलाओं को अपने पैरों ओर खड़ा होना होगा, हमें घर एवं समाज को आगे बढ़ाना है। प्रलेस के राज्य सचिव राम कुमार सिंह ने कहा कि इस देश को कोई तोड़ नहीं सकता है, जबतक अपना संविधान है। पुस्तकालय के सचिव आनन्द प्रसाद सिंह ने कहा कि हमारा संविधान सबसे बेहतर है।

प्लस-टू विद्यालय ठाकुरगंज का डीएम ने किया निरीक्षण

किशनगंज, (हि.स.)। जिले में ठाकुरगंज स्थित 2 उच्च विद्यालय का डीएम श्रीकांत शास्त्री ने शनिवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में डीएम ने विद्यालय संचालन के समय विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति को देखा। वर्ग संचालन की जानकारी लिया तथा प्रधानाचार्य से शिक्षको की उपस्थिति की सूचना प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर डीएम ने विभिन्न कक्षा में भ्रमण कर शिक्षको के द्वारा पढ़ाए जा रहे अध्याय के बारे में छात्राओं से पूछताछ किया। मुख्य रूप से संचालित विशेष कक्षा का निरीक्षण किया गया। कक्षा में छात्राओं की उपस्थिति और पाठ्य सामग्री को देखा गया। निरीक्षण के दौरान डीएम विद्यालय में शिक्षण कार्य, आधारभूत संरचना और अन्य मूलभूत सुविधा की उपलब्धता को लेकर गंभीर दिखे। उन्होंने प्रधानाचार्य को निर्देश दिया कि प्रत्येक दिन निर्धारित कक्षा और उसके शिक्षक का रूटीन चार्ट बनाकर प्रदर्शित किया जाय। विशेष वर्ग कक्षा संचालन में अधिकाधिक विद्यार्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित करें।

संपादकीय

भारत-विरोधी 'जनरल'

पाकिस्तान से एक भारत-विरोधी ख़बर आई है। वहां की फौज के जिस शख्स को हम 'खलनायक' ही नहीं, बल्कि 'कातिल' मानते रहे हैं, उसे ही हुकूमत ने फौज का 'जनरल' बनाने का फैसला लिया है। यदि राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने सरकार के फैसले पर मुहर लगाने में देरी नहीं की, तो आसिम मुनीर पाकिस्तान के नए सेना-प्रमुख होंगे और निवर्तमान जनरल बाजवा उन्हें 'रावलपिंडी' की कमान सौंप कर सेवानिवृत्त हो जाएंगे। राष्ट्रपति अधिकतम 30 दिनों तक फैसले के प्रस्ताव को लटका सकते हैं और पुनर्विचार की टिप्पणी करते हुए हुकूमत को वापस भेज सकते हैं। यदि हुकूमत ने दोबारा वही प्रस्ताव राष्ट्रपति को भेजा, तो संवैधानिक बाध्यता के तहत उन्हें मुहर लगानी ही पड़ेगी। राष्ट्रपति अल्वी बुनियादी तौर पर इमरान खान की पार्टी 'तहरीक-ए-इंसाफ पाकिस्तान' के नेता रहे हैं, लिहाजा कोशिशें जारी हैं कि फौज का मुखिया सर्वसम्मति से चुना दिखाया जाए। यह सहमति भी सवालिया है, क्योंकि प्रधानमंत्री रहते हुए इमरान खान ने मुनीर को खुफिया एजेंसी आईएसआई के महानिदेशक पद से बर्खास्त किया था। तब सेना-प्रमुख जनरल बाजवा ने भी आपत्ति नहीं की थी, क्योंकि इमरान को उनका ही 'पसंदीदा प्रधानमंत्री' माना जाता था। जनरल आसिम मुनीर मिलिट्री इंटेलीजेंस के भी डीजी रहे, लेकिन वह आईएसआई प्रमुख के पद पर न्यूनतम 8 महीने ही काम कर सके। बताया जाता है कि आईएसआई मुखिया के तौर पर मुनीर ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान को सूचना दी थी कि प्रथम महिला और उनके परिजन भ्रष्टाचार की गतिविधियों में लिप्त हैं। इस पर इमरान बिफर उठे और उन्हें बर्खास्त कर दिया। इमरान मुनीर को 'संदेहास्पद जनरल' भी मानते हैं, क्योंकि उन्हें निर्वासित प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ की पसंद करार दिया जाता रहा था। बहरहाल जनरल मुनीर को इसलिए भारत-विरोधी माना जाता रहा है, क्योंकि जब फरवरी, 2019 में पुलवामा आतंकी हमला किया गया था, जिसमें सीआरपीएफ के 40 जांबाज जवान 'शहीद' हो गए थे, तब मुनीर आईएसआई के मुखिया थे। उन्हें पुलवामा साज़िश की जानकारी न रही हो, ऐसा माना नहीं जा सकता। वह भारत से घोर नफरत करने वाले कुख्यात फौजी भी माने जाते रहे हैं, क्योंकि उनकी सरपरस्ती में सीमापार आतंकवाद जोरों पर रहा। दहशतगर्दों को प्रशिक्षण दिलाने और उन्हें हथियार, गोला-बारूद मुहैया कराने में उनकी कारगर भूमिका रही है। हालांकि फाट्फ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) ने पाकिस्तान को 'ग्रे' लिस्ट में डाल दिया था, लिहाजा आतंकी साज़िशें और हरकतें कम करनी पड़ीं, लेकिन जम्मू-कश्मीर और पंजाब में नियंत्रण-रेखा और अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर पर पाकपरस्त आतंकी आज भी ड्रोन से हथियार और मादक पदार्थ फेंकते हैं। बहरहाल ज्यादा परेशानी खुद पाकिस्तान को होने वाली है। वहां 'फौज बनाम अवाम' के असंतुलित हालात हैं। फौज बदनाम हो चुकी है। सियासी उथल-पुथल के लिए अवाम उसे भी जिम्मेदार मानती है। फौज में भी इमरान-समर्थक और इमरान-विरोधी गुट हैं। संभव है कि नए सेना प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री में आपसी समझौता हो जाए और फौज गैर-सियासी होने की कोशिशें करे। पाकिस्तान में यह भी आसान नहीं है, क्योंकि फौज अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहती है और हुकूमत में भी हस्तक्षेप की आदी रही है, लिहाजा यह देखना दिलचस्प होगा कि पाकिस्तान के नए जनरल, फौज के भीतर ही, एकजुटता और संतुलन कैसे पैदा कर पाते हैं? यह भी गौरतलब होगा कि भारत और पाकिस्तान के संबंध कितने सामान्य हो पाते हैं? जनरल बाजवा ने यह कहना शुरू किया था कि भारत के साथ कारोबार के रिश्ते कायम किए जाने चाहिए।

राष्ट्रपति अधिकतम 30 दिनों तक फैसले के प्रस्ताव को लटका सकते हैं और पुनर्विचार की टिप्पणी करते हुए हुकूमत को वापस भेज सकते हैं। यदि हुकूमत ने दोबारा वही प्रस्ताव राष्ट्रपति को भेजा, तो संवैधानिक बाध्यता के तहत उन्हें मुहर लगानी ही पड़ेगी। राष्ट्रपति अल्वी बुनियादी तौर पर इमरान खान की पार्टी 'तहरीक-ए-इंसाफ पाकिस्तान' के नेता रहे हैं, लिहाजा कोशिशें जारी हैं कि फौज का मुखिया सर्वसम्मति से चुना दिखाया जाए। यह सहमति भी सवालिया है, क्योंकि प्रधानमंत्री रहते हुए इमरान खान ने मुनीर को खुफिया एजेंसी आईएसआई के महानिदेशक पद से बर्खास्त किया था।

अमृत कलश

निडरता से डरता है डर

डर कहीं और नहीं बस आपके मगज(दिमाग) में होता है। निडरता से डर को भी डर लगता है। आत्मविश्वास बढ़ाने के लिये वही काम करो जिससे तुम्हे सबसे ज्यादा डर लगता हैं। डर हमेशा अज्ञानता से पैदा होता है। हम ज्यादातर ऐसे डर से आतंकित रहते हैं जो हकीक़त में होते ही नहीं हैं। आपका जीवन भी महान हो सकता हैं, इसके लिये आपका विश्वास आपके भय से बड़ा होना चाहिए। जो जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने से डरता है, उसका असफल होना निश्चित है। अगर आज हम अपने डर पर काबू नही पायेंगे तो कल हमारा डर हम पर काबू पा लेगा। अंधविश्वास ओर क्रूरता का मुख्य स्त्रोत डर है और डर को जीतना ज्ञान की शुरुआत है जिसे भविष्य का भय नहीं होता, वही वर्तमान का आनंद उठा सकता है। डर लगने का मतलब है कि आपका दिमाग पूरी तरह से विकसित होना बाकी है। अपराध करने के बाद डर पैदा होता है और यही उसका दण्ड है। केवल एक चीज़ है जो आपके सपनों को असम्भव बनाती है वो है-असफलता का डर। डर से भागने की बजाय अपने सपनों को साकार करने के लिये हमेशा दृढ़ संकल्पित रहें। डरकर जीना अधमरा रहने जैसा है। डर ही पतन का कारण हैं। जिन्हें पसीना सिर्फ़ गर्मी और डर से आता है, वे मेहनत के पसीने से बहुत डरते हैं। डर और शक जीवन गंगा में जहर के समान होता है। यदि आप डर पर विजय पाना चाहते हैं तो घर बैठे उसके बारे में सोचिये मत. बाहर निकालिए और अपने काम मे व्यस्त हो जाइए। जैसे ही भय आपकी तरफ बढ़े, उस पर आक्रमण करते हुए उसको नष्ट कर दो। डर से ही दुख आते हैं, डर से ही मृत्यु होती है और डर ही बुराइयों की जड़ होती हैं। शायद इस जग में डर से बुरा और खतरनाक कुछ भी नहीं है। सफ़ल होने के लिये, सफ़लता की इच्छा, असफलता के डर से ज्यादा होनी चाहिए।

बोध कथा

सत्य और संकल्प पर अटल रहें

एक पोलियोग्रस्त बालिका विल्मा। चार साल की उम्र में निमोनिया और काला ज्वर की शिकार हो गयी। फलतः पैरों में लकवा मार गया। डॉक्टरों ने कहा विल्मा रूडोल्फ अब चल न सकेगी। विल्मा का जन्म टेनेसस के एक दरिद्र परिवार में हुआ था, लेकिन उसकी माँ विचारों की धनी थी। उसने ढाँढ़स बँधाया, 'नहीं विल्मा तुम भी चल सकती हो, यदि चाहो तो!' विल्मा की इच्छा-शक्ति जाग्रत हुई। उसने डॉक्टरों को चुनौती दी, क्योंकि माँ ने कहा था यदि आदमी को ईश्वर में दृढ़ विश्वास के साथ मेहनत और लगन हो, वह दुनियाँ में कुछ भी कर सकता है। नौ साल की उम्र में वह उठ बैठी। 13 साल की उम्र में पहली बार एक दौड़ प्रतियोगिता में शामिल हुई, लेकिन हार गयी। फिर लगातार तीन प्रतियोगिताओं में हारी, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। 15 साल की उम्र में टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी में गई और वहाँ एड टेम्पल नामक कोच से मिलकर कहा, 'आप मेरी क्या मदद करेंगे, मैं दुनियाँ की सबसे तेज धाविका बनना चाहती हूँ।' कोच टेम्पल ने कहा, 'तुम्हारी इस इच्छा शक्ति के सामने कोई बाधा टिक नहीं सकती, मैं तुम्हारी मदद करूँगा।' 1960 की विश्व-प्रतियोगिता ओलम्पिक में वह भाग लेने आयी। उसका मुकाबला विश्व की सबसे तेज धाविका जुत्ता हैन से हुआ। कोई सोच नहीं सकता था कि एक अपंग बालिका वायु वेग से दौड़ सकती है। वह दौड़ी और एक, दो, तीन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर 100 मीटर, 200 मीटर तथा 400 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता। उसने प्रमाणित कर दिया कि एक अपंग व्यक्ति दृढ़ इच्छा शक्ति से सब कुछ कर सकता है। हर सफलता की राह कठिनाइयों के बीच से गजरती है।

संविधान को बनाने से पहले सभा के सदस्यों ने विभिन्न देशों के संविधानों का अध्ययन किया

कला की अप्रतिम कृति है हमारा संविधान

जगदीश बाली

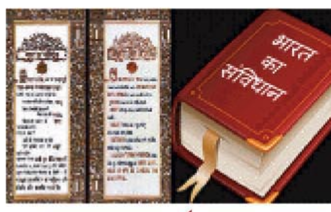

अमेरिका विश्व का पहला देश बना जिसने 21 जून 1788 को संविधान लागू किया। जाहिर है हमारे देश का भी एक संविधान है जो हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने की रीढ़ है। हमारा संविधान कागज़ के पन्ने या महज़ किताब नहीं, बल्कि यह हमारे देश का सबसे पवित्र ग्रंथ है जिसकी अनुपालना के लिए देश का हर नागरिक बाध्य है। हालांकि हमारा देश 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ, परंतु कहा जा सकता है कि हमें पूर्ण आजादी 26 जनवरी 1950 को हासिल हुई थी क्योंकि इसी दिन भारतीय संविधान लागू किया गया था।

किसी भी राष्ट्र की कानून की सबसे पवित्र किताब होती है संविधान। संविधान न होने का अर्थ है जंगल राज। हमारे देश के सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद, अथर्ववेद, मनु स्मृति, पाणिनी के अष्टाध्यायी व कौटिल्य के अर्थशास्त्र से हमें ज्ञात होता है कि प्राचीन काल में सभा और समितियों के माध्यम से नियमों का निर्माण होता था व उनके अनुसार ही व्यवस्था का कार्यान्वयन होता था। मानव विकास के साथ विभिन्न राष्ट्र बने और हर राष्ट्र को संविधान की आवश्यकता थी। अमेरिका विश्व का पहला देश बना जिसने 21 जून 1788 को संविधान लागू किया। जाहिर है हमारे देश का भी एक संविधान है जो हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने की रीढ़ है। हमारा संविधान कागज़ के पन्ने या महज़ किताब नहीं, बल्कि यह हमारे देश का सबसे पवित्र ग्रंथ है जिसकी अनुपालना के लिए देश का हर नागरिक बाध्य है। हालांकि हमारा देश 15 अगस्त 1947 को आज़ाद हुआ, परंतु कहा जा सकता है कि हमें पूर्ण आजादी 26 जनवरी 1950 को हासिल हुई थी क्योंकि इसी दिन भारतीय संविधान लागू किया गया था। इस दिन भारत संप्रभुतासंपन्न अर्थात पूर्ण रूप से स्वतंत्र गणराज्य बना। देश के हर नागरिक को संविधान की जानकारी होनी चाहिए। आमतौर पर हमारे रोज़मर्रा के जीवन में संविधान का जिक्र होता रहता है। परंतु हम में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जिन्हें संविधान के बारे में कई बातों का इल्म नहीं होगा। उन रोचक, ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण बातों को जानने का प्रयास करते हैं। हमारे संविधान के प्रावधानों को सुंदर शब्दों व अद्वितीय कलाकृतियों से खूबसूरत बनाया गया है। स्मरणीय तथ्य है कि भारत सरकार अधिनियम 1935 पर आधारित हमारा संविधान विश्व के किसी भी गण्तांत्रिक देश का सबसे लंबा व लिखित संविधान है। यह अमेरिका के संविधान से 30 गुणा लंबा है। इसे संविधान सभा द्वारा तैयार किया गया जिसकी पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई। संविधान सभा में 299 प्रतिनिधि शामिल थे। संविधान को बनाने से पहले सभा के सदस्यों ने विभिन्न देशों के संविधानों का अध्ययन किया। अंततः 10 देशों के संविधान के विभिन्न तत्वों को इसमें शामिल किया गया। यह 2 वर्ष, 11 महीने और 18 दिन में 26 नवंबर 1949 को बन कर तैयार हुआ। इस दौरान 12 सत्र व 167 बैठकें हुईं। संविधान पर 4 नवंबर 1948 को चर्चा शुरू हुई जो 32 दिनों तक चली थी। इस अवधि के दौरान 7635 संशोधन चर्चा के लिए आए और 2473 पर विस्तार से चर्चा हुई। 26 जनवरी 1950 को इसे लागू कर दिया गया। 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। डा. भीमराव अंबेदकर को भारतीय संविधान का निर्माता कहा जाता है क्योंकि वे ड्राफ्टिंग कॉमिटी के अध्यक्ष थे जबकि डा. राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष थे। संविधान पर 10 पृष्ठों में संविधान सभा के 284 सद्स्यों ने 24 जनवरी 1950 को हस्ताक्षर किए। इनमें 15 महिलाएं थीं। अधिकतर हस्ताक्षर अंग्रेज़ी में किए गए हैं, कुछ हिंदीं में किए गए हैं। अबुल कलाम आजाद ऐसे अकेले सदस्य थे जिन्होंने उर्दू में हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर वाले पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर तत्कालीन राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद के हस्ताक्षर हैं, उसके बाद पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के हस्ताक्षर हैं और अंतिम हस्ताक्षर फिरोज़ गांधी के हैं। मौलिक रूप से हमारा संविधान 22 भागों में है, जिसमें 395 धाराएं व 8 अनुसूचियां हैं। आम तौर पर हम सोचते हैं कि हमारा संविधान टंकणित या मुद्रित होगा, जबकि ऐसा नहीं है। भारत का मौलिक संविधान हस्तलिखित है। मौलिक संविधान की एक प्रति अंग्रेज़ी में और एक प्रति अनुवादित हिंदी में है। हमारे संविधान की सुंदरता भी अद्वितीय है। यह शब्द-शिल्प व कला की बेमिसाल बानगी है। संविधान को हस्तलिखित करने का कार्य सुलेखक प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा को सौंपा गया। उन्होंने बहते हुए इटैलिक शैली में लिख कर संविधान के पन्नों को खूबसूरती प्रदान की है। उन्होंने होल्डर पैन निब का प्रयोग करते हुए स्याही से संविधान को शब्दित किया था। इस कार्य को पूर्ण करने में उन्हें 6 महीने लगे थे और उन्होंने 303 नम्बर की 432 होल्डर निबों का इस्तेमाल किया, जिन्हें इंग्लैंड के बर्मिंघम से आयात किया गया था। संविधान को लिखने के लिए सुलेखक रायजादा ने 16 गुणा 22 इंच के पार्चमेंट शीट अर्थात चर्म-पत्र का इस्तेमाल किया जो एक हज़ार साल तक संरक्षित रह सकता है। किसी भी पृष्ठ पर स्याही का कोई धब्बा नहीं जैसे इसे किसी दिव्य मानव ने बनाया हो। उल्लेखनीय है कि इस कार्य के लिए रायजादा ने कोई मेहनताना नहीं लिया। उनकी मांग थी कि संविधान के प्रत्येक पन्ने पर वे अपना नाम और अंतिम पन्ने पर अपना और अपने दादाजी का नाम लिखेंगे। इस मांग को सरकार ने मान लिया। हमारे संविधान के शब्द ही खूबसूरत नहीं, बल्कि इसका हर एक पन्ना कलाकृतियों से अलंकृत है। ये कलाकृतियां भारत की विविध व गौरवमयी ऐतिहासिक व सांस्कृतिक मूल्यों को दर्शाती हैं। यह कार्य तत्कालीन सरकार ने शांतिनिकेतन के नंद लाल बोस को सौंपा। नंद लाल बोस ने यह कार्य अपने कुशल शिष्य ब्यौहार राम मनोहर सिन्हा के साथ बखूबी पूर्ण किया। प्रस्तावना हमारे संविधान का मुख्य पृष्ठ है। हालांकि यह संवैधानिक प्रावधानों का हिस्सा नहीं, तथापि यह संविधान के रूप, भावना व उद्देश्य को निर्धारित करती है। तभी इसे संविधान की आत्मा भी कहा जाता है। इस पृष्ठ पर लिखे शब्दों व भावना के अनुरूप इसे सबसे सुंदर ढंग से सजाया गया है। सुंदर बॉर्डर से रेखांकित किए गए इस पृष्ठ को सिन्हा ने धैर्य व कड़ी मेहनत से गढ़ा है। इस पर कोनों में सिन्हा ने बैल, घोड़े, शेर व हाथी के चित्र गढ़े हैं। बॉर्डर को फूलों की आकृतियों से सुसज्जित किया गया है। इसी तरह संविधान के अन्य पन्ने भी शब्दशिल्प व कला के बेहतरीन नमूने हैं। रामायण, महाभारत की घटनाओं व अन्य कलाकृतियों से सजा भारत का संविधान हमारी विविधता में एकता व सद्भावना का प्रतीक है। हमारे संविधान के दोनों भाषाओं के मौलिक संस्करण देश के संसदीय पुस्तकालय में हीलियम से भरे कांच के 55 गुणा 70 गुणा 25 सेमी. माप के पारदर्शी व सीलबंद बॉक्सों में संरक्षित व सुरक्षित रखे गए हैं। इन बॉक्सों को अमेरिका की कंपनी ने केलिफोर्निया में बनाया था। प्रावधानों के साथ-साथ हमारा संविधान सुलेखन व भारत के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहरों को प्रदर्शित करती चित्रकला का भी बेमिसाल नमूना है।

साइबर अपराध से सतर्क रहना होगा किशोरियों को

आज के समय कोई भी जानकारी प्राप्त करना अथवा सोशल मीडिया तक पहुंच बहुत आसान हो गया है। जैसे जैसे इंटरनेट का प्रसार बढ़ा है, उसके उपयोग करने वालों की संख्या भी तेज़ी से बढ़ी है। अब तो गांव गांव तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने वाले युवाओं की एक बड़ी तादाद देखी जा सकती है। दिल्ली से सटे ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली मीना (बदला हुआ नाम) बताती है कि "मेरे घर वालो ने मुझे उच्च शिक्षा प्राप्त करने और विषय से जुड़े अपडेट के लिए मोबाइल फ़ोन उपलब्ध करवाया था। मेरी ऑनलाइन क्लासेज अच्छी चल ही रही थी कि अचानक एक दिन मेरे नंबर पर अनजान नंबर से कॉल, सन्देश और अश्लील वीडियो आने लगते हैं और तरह -तरह की धमकियां दी जाने लगती हैं।

दिल्ली की रहने वाली कविता (बदला हुआ नाम) सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती थी। उसके कई फैन फॉलोवर्स भी थे। लेकिन एक दिन उसे अचानक पता चलता है कि उसका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो चुका है। कविता कहती है "लॉकडाउन के दौरान मैं इंस्टाग्राम की शॉर्ट रील्स देखकर कुछ सीखने की कोशिश करती थी। लेकिन एक दिन मुझे मेरे दोस्तों के माध्यम से पता चला है कि मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट किसी ने हैक कर लिया है और अब वह उसका गलत तरीके से उपयोग कर रहा है। मैं थोड़ा परेशान हो गई। मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि मैं क्या करूं? यह बात मैं मैं किससे साझा करूं और किसकी मदद लूँ? क्योंकि यदि हैकर ने मेरी वीडियो अथवा फोटो का गलत इस्तेमाल कर उसे वायरल कर दिया तो यह अच्छा नहीं होगा। तब मुझे अचानक इस समस्या से निकलने के लिए प्रोत्साहन संस्था के बारे में ध्यान आया। मैं इस समस्या से बचने के लिए प्रोत्साहन के प्रशिक्षकों की मदद ले सकती हूँ जो इन साइबर सुरक्षा से सम्बन्धित मुद्दों पर काम करते हैं। जब मैं उनसे मिली और उन्हें सारी स्थिति से अवगत कराया तो उन्होंने मुझे ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने और साइबर सुरक्षा के बारे में बताया। यह समस्या केवल देश की राजधानी दिल्ली की रहने वाली किसी किशोरी की समस्या नहीं है बल्कि अन्य बड़े शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक ऐसी ख़बरें पढ़ने को आसानी से मिल जाती हैं। अंतर केवल इतना है कि दिल्ली जैसे बड़े शहर में रहने के कारण कविता को इसके खिलाफ एक्शन लेने में मदद मिल गई है। लेकिन अन्य क्षेत्रों के युवाओं और विशेषकर किशोरियों में जागरूकता की कमी के कारण इतनी जल्दी मदद नहीं मिल पाती है और हैकर्स का शिकार हो जाती हैं। दरअसल आज के समय कोई भी जानकारी प्राप्त करना अथवा सोशल मीडिया तक पहुंच बहुत आसान हो गया है। जैसे जैसे इंटरनेट का प्रसार बढ़ा है, उसके उपयोग करने वालों की संख्या भी तेज़ी से बढ़ी है। अब तो गांव गांव तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने वाले युवाओं की एक बड़ी तादाद देखी जा सकती है। दिल्ली से सटे ग्रामीण क्षेत्र की रहने वाली मीना (बदला हुआ नाम) बताती है कि "मेरे घर वालो ने मुझे उच्च शिक्षा प्राप्त करने और विषय से जुड़े अपडेट के लिए मोबाइल फ़ोन उपलब्ध करवाया था। मेरी ऑनलाइन क्लासेज अच्छी चल ही रही थी कि अचानक एक दिन मेरे नंबर पर अनजान नंबर से कॉल, सन्देश और अश्लील वीडियो आने लगते हैं और तरह -तरह की धमकियां दी जाने लगती हैं। जिससे मैं बहुत डर जाती हूँ। कुछ समझ नहीं आ रहा था कि क्या करुँ? किसी से अपनी परेशानी शेयर करते हुए भी डर लग रहा था। परेशान होकर मैंने अपना सिम कार्ड बंद करवा दिया। वह कहती है कि मुझे नहीं मालूम था कि इसके खिलाफ कहां और कैसे शिकायत दर्ज कराई जाती है? साइबर सुरक्षा का ज्ञान न होने का कारण ही मैं इसका शिकार बनी हूं। काश, मैं जागरूक होती और साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में किसी ने मुझे बताया होता तो आज मुझे अपना सिम बंद करवाने की ज़रूरत नहीं होती बल्कि ऐसे साइबर अपराधी जेल में होते।" दरअसल जहां इंटरनेट का इस्तेमाल हमारे लिए वरदान सिद्ध हुआ है, वहीं कहीं न कहीं यह अभिशाप भी साबित हुआ है। इसके गलत तरीके से उपयोग से साइबर क्राइम में काफी बढ़ोतरी हुई है। आज के समय में यह एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। जिस प्रकार इंटरनेट की रफ्तार बढ़ रही है उसी प्रकार से साइबर क्राइम ने भी अपने पैर पसार लिए हैं। इसके उपयोग से दूर-दराज बैठे लोगों के साथ जुड़ना बहुत आसान हो गया है। व्यवसाय को बढ़ाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो गई है। इसने हमारे दैनिक जीवन के कार्यों को काफी हद तक आसान कर दिया है। लेकिन जहां इंटरनेट के इतने सारे लाभ हैं, वहीं इसके कुछ नुकसान भी हैं। यदि इसका सावधानीपूर्वक इस्तेमाल नहीं किया गया तो हैकर्स के जाल में फंस सकते हैं। जो आपके ही मोबाइल का गलत कामों में इस्तेमाल कर सकता है। जिसे साइबर क्राइम के नाम से जानते हैं। इसमें कम्प्यूटर उपकरण के इस्तेमाल के द्वारा इंटरनेट का गलत तरीके से उपयोग करते हुए ऑनलाइन साइबर क्राइम किये जाते हैं। इसमें हैकिंग के अलावा ऑनलाइन निजी जानकारी चुराना, धोखाधड़ी करना और चाइल्ड पोनोग्राफी आदि यह सभी साइबर क्राइम के अंतर्गत आते हैं। साइबर बुलिंग सोशल मीडिया, फ़ोरम या गेमिंग के जरिये ऑनलाइन की जा सकती है। जहां पर यूजर कंटेंट पढ़ सकते हैं, उसके साथ बातचीत कर सकते हैं या उसका कंटेंट को एक दूसरे को दे सकते हैं। यह एसएमएस, टेक्स्ट और एप्लिकेशन के जरिए भी किया जा सकता है। इस संबंध में प्रोत्साहन इंडिया फाउंडेशन के आईटी ट्रेनर गोविंद राठौर बताते हैं कि आये दिन हमारे पास ऐसे साइबर सुरक्षा से संबंधित मुद्दे आते रहते हैं। युवाओं और विशेषकर किशोरियों के पास मोबाइल तो आ जाते हैं, लेकिन इससे होने वाले साइबर क्राइम से बचने का तरीका न तो उन्हें पता होता है और न ही अभिभावकों को इसकी जानकारी होती है। जिससे कई बार बिना किसी गलती के किशोरियों को इसका खामियाज़ा भुगतना पड़ता है। समाज उन्हें ही इसका ज़िम्मेदार ठहराने लगता है। ऐसे में हमारा प्रयास यही रहता है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक कर सकें जिससे इन साइबर क्राइम को काफी हद तक कम किया जा सके। इस संबंध में साइबर से जुड़े कई विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सोशल मीडिया पर लोगों को अपनी फोटो और निजी जानकारियां साझा करने से बचना चाहिए, इसका उपयोग तभी करना चाहिए जब हमें इनका पूर्ण ज्ञान हो। ऑनलाइन अपराधी से बचने के लिए हमेशा एक मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना चाहिए जिसमें कैपिटल लेटर्स, नंबर्स और स्पेशल कैरेक्टर का उपयोग शामिल है। विशेषज्ञों के अनुसार सोशल मीडिया का जाल और उसकी पहुंच अनन्त है। ऐसे में किसी साइबर अपराधी अर्थात हैकर्स का सटीक तौर पर पता लगाना बहुत मुश्किल होता है।

देश दुनीया से

समता और सम्मान की चुनौतियां

वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2022 के आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत दुनिया के एक सौ छियालीस देशों में एक सौ पैंतीसवें स्थान पर है, जबकि 2020 के इसी सूचकांक में एक सौ तिरपन देशों में एक सौ बारहवें स्थान पर था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में लैंगिक भेदभाव की जड़ें कितनी मजबूत और गहरी हैं। सवाल है कि इस असमानता के पीछे बड़ा कारण क्या है। आर्थिक भागीदारी और अवसर की कमी के अलावा शिक्षा प्राप्ति में व्याप्त अड़चनें, स्वास्थ्य और उत्तरजीविता तथा सशक्तिकरण को इसके लिए जिम्मेदार समझा जा सकता है। 2022 के इस आंकड़े में आइसलैंड, जहां इस मामले में शीर्ष पर है वहीं निम्न प्रदर्शन के मामले में अफगानिस्तान को देखा जा सकता है। हैरत यह भी है कि पड़ोसी देश नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव और भूटान की स्थिति भारत से बेहतर है, जबकि दक्षिण एशिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान का प्रदर्शन भारत से खराब है। यह भी गौरतलब है कि कोविड के चलते व्याप्त मंदी ने महिलाओं को भी प्रभावित किया और लैंगिक अंतराल सूचकांक में तुलनात्मक गिरावट आई। यह तथ्य है कि लैंगिक असमानता को जितना कमजोर किया जाएगा, लैंगिक न्याय और समानता को उतना ही बल मिलेगा। संविधान से लेकर विधान तक और सामाजिक सुरक्षा की कसौटी समेत तमाम मोर्चों पर लैंगिक असमानता को कम करने का प्रयास दशकों से जारी है, मगर अपेक्षित सफलता नहीं मिली है। भारत एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य है। यहां लैंगिक आधार पर भेदभाव को व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों दृष्टियों से समाप्त करने का प्रयास जारी है। हालांकि कई ऐसे कानून मौजूद हैं, जो लैंगिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन करते हैं। इसमें समुदाय विशेष के पर्सनल ला भी हैं, जहां ऐसे प्रावधान निहित हैं, जो महिलाओं के अधिकारों को न केवल कमजोर करते, बल्कि भेदभाव से भी युक्त हैं। समान नागरिक संहिता को संविधान के नीति निदेशक तत्त्व के अंतर्गत अनुच्छेद 44 में देखा जा सकता है। चूंकि भारत लैंगिक समता के लिए प्रयास करने वाला देश है, समान आचार संहिता एक आवश्यक कदम के रूप में समझा जा सकता है। इसके होने से समुदायों के बीच कानूनों में एकरूपता और पुरुषों तथा महिलाओं के अधिकारों में बीच समानता स्वाभाविक रूप से आएगी। इतना ही नहीं, विशेष विवाह अधिनियम 1954 किसी भी नागरिक के लिए, चाहे वह किसी भी धर्म का हो, 'सिविल मैरिज' का प्रावधान करता है। जाहिर है, इस प्रकार किसी भी भारतीय को किसी भी धार्मिक व्यक्तिगत कानून की सीमाओं के बाहर विवाह करने की अनुमति देता है। शाहबानो मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत उसके पक्ष में निर्णय दिया था, जिसमें पत्नी, बच्चे और माता-पिता की देखभाल के संबंध में सभी नागरिकों पर लागू होता है। इतना ही नहीं, देश की शीर्ष अदालत ने लंबे समय से लंबित समान नागरिक संहिता अधिनियमित करने की बात भी कही। 1995 के सरला मुद्गल मामला हो या 2019 का पाउलो कोटिन्हो बनाम मारिया लुइजा वेलेंटीना परोरा मामला, सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से समान आचार संहिता लागू करने के लिए कहा। गौरतलब है कि समान नागरिक संहिता लैंगिक न्याय की दिशा में भी एक महत्त्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल व्यक्तिगत कानूनों की सीमाओं में जकड़ी असमानता को रोका जा सकेगा, बल्कि स्त्री की प्रगतिशील अवधारणा और उत्थान को भी मार्ग दिया जा सकेगा। गौरतलब है कि 2030 तक विश्व के सभी देश अपने वैश्विक एजेंडे के अंतर्गत न केवल गरीबी उन्मूलन और भुखमरी की समाप्ति, बल्कि स्त्री-पुरुष समानता के साथ लैंगिक न्याय हासिल करने को लेकर जद्दोजहद कर रहे हैं।

भारत दुनिया में सबसे युवा आबादी वाला देश है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया की आधी आबादी भारत समेत महज नौ देशों में होगी। किसी भी देश में बच्चे, चाहे बेटा हो या बेटी, भविष्य की पूंजी होते हैं। इन्हें गरिमा और सम्मान के साथ परवरिश और समतामूलक दृष्टिकोण के साथ अग्रिम पंक्ति में खड़ा करने की जिम्मेदारी व्यक्ति और समाज की है। मगर जब विषमताएं और लैंगिक भेदभाव किसी भी वजह से जगह बनाती हैं, तो यह समाज के साथ-साथ देश के लिए भी बेहतर भविष्य का संकेत नहीं है। भारत दुनिया में सबसे युवा आबादी वाला देश है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया की आधी आबादी भारत समेत महज नौ देशों में होगी। किसी भी देश में बच्चे, चाहे बेटा हो या बेटी, भविष्य की पूंजी होते हैं।

नागरिक बोध

सरकारी नौकरी की मधुर यादें

सरकारी नौकरी से कोई निवृत नहीं होना चाहता। यशस्वी अफसरों को बार बार मिलता सेवा विस्तार, कम यशस्वी अफसरों और कर्मचारियों को भी समुचित संबंध उगाने को प्रेरित करता है। सरकारी नौकरी के संदर्भ में एक मित्र नादेव याद आते रहते हैं। उनके रिटायर होने में दो महीने बचे थे। उन्होंने बाकी छुट्टियों का हिसाब किताब कर लिया था कि उनके एवज़ में कितने पैसे मिलेंगे। आखिर बड़े जतन से छुट्टियां बचाई थी। वे मुस्कुराते हुए खुद को गौरवमय महसूस करते हुए याद करते रहे कि वे एक महीने में दो या तीन बार ही ठीक समय पर दफ्तर पहुंचते थे। निजी व घरेलू काम देर से पहुंचकर या जल्दी निकलकर निबटा दिया करते थे। दिन में आयोजित होने वाले किसी भी स्थानीय विवाह में वह अवकाश लेकर शामिल नहीं हुए थे। उनकी इस कार्यशैली के बहुत लोग कायल थे। सहकर्मियों के लिए तो वह प्रेरणा बन चुके थे, विशेषकर नए कर्मचारियों के लिए। वे अपने प्रभारी को पटाकर रखते थे जो लालपरी के अधीन रहते थे। लालपरी का इंतजाम नादेव ने अपने फौजी चाचा के माध्यम से कर रखा था। उन्होंने अपने बॉस की पत्नी को भी कैन्टीन का सस्ता सामान दिला दिला कर प्रभावित किया हुआ था। कितनी ही बार घूमने फिरने की सुविधा के तहत कई सफल जुगाड़ भिड़ा दिया करते थे। वे अनेक गुरों के माहिर थे। उन्होंने अपने तथाकथित पाप धोने के लिए बुजुर्ग माता-पिता को साथ लेकर चारों धाम की यात्रा करा दी थी, हालांकि माता-पिता उनके व्यवहार से तंग अक्सर गांव में रहते थे। नादेव को समझ थी कि सेवानिवृति से पहले परिवार की, पूरी स्वास्थ्य जांच करवा लेनी चाहिए। कोई बड़ा ऑपरेशन या महंगा इलाज वगैरा निबटा लेना चाहिए क्योंकि बाद में बिल भुगतान में देर अंधेर हो सकती है। इसलिए उन्होंने पूरी स्वास्थ्य जांच करवा कर शारीरिक चैसिस की छोटी मोटी सारी मरम्मत करवा ली थी। भगवानजी की दया से यहां वहां का खा पीकर भी वे चुस्त दरुस्त थे। परम्परा के अनुसार उन्होंने सेवानिवृति के दिन भोज देना था। उन्होंने इसका उचित प्रबंध किया और उसी दिन अपनी धर्मपत्नी का जन्मदिन भी पहली बार मना डाला। इसका भी उन्हें फायदा हुआ। उनके परिचितों को शक तो हो रहा था मगर भाभीजी का जन्मदिन था, इसलिए चुपचाप खाया, तो उपहार भी देना पड़ा। आखिर नादेव रिटायर हो गए। पत्नी ने पूछा अब तो निठ्ठले हो गए हो दिन भर क्या करोगे, घर पर बैठे रहोगे। नादेव बोले अब मैं अपने गहन अनुभवों से समाज सेवा करूंगा। समाज के परेशान बंदों का, अच्छे ढंग से मार्गदर्शन करूंगा कि सरकारी कामकाज कैसे करवाए जाते हैं। एक संस्था बनाउंगा, उसमें कुछ लोगों को साथ रखूंगा व सरकारजी से सहायता लेकर सबकी सहायता करूंगा। हो सका तो किसी अखबार का संवाददाता बन जाउंगा ताकि बाकी ज़िंदगी आराम से बसर हो। नादेव की पत्नी को फख्र हो रहा था कि वह कितने कर्मठ इंसान की पत्नी है।

पाक की नई चाल, चीन–पाक आर्थिक गलियारा प्रोजेक्ट में तुर्किये को शामिल होने का न्योता

इस्लामाबाद ।
चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना को लेकर अब पाक ने नई चाल चली है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने अब इस परियोजना में शामिल होने के लिए तुर्किये को शामिल होने का न्योता दिया है। शरीफ ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जबकि भारत पीओके में इस परियोजना के क्रियान्वयन का लगातार विरोध कर रहा है।

पाकिस्तान के पीएम शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ अंकारा यात्रा के दौरान एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह प्रस्ताव किया। शरीफ के हवाले से कहा, मैं सुझाव दूंगा कि चीन और पाकिस्तान के बीच तुर्किये सहयोग करे। यह एक अद्भुत साझा सहयोग होगा। इसके जरिए हम मौजूदा चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

तुर्किये सहमति दे तो चीन से करेंगे बात

पीएम शरीफ ने कहा कि अगर तुर्किये सीपीईसी में शामिल होने के लिए आगे बढ़ता है तो उसे चीनी नेतृत्व के साथ इस मामले पर चर्चा करने में खुशी होगी। पाक पीएम शहबाज शरीफ का तुर्किये से यह प्रस्ताव पाकिस्तान और चीन द्वारा संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के मुद्दों पर भारत के विरोध के बावजूद सामने आया है। पाकिस्तान व चीन सीपीईसी को अफगानिस्तान में भी बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

चीन की बीआरआई का हिस्सा है सीपीईसी

दरअसल, सीपीईसी चीन की महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसका उद्देश्य चीन के प्राचीन व्यापार मार्गों का नवीनीकरण करना है। भारत 60 अरब डॉलर की परियोजना का लगातार विरोध कर रहा है। यह बलूचिस्तान में पाकिस्तान के दक्षिणी ग्वादर बंदरगाह को चीन के पश्चिमी झिंजियांग से जोड़ेगी और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरेगी।

चीन ने पाकिस्तान को दिया लगातार मदद का भरोसा

इसी महीने की शुरुआत में पीएम शाहबाज शरीफ ने चीन की यात्रा की थी। इस दौरान चीन ने पाकिस्तान को आर्थिक और रणनीतिक परियोजनाओं के लिए निरंतर मदद का भरोसा दिया था। चीन व पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की विदेशी वित्तीय संपत्तियों को वापस लेने में और अन्य मदद की जरूरत पर भी जोर दिया था।

न्यूज ब्रीफ

ताइवान में स्थानीय निकायों के चुनाव, और चिढ़ सकता है चीन, तनाव बढ़ने की आशंका

ताइपे । चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच ताइवान में स्थानीय निकायों के चुनाव हो रहे हैं। इनके जरिए ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन चीन व दुनिया को अहम संदेश दे रही हैं। चीन इससे और भड़क सकता है। ताइवान–चीन के संबंध ऐतिहासिक संकट व तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। इस बीच, ताइवान के लोग स्थानीय चुनावों के लिए मतदान कर रहे हैं। इन चुनावों के जरिए ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग–वेन चीन से बढ़ती शत्रुता के बीच दुनिया को अपने देश के लोकतंत्र की रक्षा के दृढ़ संकल्प का संदेश भेज रही हैं। इन चुनावों के जरिए ताइवानी शहरों के महापौर, काउंटी प्रमुख और पार्षद चुने जाएंगे। ये घरेलू मुद्दों पर ही आधारित हैं, इनका चीन से कोई सीधा संबंध नहीं है। इससे पहले 2018 में हुए स्थानीय निकायों के चुनाव में ताइवान की मुख्य विपक्षी पार्टी कुओमिंतांग या केएमटी ने जीत हासिल की थी। केएमटी ने त्साई और डीपीपी पर चीन के साथ टकराव बढ़ाने का आरोप लगाया है। केएमटी चीन के साथ घनिष्ठ रिश्तों के पक्ष में है, लेकिन बीजिंग समर्थक होने से इनकार करती है। राष्ट्रपति त्साई का कहना है कि दुनिया देख रही है कि ताइवान चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच अपने देश में लोकतंत्र की किस तरह रक्षा कर रहा है। चीन इस द्वीप देश को अपना प्रांत मानता है। अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी की हालिया ताइवान यात्रा के बाद चीन व ताइवान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया था। चीन ने इसे लेकर ताइवान की खाड़ी में उग्र सैन्य अभ्यास शुरू कर दिया था। ताइवान में स्थानीय निकायों के चुनाव चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं बैठक के एक महीने बाद हो रहे हैं।

सिरफिरे ने ब्राजील के दो स्कूलों में की अंधाधुंध गोलीबारी, तीन की मौत, 11 घायल

ब्राजील । ब्राजील से दो स्कूलों में गोलीबारी की घटना सामने आई है। स्कूलों में हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए अधिकारियों ने कहा कि बुलेटप्रूफ जैकेट पहने एक शूटर ने दक्षिण–पूर्वी ब्राजील के दो स्कूलों में घुसकर दो शिक्षकों और एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी और 11 अन्य को घायल कर दिया। पुलिस ने एक बयान में कहा कि गोलीबारी प्राथमिक और मध्य विद्यालय के छात्रों और एक निजी स्कूल में हुई, दोनों एस्पिरिटो सैंटो राज्य के छोटे शहर अराक्रूज में एक ही सड़क पर स्थित हैं। राज्य के गवर्नर रेनाटो कासाग्रांडे ने कहा कि अधिकारियों ने तलाशी के बाद संदिग्ध शूटर को गिरफ्तार कर लिया। गवर्नर ने ट्वीट कर कहा कि हम मामले की जांच जारी रखेंगे और जल्द ही और अधिक जानकारी जुटाएंगे। सुरक्षा कैमरे के फुटेज में हमलावर को बुलेटप्रूफ ड्रेस पहने और हमलों के लिए एक सेमीचालक पिस्तौल का उपयोग करते हुए दिखाया गया है, एस्पिरिटो सैंटो के सार्वजनिक सुरक्षा सचिव मर्सियो सेलांटे ने सचिवालय में एक वीडियो जारी किया। इस घटना में 11 लोग घायल हो गए, सेलांटे ने कहा, जिन्होंने नोट किया कि पब्लिक स्कूल में ताला तोड़ने के बाद शूटर ने शिक्षकों के लाउंज में प्रवेश किया। सुरक्षा कैमरे के फुटेज में हमलावर को बुलेटप्रूफ ड्रेस पहने और हमलों के लिए एक सेमीचालक पिस्तौल का उपयोग करते हुए दिखाया गया है, एस्पिरिटो सैंटो के सार्वजनिक सुरक्षा सचिव मर्सियो सेलांटे ने सचिवालय में एक वीडियो जारी किया।

अनुष्का सुनक ने बांधा समां, लंदन में कई बच्चों के साथ किया कुचिपुड़ी नृत्य

लंदन । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की नौ साल की बेटी अनुष्का सुनक ने लंदन में आयोजित रंग में

कुचिपुड़ी नृत्य पेश कर समां बांध दिया। अनुष्का ने कई बच्चों के साथ यह नृत्य किया। उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब दाद बटोरी। दरअसल, रंग अंतरराष्ट्रीय कुचिपुड़ी नृत्य महोत्सव 2022 का हिस्सा था। यह ब्रिटेन में इस नृत्य शैली का सबसे बड़ा उत्सव है। इसमें सभी पीढ़ी के लोग शामिल होते हैं। शुक्रवार को हुए कार्यक्रम में 4 से 85 वर्ष की उम्र के करीब 100 कलाकार शामिल हुए। इनमें संगीतकार, बुजुर्ग, नृत्यकार, व्हीलचेयर डांसर, नटरंग ग्रुप, पोलैंड के छात्र शामिल थे।

श्रीलंका इसका हल निकाले कैसे, तमिल चाहते हैं संघीय व्यवस्था, सिंहली इसके लिए तैयार नहीं

कोलंबो ।
तमिल समस्या का बातचीत से हल निकालने की राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की कोशिश को एक प्रमुख तमिल संगठन का समर्थन मिला है। तमिल नेशनल एलायंस (टीएनए) ने कहा है कि तमिल समस्या को हल करने की हर गंभीर कोशिश में वह गंभीरता से शामिल होगा। लेकिन टीएनएन के सांसद एमए सुमंतिरन ने यह भी साफ कहा कि उनका संगठन संघीय समाधान चाहता है। सुमंतिरन ने कहा है- 'हमेशा की तरह हम हर गंभीर कोशिश में रचनात्मक भूमिका निभाएंगे। लेकिन कोई फर्जी प्रक्रिया नहीं चलने देंगे।' राष्ट्रपति को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा- 'आपके कदम आपकी बातों से भी अधिक शक्तिशाली होने चाहिए। अब तक हमें सिर्फ बातें सुनाई गई हैं।

इसी हफ्ते विक्रमसिंघे ने श्रीलंका के विपक्षी दलों के सामने दशकों पुरानी तमिल समस्या का बातचीत से समाधान निकालने की अपनी योजना पेश की थी। इस कोशिश में उन्होंने अगले 11 दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक सुमंतिरन ने संघीय समाधान की बात कह कर संकेत दिया है कि इस मामले में तमिल संगठनों के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। श्रीलंका की सिंहली आबादी में जनाधार रखने वाली पार्टियां ऐसे समाधान के खिलाफ हैं। वे श्रीलंका के एकात्मक स्वरूप को बनाए रखना चाहती हैं। इसीलिए समझा जा रहा है कि टीएनए के वार्ता प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जताने के बावजूद असल समाधान ढूंढना अभी भी कठिन बना हुआ है।

विक्रमसिंघे ने कहा है कि बातचीत में हर मुद्दे या मांग को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा है– 'इसके पहले कि दूसरे कदम उठाए जाएं, बुनियादी बदलाव लाने की जरूरत है।' श्रीलंका सरकार और तमिल आतंकवादी संगठन– लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के बीच गृह युद्ध 2009 में खत्म हो गया था। लेकिन तमिलों के राजनीतिक मुद्दे आज तक हल नहीं हुए हैं। इस बीच गृह युद्ध के दौरान हुए मानव अधिकारों के व्यापक हनन का आरोप लगातार अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बुना हुआ है। इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने इस मामले में श्रीलंका के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। जानकारों के मुताबिक विक्रमसिंघे की मुख्य चिंता अंतरराष्ट्रीय मंचों पर श्रीलंका को ऐसी आलोचनाओं से बचाने की है।

तमिल अल्पसंख्यक मुख्य रूप से श्रीलंका के उत्तर–पूर्वी इलाके में रहते हैं। वे वहां स्वायत्त प्रांत बनाने की मांग करते रहे हैं। सुमंतिरन ने संघीय समाधान की बात कह कर इसी मांग को दोहराया है। जबकि देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टी श्रीलंका पोडुजना पेरामुना (एसएलपीपी) संघीय समाधान के बिल्कुल खिलाफ है। विक्रमसिंघे की ताजा पहल के बाद इस पार्टी के सांसद गेविंदु कुमारातुंगा ने आगाह किया है कि श्रीलंका के एकात्मक स्वरूप पर कोई समझौता उसे मंजूर नहीं होगा।

विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि संघीय व्यवस्था की मांग पर सिंहली बहुसंख्यकों की उग्र भावनाएं सामने आती रही हैं। एसएलपीपी सांसद ने इस समुदाय की भावनाओं को ही जताते हुए बीते बुधवार को संसद में राष्ट्रपति से मुखातिब होकर कहा था– 'अगर आप एकात्मक श्रीलंका पर आम सहमति बनाना चाहते हैं, तो हम सहमत हैं। लेकिन इसके बाहर जाकर कोई बात देश के बहुसंख्यकों को मंजूर नहीं होगी। हकीकत यह है कि हमारे सैनिकों ने श्रीलंका के एकात्मक स्वरूप की रक्षा के लिए अपनी जानें कुर्बान की हैं।

ब्रिटेन के शीर्ष विश्व विद्यालयों में प्रवेश सीमित करने की योजना, भारतीयों ने सुनक से लगाई यह गुहार

लंदन ।
ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक देश में प्रवासियों की संख्या कम करने पर विचार कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने ब्रिटेन के शीर्ष विश्व विद्यालयों में प्रवेश सीमित करने की योजना बनाई है। इस योजना को लेकर भारतीयों के समूह ने उनसे वीजा कटौती नहीं करने की गुहार लगाई है। सुनक प्रवासियों की संख्या कम करने के लिए न केवल प्रवेश सीमित करना चाहते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के आश्रितों के वीजा की संख्या भी कम करना चाहते हैं। ऐसे में ब्रिटेन में प्रवासी भारतीयों के नेतृत्व वाले एक छात्र संगठन ने विदेशियों को अध्ययन वीजा में कटौती की योजना पर पुनर्विचार का आग्रह किया है। सुनक को यह कदम इसलिए उठाना पड़ रहा है, क्योंकि ब्रिटेन में प्रवासियों की संख्या रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

ब्रिटेन के नेशनल इंडियन स्टुडेंट्स एंड एल्यूमनी यूनियन का कहना है कि विश्वविद्यालयों में प्रवेश सीमित करने के मनमाने निर्णय का दूरगामी व प्रतिकूल असर होगा। एनआईएसएयू की ब्रिटिश इकाई के अध्यक्ष सनम अरोडा ने कहा कि विद्यार्थी ब्रिटेन में अस्थाई रूप से रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी विद्यार्थी, जिनमें भारतीयों की संख्या सर्वाधिक हैं, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में 30 अरब पाउंड के राजस्व का योगदान देते हैं। वे ब्रिटेन के व्यापार, संस्कृति और कूटनीति संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए यूके के दोस्त के रूप में वापस जाते हैं। छात्र संगठन ने कहा कि हमें उम्मीद है कि सुनक सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि शीर्ष विश्वविद्यालय की कोई मनमानी परिभाषा तय नहीं की जाए। उधर, यूके के विश्वविद्यालय निकायों ने भी अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या सीमित करने को लेकर ब्रिटिश सरकार को सतर्क किया है। इन निकायों का कहना है कि इससे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था और प्रतिष्ठा को चोंट पहुंच सकती है। यूयूकेआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विविएन स्टर्न ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में कटौती सीधे तौर पर यूके सरकार की रणनीति के विपरीत होगी। यूके के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (ओएनएस) के ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि यूके में प्रवासियों की संख्या जून 2021 तक 1,73,000 से बढ़कर जून 2022 तक 5,04,000 हो गई है। ब्रेक्सिट के बाद इसमें 3,31,000 की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का एक बड़ा योगदान है। पहली बार स्टूडेंट वीजा के मामले में भारतीयों ने चीनी छात्रों को पीछे छोड़ दिया है।

इंडोनेशिया में बढ़ रही मरने वालों की संख्या अब तक 310 लोगों की मौत, 24 घायल

जावा ।
इंडोनेशिया के पश्चिमी जावा प्रांत के सियांजुर में सोमवार को आए भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इंडोनेशिया के जावा में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 310 हो गई है, और 24 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा तबाही हुई है सियांजुर कस्बे में, जहां भूकंप के दौरान तीन मिनट तक इमारतें हिलती रहीं। सबसे ज्यादा मौतें भी यहीं हुई हैं। हालांकि, मौतों की सरकारी आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। सियांजुर सबसे ज्यादा प्रभावित इसलिए हुआ, क्योंकि वहां आबादी काफी घनी है। यहां भूस्खलन आम बात है। घर ज्यादा मजबूती से नहीं बने हैं। इस भूकंप में 56,320 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें से एक तिहाई से अधिक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। अन्य क्षतिग्रस्त इमारतों में 31 स्कूल, 124 पूजा स्थल और तीन स्वास्थ्य सुविधाएं शामिल हैं। सुहरयांतो ने कहा कि एजेंसी ने विस्थापित लोगों के लिए सुविधाओं के साथ 14 शरणार्थी आश्रय स्थल बनाए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने अस्थायी तंबुओं को छोड़कर इन मुख्य आश्रय स्थलों में चले जाएं।

चीन में खतरनाक तरीके से बढ़ रहा कोरोना वायरस लगातार तीसरे दिन 30 हजार से अधिक लोग संक्रमित

बीजिंग ।
चीन में कोरोना एक बार फिर से खतरनाक रुख अख्तियार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो चीन में लगातार तीसरे दिन 30 हजार से ज्यादा कोरोना मामले सामने आए हैं। 26 नवंबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटों में 35,909 नए मामले दर्ज किए गए हैं। गनीमत यह रही कि शुक्रवार को कोविड–19 संक्रमण के कारण किसी की मौत नहीं हुई। इससे एक दिन पहले 25 नवंबर को जारी आंकड़ों के अनुसार चीन में बीते 24 घंटों में 32,943 मामले सामने आए थे। कोरोना संक्रमण में खतरनाक वृद्धि को देखते हुए लॉकडाउन की अवधि को बढ़ा दिया गया है। झोंगझोउ के आठ जिलों की कुल आबादी करीब 66 लाख है और वहां लोगों को गुरुवार से लेकर पांच दिन तक अपने–अपने घरों में रहने को कहा गया है। शहर की सरकार ने संक्रमण से निपटने की कार्रवाई के तहत वहां व्यापक स्तर पर जांच के आदेश दिए हैं।

इससे पहले 24 नवंबर को चीन में 31,444 नए मामले दर्ज किए गए थे। वहीं दूसरे दिन 32,943 तो तीसरे दिन 35,909 मामले सामने आए हैं। चीन के वुहान शहर में 2019 में सामने आए संक्रमण के पहले मामले के बाद देश में सामने आए ये सबसे अधिक दैनिक मामले हैं। देश में संक्रमण के दैनिक मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अमेरिका और अन्य देशों की तुलना में चीन में संक्रमण से मौत के कम मामले सामने आए हैं, लेकिन फिर भी देश की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने वायरस को लेकर कोई भी कोताही न बरतने की नीति अपना रखी है, जिसके तहत मामलों की संख्या देखते हुए इलाकों में लोगों की आवाजाही पर रोक लगाई जाती है।

स्वास्थ्य अधिकारियों की अपील के बाद 35 लाख लोग घर में कैद हो गए हैं। लोगों को घर पर ही सारी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। कई जगह कैंप लगाकर जांच बढ़ा दी गई है। बीजिंग में इस सप्ताह एक प्रदर्शनी केंद्र में अस्थायी अस्पताल बनाया गया और बीजिंग इंटरनेशनल स्ट्डीज यूनिवर्सिटी में भी आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया।

यूक्रेन पर हमले का पुतिन को नहीं है पछतावा, सैनिक परिवारों से मिल बोले- यह नया रूस है

मास्को ।
रूस–यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग के करीब नौ महीने हो रहे हैं। दोनों तरफ हजारों सैनिक जान गंवा चुके हैं। कई शहर तबाह हो गए हैं तो लाखों लोग विस्थापित हुए हैं, लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को इस युद्ध पर जरा सा भी पछतावा नहीं है। पुतिन का कहना है कि यूक्रेन में रूस को अपने लक्ष्यों को किसी भी हालत में हासिल करना चाहिए और हम उन्हें हासिल करके रहेंगे।

जानकारी के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन में जंग लड़ रहे रूसी सैनिकों की माताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन में अपने लक्ष्यों को दोहराया। उन्होंने कहा कि पूरा रूसी नेतृत्व सैनिकों के परिवारों के साथ है और उनकी पीड़ा को समझता है। हालांकि, मास्को यूक्रेन में अपने सैन्य अभियान के लक्ष्यों को प्राप्त करके ही पीछे हटेगा।

बेटों की जगह कोई नहीं ले सकता

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुतिन ने करीब 17 शहीद सैनिकों की माताओं से मुलाकात की। इस दौरान वह भावुक भी नजर आए। उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि बेटे के नुकसान की जगह कोई नहीं ले सकता है। खासकर एक मां के लिए। हम इस

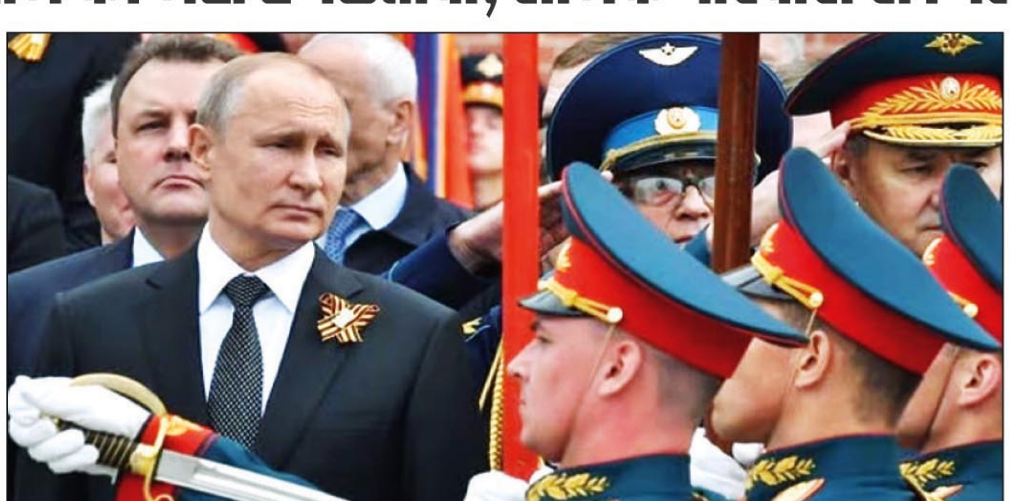

दर्द को साझा करते हैं। हालांकि, पुतिन ने इस दौरान कहा कि यूक्रेन के खिलाफ विशेष सैन्य अभियान पर उन्हें कोई पछतावा नहीं है। उन्होंने इस जंग को पश्चिमी आधिपत्य के खिलाफ आवाज करार दिया।

ये नया रूस है

रिपोर्टों से पता चला है कि सैनिक परिवारों से मुलाकात के दौरान पुतिन ने नोवोरोसिया शब्द का इस्तेमाल किया। इसका शाब्दिक अर्थ नया रूस है। उन्होंने नए रूस की सीमाओं की रक्षा के लिए लड़ रहे सैनिकों की प्रशंसा भी की। दरअसल, नोवोरोसिया का मतलब दक्षिण और पूर्वी यूक्रेन के उन हिस्सों से है, जिन पर रूस अपना दावा करता है।

यूक्रेन की मदद के लिए पीछे नहीं हटेगा अमेरिका

उधर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि वाशिंगटन यूक्रेन की मदद से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा, क्रेमलिन अब यूक्रेन के लोगों पर कब्जा करने के लिए युद्ध कर रहा है, लेकिन हम यूक्रेन के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, हम यूक्रेनी लोगों के लिए अटूट समर्थन की प्रतिबद्धता के साथ खड़े हैं।

बेटियां बलि नहीं चढ़ेंगी

लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाकर कठोरता से कराएं लागू : निधि त्रिपाठी

जयपुर (हिंस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नाम पर छात्रों से मनमानी शुल्क वसूली बर्दाश्त नहीं करेंगे। केंद्र एवं राज्य सरकारों को बजट में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के लिए निधि का प्रावधान करना चाहिए। लव जिहाद के सवाल पर उनका कहना है कि बेटियां बलि नहीं चढ़ेंगी। लव जिहाद पर रोक लगानी चाहिए। राज्य सरकारें अपने यहां इसको लेकर कानून बनाएं और कठोरता से लागू कराएं। ऐसे ही कई ज्वलंत मुद्दों पर निधि त्रिपाठी से हिन्दुस्थान समाचार की बातचीत के प्रमुख अंश- प्रश्न- स्वदेशी और स्वालंबन की दिशा में विद्यार्थी की क्या पहल है? उत्तर- अभाविप का स्पष्ट मत है, यदि आत्मनिर्भर भारत बनाना है तो हमें भारतीय वस्तुओं पर भरोसा करना होगा। इस नाते से ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करना और अधिक से अधिक स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहन देना। इसकी जागरुकता पूरे युवा समुदाय में होनी चाहिए। जयपुर में हो रहे 68वें राष्ट्रीय अधिवेशन में *आत्मनिर्भर भारत*

में युवाओं की भूमिका विषय पर एक सत्र के दौरान कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया। इसके माध्यम से युवाओं को जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा। अभाविप का *साविष्कार* नाम से आयाम भी चलता है जो स्पेशली स्टार्टअपस् और इनोवेशन्स के बारे में चर्चा करने के लिए अलग-अलग शैक्षिणिक संस्थाओं में काम करता है। इसके माध्यम से भी आज अभाविप स्वालंबन और आत्मनिर्भर भारत के बारे में चर्चा कर रहा है। प्रश्न- पर्यावरण में को लेकर विद्यार्थी परिषद के अब तक के क्या प्रयास रहे हैं और भावी योजनाएं क्या हैं? उत्तर- पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने के लिए अभाविप की विकासार्थ विद्यार्थी गतिविधि है। इसके माध्यम से जल, जंगल, जमीन और जानवर की बात अभाविप करती है। दो-तीन माह पहले ही अभाविप ने वृक्ष मित्र नाम से एक अभियान चलाया, इसके माध्यम से कार्यकर्ताओं ने देशभर में करीब 23 लाख पौधारोपण किया। कार्यकर्ता अपने जन्मदिन पर पौधे लगा रहे हैं और उनकी रक्षा भी कर रहे हैं। अधिवेशन और वर्ग प्लास्टिक मुक्त रखने का प्रयास हो रहा है। जीरो फूड वेस्टेज का पालन सभी कार्यक्रमों, अभियानों और आंदोलनों में किया जा रहा है। प्रश्न- देश में विशेषकर गावों में समरसता की कमी दिखती है, इस पर विद्यार्थी परिषद क्या सोचती है? उत्तर- अभाविप का *हिन्दव: सोदरा: सर्वे, न हिंदू पतितो भवेत* पर पूरा भरोसा है। भारत के सभी नागरिक समान हैं। किसी भी व्यक्ति से भेदभाव नहीं होना चाहिए। यदि कहीं भेदभाव है तो उसको पाटने के लिए अनुभूति शिविर, सामाजिक अनुभूति के कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। *स्टूडेंट फॉर सेवा* के माध्यम से बस्तियों में जाकर कार्य करते हैं। बस्तियों में हम जाति नहीं देखते हैं। समाज के सेवार्थ आना ही उद्देश्य रहता है। समाज में अगर किसी भी तरह की खाई है तो उसे पाटने का काम भी कार्यकर्ता पूरे देश में कर रहे हैं। प्रश्न- देश में अभाविप के खिलाफ भी एक नैरेटिव खड़ा करने का प्रयास किया जाता है, इस पर क्या कहना चाहेंगी? उत्तर- सत्यता बहुत दिनों तक छिपी नहीं रहती। हमारा काम समाज के लिए है। वह आंखों से ओझल होने वाला नहीं है। विरोधी अभाविप के बारे में कई तरह के आरोप लगाते होंगे, लेकिन हम विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन हैं, इसलिए कई महत्वपूर्ण दायित्वों को छात्राएं सुशोभित कर रही हैं। जनजातीय समेत समाज के सभी वर्गों का अभाविप में पर्याप्त प्रतिनिधित्व है। प्रश्न- अभाविप के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती क्या हैं? उत्तर- चुनौती हमारे लिए हमेशा एक अवसर है।

संविधान दिवस पर देश की अखंडता व संप्रभुता बनाए रखने की ली शपथ

जींद (हिंस)। जिला नागरिक अस्पताल में शनिवार को संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएमओ डॉ. मंजू कादियान ने की जबकि कार्यक्रम में पीएमओ डॉ. जितेंद्र, डिप्टी एमएस डॉ. राजेश भोला ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को संविधान की शपथ दिलवाई। सभी स्वास्थ्यकर्मियों ने शपथ ली कि वो अपना दायित्व निष्ठा से निभाएंगे और देश की अखंडता व संप्रभुता को बनाए रखने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। पीएमओ डॉ. जितेंद्र ने कहा कि देश की अखंडता व प्रभुता को बनाएं रखने के लिए संविधान की पालना करना सब का दायित्व हैं। भारत एक गणतंत्र देश है। डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता वाली समिति ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया और 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा को सौंपा। इसके दो वर्ष बाद 26 जनवरी 1950 में भारतीय संविधान को देशभर में लागू किया गया। डिप्टी एमएस डॉ. राजेश भोला ने कहा कि हम सभी को संविधान नियमों की पालना करनी चाहिए और राष्ट्र को प्रगति पथ पर ले जाने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर भारतीय नागरिक के लिए हर साल 26 नवंबर का दिन बेहद खास होता है।

अखनूर में भाजपा ओबीसी मोर्चा का जनसंपर्क सभा आयोजित

जम्मू। ब्रह्म ज्योत सत्ती, अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जेके-यूटी के निर्देश पर भाजपा ओबीसी मोर्चा की अखनूर इकाई ने अखनूर के गांव बटाला चक में जनसभा का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन सोनिया वर्मा (जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा, अखनूर) ने किया। कार्यक्रम में उन्होंने क्षेत्र के प्रमुख नागरिकों और स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की और उनकी शिकायतों को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने ओबीसी के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और लोगों से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया और उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा जनता के लिए सर्वोत्तम है। उन्होंने भाजपा ओबीसी मोर्चा के पक्ष में नारे लगाए। इस पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने सराहनीय कार्य करने के लिए कार्यरत अखनूर टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा समाज के सभी वर्गों के लिए काम कर रहा है और सामाजिक कार्यों का आयोजन कर रहा है और पूरे जम्मू-कश्मीर में मानवता की सेवा कर रहा है। भाजपा हमेशा नेशंस फर्स्ट की विचारधारा का पालन करती है और यह नीति भारत और इसके नागरिकों के लिए बेहतर है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए बड़ी संख्या में अत्यधिक लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और जनता को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लोग भाजपा ओबीसी मोर्चा के काम से प्रेरणा ले रहे हैं और भाजपा में शामिल हो रहे हैं। जनता की भलाई के लिए भाजपा ओबीसी मोर्चा हमेशा उपलब्ध है और जिस किसी को भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है, वह संबंधित क्षेत्र के ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्षों से संपर्क कर सकता है।

बीएसएफ ने अटारी बॉर्डर पर स्थापित किया सुपर किंग एयर बी-200 विमान

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने स्थापना दिवस से पहले पुराने सुपर किंग एयर बी-200 विमान को अटारी सीमा पर दर्शकों के देखने लिए स्थापित कर दिया है। अब यहां रिट्रीट सेरमनी देखने के लिए आने वाले पर्यटक इस विमान को भी देख सकेंगे। इस विमान को बीएसएफ के दिल्ली स्थित एयर विंग के हैंगर से ट्राले पर लादकर अटारी तक लाया गया। अटारी लाकर विमान को रंग रोगन किया गया है और उसके बाहरी ढांचे की भी जरूरी मरम्मत की गई है। विमान पर सीमा सुरक्षा बल लिखा गया है और बीएसएफ का बैज भी पेंट किया गया है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को ले जंतर मंतर पर जनसभा आज

जयपुर (हिंस)। जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर 27 नवंबर को विशाल जनसभा एवं एक दिवसीय धरना का आयोजन किया जाएगा। जिसमें राजस्थान से हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। गौरतलब है कि राजस्थान में जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को लेकर 4 महीने तक भारत माता यात्रा निकालकर 400 स्थानों पर 200 विधानसभा क्षेत्रों में नारायण राम चौधरी ने जनसभाएं की है, जिससे भारतवर्ष में एक सकारात्मक माहौल बना है। नारायण राम चौधरी ने कहा है कि जनता के मन की भावना है कि आने वाले दिनों में देश एक बड़े संकट का सामना ना करें एवं हमारा देश एक अखंड राष्ट्र बना रहे सनातन धर्म संस्कृति बची रहे । लोकतंत्र बचा रहे इसके लिए सख्त जनसंख्या नियंत्रण कानून अति आवश्यक है। उनकी मांग है कि दो बच्चों की नीति एक समान सभी धर्म समुदाय के ऊपर लागू हो और इस नीति को जो नहीं माने उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई हो। वोट अधिकार देने से वंचित किया जाए, जैसी 9 मांगे हैं। इस मांग को लेकर के उन्होंने राजस्थान भर में भारत माता यात्रा निकालकर जन समर्थन जुटाया था। जिसमें जनता ने सकारात्मक हमें समर्थन दिया था। अब राजस्थान से प्रत्येक जिले से जंतर मंतर पर 27 नवंबर की सुबह लोगों को आने के लिए आह्वान किया है जिसमें बड़ी संख्या में लोग भाग लेंगे।

पंजाब के 86 प्रतिशत परिवारों का बिजली बिल आया जीरो

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब निवासियों के लिए मुफ्त घरेलू बिजली की सुविधा को सौगात बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज कहा कि आने वाले महीनों में राज्य के 95 प्रतिशत से अधिक परिवारों का बिजली बिल जीरो आएगा, जिससे उनको बड़ी राहत मिलेगी। पंजाब राज्य बिजली निगम के 603 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र बांटने के अवसर पर शनिवार को मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लोगों को हरेक बिल पर 600 यूनिट मुफ्त बिजली मुहैया करवाई है, जिससे पहली बार पंजाब के 86 प्रतिशत परिवारों का बिजली बिल जीरो आया है। आने वाले महीनों में 95 प्रतिशत से अधिक परिवार मुफ्त बिजली का लाभ उठाएंगे। यह कदम घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत है, जिनको अब तक हर महीने बिजली बिल के रूप में काफी पैसा खर्च करना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम जो वायदा करते हैं, उसे पूरा भी करते हैं। साफ नीयत से किए गए कार्यों के परिणाम हमेशा अच्छे होते हैं। पंजाबियों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि उनके घरों का बिजली बिल एक दिन जीरो आएगा, परन्तु अब यह सत्य साबित हुआ। अब तो बहुत से परिवार बिजली की बचत भी करने लगे हैं, जिससे वह 600 यूनिट मुफ्त बिजली का लाभ ले सकें। इससे बिजली का उपभोग भी घटेगा। राज्य में बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए एक और बड़ा ऐलान करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएसपीसीएल को झारखंड में आवंटित हुई पछवाड़ा के पास खान कार्यशील हो गई है और इस खान से दिसंबर के पहले हफ्ते कोयले की सप्लाई पंजाब को होगी, जिससे पंजाब में बिजली की पैदावार और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि बड़े दुख की बात है कि यह खान साल 2015 से बंद पड़ी थी और हमारी सरकार ने यह खान चालू करवाने के लिए कड़े प्रयास किए, जिसके स्वरूप अब कोयले की सप्लाई शुरू होने जा रही है।

आठ माह में दी गई 21 हजार सरकारी नौकरियां : मान

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पहली बार किसी राज्य सरकार ने अपने कार्यकाल के केवल आठ महीनों के समय में 21,000 नौजवानों को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र सौंपे हैं। मुख्यमंत्री शनिवार को पंजाब राज्य बिजली निगम के 603 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र बांटने के अवसर पर संबोधन कर रहे थे। इन 603 उम्मीदवारों में 476 क्लर्क, 68 जेई (इलैक्ट्रिकल) और 59 जेई (सब-स्टेशन) थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापक स्तर पर शुरू की गई इस भर्ती मुहिम में सरकार की नौजवानों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दिखाती है, क्योंकि देश के इतिहास में पहली बार किसी सरकार ने इतने थोड़े समय में नौजवानों के लिए सरकारी नौकरियों के दरवाजे खोले हैं। उन्होंने बताया कि आम आदमी सरकार को अभी आठ महीनों का समय हुआ है परन्तु अब तक 21 हजार से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि इस समय कई विभागों में भर्ती चल रही है, जिससे और नौजवान नौकरी हासिल करने के योग्य होंगे। नौजवानों को अधिक से अधिक रोजगार देने के वायदे को निभाते हुए मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि पीएसपीसीएल में सहायक लाईनमैनों के 2100 पद अगले महीने भरे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इन पदों के लिए परीक्षा हो चुकी है और परिणाम भी इसी हफ्ते घोषित किया जा रहा है और अगले महीने चुने गए उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे, जिससे बड़ी संख्या में और नौजवानों को सरकारी नौकरियाँ हासिल होंगी। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने बताया कि पीएसपीसीएल द्वारा बहुत जल्दी 66 के.वी. की क्षमता वाले नए ग्रिड स्थापित करने के साथ-साथ अंडरग्राउंड तारें डालने का काम शुरू किया जा रहा है, जिससे बिजली आपूर्ति को और अधिक सुचारू बनाया जा सके।

भाजपा महिला मोर्चा ने महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों पर खोला मोर्चा

जोधपुर (हिंस)। शहर में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं के साथ लगातार हो रहे दुष्कर्म और अपराध को लेकर मेडिकल कॉलेज के बाहर महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास विरोध प्रदर्शन किया। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष कमलेश गोयल ने बताया कि बाड़मेर में मूक बधिर बालिका का अपहरण कर चार दरिंदों ने गैंगरेप किया। ऐसी महिला अत्याचार की घटनाएं राजस्थान में लगातार हो रही है जो शर्मनाक है। पूरे राजस्थान में दुष्कर्म की वारदातों में लगातार वृद्धि हो रही है, इसी साल अलवर और पाली जिले में भी मूक-बधिर बालिकाओं के साथ दुष्कर्म की घटना का मामले हो चुके हैं। आज पूरे भारत में महिला अत्याचार के मामले में राजस्थान पहले नंबर पर बना हुआ है। पूरे देश में देश का कानून चलता है लेकिन राजस्थान में अंधा कानून चल रहा है। प्रदेश में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा वर्तमान कांग्रेस सरकार की घोर निंदा करता है। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व महापौर डॉ संगीता सोलंकी, सोनिया रामचंदानी (बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ प्रदेश संयोजक), उपाध्यक्ष मीना सांखला, सोनिया कोहली, मंत्री संजू व्यास, उषा सोतवाल, मनोहर कंवर, कमला सेन, मंडल अध्यक्ष नीता सोनी, सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की अन्य सदस्य उपस्थित रही।

पावर इंप्लाइज यूनियन ने प्रेसवार्ता कर उठाई अपनी मांग

जम्मू। जम्मू-कश्मीर कार्डिनेशन कमेटी ऑफ पावर इंप्लाइज यूनियन ने आज रोटरी भवन जम्मू में शक्ति गुप्ता की अध्यक्षता में एक प्रेसवार्ता आयोजित की, जिसमें ड्राफ्ट्समैन इलेक्ट्रिकल एसोसिएशन जम्मू-कश्मीर के प्रमुख अध्यक्ष बलबीर सिंह जम्वाल, प्रांतीय बिजली कर्मचारी संघ के अध्यक्ष एस मंजीत सिंह, पीपीईयू के यूथ विंग के अध्यक्ष तरुण गुप्ता और पी योगराज चंद्र अध्यक्ष जेकेईईयू पीडीएल/टीडीएल शामिल हुए। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने अपनी मांगों का चार्टर पेश किया और सरकार से सभी मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने का दवाब बनाया। मांगों का चार्टर..मुख्य अभियंता जेपीडीसीएल द्वारा पहले से स्वीकृत तकनीशियन की डीपीसी तीसरी अंतिम वरिष्ठता सूची तैयार करना। जम्मू-कश्मीर के विद्युत कर्मचारियों के पीडीएल/टीडीएल का नियमतीकरण। राजिपत्रत अधिकारी के रैंक के रूप में हेड कंप्यूटर का उन्नयन। टंकण परीक्षा/कंप्यूटर परीक्षा सचिवालय स्तरीय प्रशिक्षण में छूट। 1981 के एसआरओ-381 पीडीडी नियमों के अनुसार कार्यात्मक वेतनमान प्रदान करना। 1996 के एसआरओ-225 के 1996 के एसआरओ-14 के समान कार्यान्वयन के संबंध

में स्पष्टीकरण जारी करना। सभी अराजिपत्रत कर्मचारियों के पक्ष में ढाई दिन का वेतन जारी करना। रेलवे, पीडीडी विभाग के सभी कर्मचारियों को मुफ्त बिजली प्रदान करना आदि। शिवसेना की एफएफआरसी की शिफारिशों को सख्ती से लागू करने और मुखिया का कार्यकाल बढ़ाए जाने की मांग जम्मू। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई ने सरकार से निजी स्कूलों द्वारा बेतहाशा फीस वसूली जैसी मनमानी पर लगाम लगाने तथा फीस निर्धारण कमेटी के मुखिया का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने आज पार्टी प्रदेश कार्यालय जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि फीस निर्धारण कमेटी के गठन के बाद स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर लगाम लगाने, शिक्षा का व्यवसायीकरण रोकने तथा अभिभावकों की शिकायतों पर कार्यवाही एवं राहत समेत कई सराहनीय प्रयास किए जा रहे थे। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन तमाम शिफारिशों के लागू होने से पूर्व ही एफएफआरसी के चेयरमैन सेवानिवृत्त न्यायाधीश एमएच अत्तर का कार्यकाल समाप्त कर दिया गया। साहनी ने कहा कि एमएच अत्तर ने करोना काल के दौरान स्कूलों की मनमानी वसूली रोकने, प्रमोशन चार्जिज वसूली पर लगाम लगाने, दाखिले के दौरान सिक्योरिटी, रिफंडेबल फंड व अन्य मदों के बहाने से बेतहाशा वसूली पर रोक के निर्देश जारी कर अभिभावकों को राहत पहुंचाने का काम किया था। निजी स्कूलों की मनमानी लूट को रोकने को लेकर अभिभावकों में उम्मीद की एक किरण दिखाई दी थी। मगर इन सुधारों और शिफारिशों पर निजी स्कूलों की पहुंच और रसूख भारी साबित हुए और 13 नवम्बर को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मुजफ्फर हुसैन अत्तर का कार्यकाल समाप्त कर दिया गया। सरकार ने 9 नवंबर, 2020 को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मुजफ्फर हुसैन अत्तर को दो साल की अवधि के लिए एफएफआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया था। साहनी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुजफ्फर हुसैन अत्तर का कार्यकाल को बढ़ाने और फीस निर्धारण कमेटी की तमाम शिफारिशों को सख्ती से लागू करने की मांग की है। इस मौके पर अध्यक्ष कामगार विंग राज सिंह, मीडिया सलाहकार दीपक शर्मा, चेयरमैन कटरा मोहन लाल, विनय अबरोल तथा मंगू राम उपस्थित हुए।

तीन दिन में सोशल मीडिया से हटाएं *गन कल्चर* की वीडियो : डीजीपी

चंडीगढ़ (हिंस)। दस वर्षीय बच्चे के खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद चौतरफा फजीहत झेल रही पंजाब पुलिस ने *गन कल्चर* को लेकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है। पंजाब पुलिस के बचाव में आए पुलिस महानिदेशक ने शनिवार को जारी एक संदेश में कहा कि पंजाबवासी तीन दिन के भीतर गन कल्चर से संबंधित वीडियो अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म से हटाएं। डीजीपी ने ट्वीट कर कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर हथियारों के प्रदर्शन से संबंधित किसी भी तरह की फोटो तथा वीडियो आदि कंटेट को 72 घंटे के भीतर हटाया जाए। इसके लिए मुख्यमंत्री द्वारा तीन दिन का समय देने के निर्देश दिए गए हैं। डीजीपी ने कहा कि तय समयावधि के बाद भी अगर यह वीडियो तथा फोटो आदि नहीं हटाए गए तो मामला दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

नेकां के जोनल सचिव बाहू इलाके में जेडीए के अभियान की कड़ी निंदा

जम्मू। नेका के जोनल सचिव डॉ. विकास शर्मा बाहू फोर्ट क्षेत्र में गरीब लोगों की दुकानों को नष्ट करने के लिए अभियान शुरू करने के लिए जम्मू विकास प्राधिकरण की निंदा कर। डॉ. विकास शर्मा जोनल सचिव और समन्वयक जम्मू जिला (शहरी) जेकेएनसी ने बाहू फोर्ट की अपनी यात्र के दौरान उक्त बात कही। अन्य लोगों में डॉ. विकास के साथ बीडी दलोत्र, बलदेव राज नरगोत्र, मनोहर लाल, रोमेश चंदर व अन्य मौजूद थे। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कोरोना महामारी के दौरान पहले से ही इन गरीब लोगों और दुकानदारों को काफी नुकसान हुआ है, जब उनका व्यवसाय बहुत नीचे गिर गया था और अब जेडीए ने उनकी दुकानों को तोड़कर नष्ट कर दिया है, जो एकमात्र स्रोत है कमाई का जो दशकों से उनके परिवार के लिए यहां से आजीविका अर्जित क र रहे हैं। डॉ. विकास ने जम्मू-कश्मीर सरकार को गरीब लोगों को परेशान करने से बाज आने और प्रभावित दुकानदारों को जम्मू विकास प्राधिकरण के हाथों हुए नुकसान के लिए उचित मुआवजा देने की चेतावनी दी।

कई प्रमुख नेता गुलाम नबी आजाद की पार्टी में हुए शामिल

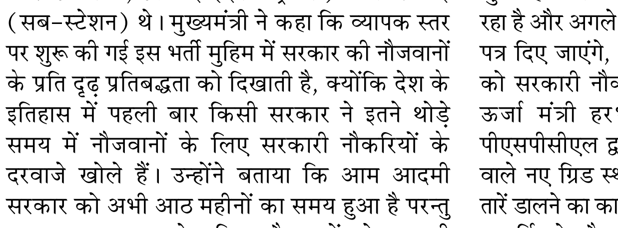

जम्मू। बड़ी संख्या में राजनीतिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों ने गुलाम नबी आजाद पूर्व मुख्यमंत्री और अध्यक्ष डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी से मुलाकात कर कई पार्टी में शामिल हुए और गुलाम नबीआजाद साहब को अपना समर्थन व्यक्त किया और डीएपी को मजबूत करने के लिए काम करने का फैसला किया। पार्टी में शामिल होने वालों में नेशनल कांफ्रेंस के मोहिंदर सिंह चिब जिला अध्यक्ष जम्मू (ग्रामीण), पीडीपी के सुखदेव सिंह जिला अध्यक्ष सांबा, सिकंदर सिंह, राजकुमार, रोहित शर्मा, तरसेम लाल, डीएस बज्जू, करण सिंह, अंकुश गुप्ता, नवीन कुमार, रोमेश चंदर, सुभाष चिब, जगतार सिंह, राजवीर सिंह सहित विभिन्न संगठनों के सैकड़ों युवा नेता रहे। उन्होंने कहा कि हमारा एक ही मकसद रहेगा पार्टी को मजबूत करना और जमीनी स्तर पर अवाम के लिए कार्य करना।

भारतीय सांस्कृतिक विरासत को सहेज कर बनाई नई पहचान

कुरुक्षेत्र (हिंस)। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के पावन पर्व पर ब्रह्मसरोवर का तट देश की सांस्कृतिक विरासत को एक ही जगह पर सहेजने के रूप में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। इस तट पर देश के विभिन्न राज्यों के लोक कलाकार अपने-अपने प्रदेश की लोक संस्कृति की छठा बिखेर रहे है और देश के 23 राज्यों से आए शिल्पकार अपनी कलाओं के जरिए लोगों को आकर्षित करने का कार्य कर रहे है। इस सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होने और पवित्र ग्रंथ गीता की नगरी को देखने के लिए रोजाना काफी संख्या में पर्यटक अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंच रहे है।

जम्मू शिवसेना ने की निजी स्कूलों में फीस वृद्धि समेत कई अन्य मांगें

जम्मू। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई ने सरकार से निजी स्कूलों द्वारा बेतहाशा फीस वसूली जैसी मनमानी पर लगाम लगाने तथा फीस निर्धारण कमेटी के मुखिया का कार्यकाल बढ़ाने की मांग की है। पार्टी प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने आज पार्टी प्रदेश कार्यालय जम्मू में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि फीस निर्धारण कमेटी के गठन के बाद स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर लगाम लगाने, शिक्षा का व्यवसायीकरण रोकने तथा अभिभावकों की शिकायतों पर कार्यवाही एवं राहत समेत कई सराहनीय प्रयास किए जा रहे थे। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन तमाम शिफारिशों के लागू होने से पूर्व ही एफएफआरसी के चेयरमैन सेवानिवृत्त न्यायाधीश एमएच अत्तर का कार्यकाल समाप्त कर दिया गया। साहनी ने कहा कि एमएच अत्तर ने करोना काल के दौरान स्कूलों की मनमानी वसूली रोकने, प्रमोशन चार्जिज वसूली पर लगाम लगाने,

दाखिले के दौरान सिक्योरिटी, रिफंडेबल फंड व अन्य मदों के बहाने से बेतहाशा वसूली पर रोक के निर्देश जारी कर अभिभावकों को राहत पहुंचाने का काम किया था। निजी स्कूलों की मनमानी लूट को रोकने को लेकर अभिभावकों में उम्मीद की एक किरण दिखाई दी थी। मगर इन सुधारों और शिफारिशों पर निजी स्कूलों की पहुंच और रसूख भारी साबित हुए और 13 नवम्बर को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मुजफ्फर हुसैन अत्तर का कार्यकाल समाप्त कर दिया गया। सरकार ने 9 नवंबर, 2020 को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मुजफ्फर हुसैन अत्तर को दो साल की अवधि के लिए एफएफआरसी का अध्यक्ष नियुक्त किया था। साहनी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुजफ्फर हुसैन अत्तर का कार्यकाल को बढ़ाने और फीस निर्धारण कमेटी की तमाम शिफारिशों को सख्ती से लागू करने की मांग की है। इस मौके पर अध्यक्ष कामगार विंग राज सिंह, मीडिया सलाहकार दीपक शर्मा, चेयरमैन कटरा मोहन लाल, विनय अबरोल तथा मंगू राम उपस्थित हुए।

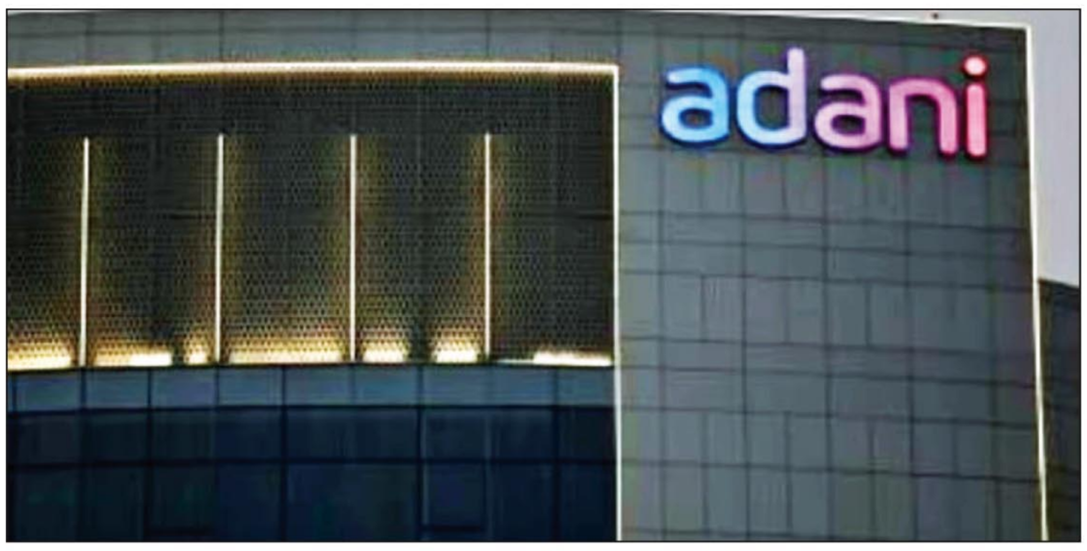

सौदे पर गौतम अदाणी ने कहा, प्रणय रॉय मीडिया हाउस के चेयरमैन बने रहें

नई दिल्ली ।

भारत और एशिया के सबसे अमीर शख्स गौतम अदाणी देश के प्रमुख मीडिया संस्थान एनडीटीवी का सर्वेसर्वा बनने के करीब पहुंच गए हैं। फिलहाल उनके पास मीडिया संस्थान की 29.18 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके अलावे और 26 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए अदाणी ग्रुप खुली पेशकश लेकर आई है। अदाणी मूह ने हाल ही में घोषणा की है कि एनडीटीवी के सार्वजनिक शेयरों का अतिरिक्त 26प्रतिशत खरीदने के लिए उसकी खुली पेशकश 22 नवंबर से 5 दिसंबर तक उपलब्ध रहेगी। एनडीटीवी के प्रमोटर प्रणय रॉय और उनकी पत्नी राधिका रॉय हैं। उनके पास करीब कंपनी की 32 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी है। इस बीच मीडिया से एक बातचीत में अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने कहा है कि एनडीटीवी का अधिग्रहण उनके लिए महज बिजनेस नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी है। अदाणी ने कहा है कि आजादी का मतलब है कि अगर सरकार ने कुछ गलत किया है तो आप कहें कि यह गलत है। इसके साथ ही सरकार अगर कुछ अच्छा कर रही है तो आपके पास उसे अच्छा कहने का भी साहस होना चाहिए। इस दौरान अदाणी ने यह भी कहा है कि उन्होंने एनडीटीवी के फाउंडर प्रणय रॉय को अधिग्रहण पूरा होने के बाद भी चेयरमैन बने रहने का ऑफर दिया है। एनडीटीवी की स्थापना वर्ष 1988 में की गई थी। वर्ष 2005 में निजी इक्विटी फर्म जेनरल अटलांटिक ने कंपनी में आठ फीसदी की हिस्सेदारी 116 करोड़ रुपये में खरीदी थी। इस साल अगस्त में, अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सहायक कंपनी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड ने विश्वप्रधान कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड (वीसीपीएल) को खरीदा, जिसने 2009 और 2010 में एनडीटीवी के बिजनेस प्रमोटर आरआरपीआर होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड को 403.85 करोड़ रुपये उधार दिए थे। इस कंपनी के प्रमोटर्स राधिका रॉय और प्रणय रॉय थे। आरआरपीआर होल्डिंग के मालिक अदाणी ग्रुप ने इस तरह एनडीटीवी में 29.18 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की। 113.75 करोड़ रुपये में वीसीपीएल के अधिग्रहण के बाद, अदानी अदाणी ने एनडीटीवी में अन्य 26प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए एक खुली पेशकश की घोषणा की है।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई व दिल्ली की तुलना में बंगाल में चीन का निवेश कम, चीन के दूत ने किया दावा

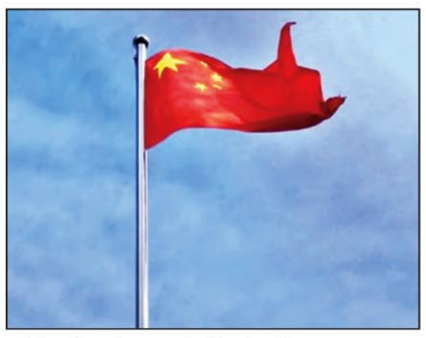

नई दिल्ली । कोलकाता में चीन के वाणिज्य दूत झा लियू ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्र, दिल्ली और गुजरात की तुलना में चीन का निवेश कम है। लियू ने शुक्रवार को कहा कि वह राज्य में चीनी निवेश बढ़ाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि चीन की सबसे बड़ी बिजली उत्पादन उपकरण निर्माण कंपनी 'डोंगफैंग इलेक्ट्रिक' ने कोलकाता के बाहरी इलाके न्यूटाउन क्षेत्र में अपना कार्यालय स्थापित किया है, जबकि एक अन्य इकाई, 'न्यू होप' और ऑटोमोटिव कंपनी 'एसएआईसी' भी यहां मौजूद हैं। लियू ने 'भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स' की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''मुंबई, दिल्ली या गुजरात की तुलना में पश्चिम बंगाल में चीन का निवेश बहुत कम है। उन्होंने कहा, ''यहां कंपनियां उत्पादन बढ़ाना चाहती हैं, लेकिन अपने वीजा की अवधि नहीं बढ़ा पाने के बाद वे ऐसा नहीं कर पा रही हैं। इसलिए मैं इस तरह की बातचीत पर जोर देना चाहता हूं। उल्लेखनीय है कि भारत-चीन द्विपक्षीय व्यापार ने 2021 में 125 अरब डालर से अधिक के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छुआ और यह ऐसे समय में हुआ जब पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच लंबे समय से जारी गतिरोध के कारण दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा हो गया था। भारत में बढ़ते चीनी आयात की पृष्ठभूमि में, पश्चिम बंगाल के पूर्व वित्त मंत्री अमित मित्रा ने पड़ोसी देश के साथ व्यापार पर केंद्र की निर्भरता को लेकर गुरुवार को कटाक्ष किया था। वर्तमान में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रधान मुख्य सलाहकार मित्रा ने पूर्वानुमान जताया कि चीन से आयात पर भारत की निर्भरता 2014 की तुलना में दोगुनी हो जाएगी।

ईडी ने अर्चना नाग की पूर्व सहयोगी से दूसरी बार की पूछताछ, जबरन वसूली का है मामला

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय ने ओडिशा में कथित जबरन वसूली और ब्लैकमेलिंग (सेक्सटॉर्सन) मामले में मुख्य आरोपी अर्चना नाग की पूर्व सहयोगी श्रद्धांजलि से दूसरी बार पूछताछ की है। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि उड़िया फिल्म निर्माता अक्षय परीजा से जबरन वसूली के सिलसिले में शुक्रवार को श्रद्धांजलि से करीब 12 घंटे तक पूछताछ की गई। केंद्रीय जांच एजेंसी ने उनके ड्राइवर चंदन से भी पूछताछ की थी। बता दें कि ईडी ने इस मामले में दूसरी बार श्रद्धांजलि से पूछताछ की है। उनसे पहली बार 23 नवंबर को पूछताछ की गई थी। परीजा ने अक्टूबर में यहां नयापल्ली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी और आरोप लगाया था कि नाग और श्रद्धांजलि ने अक्तूबर में उससे तीन करोड़ रुपये की मांग की थी और नहीं देने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

पेटीएम के ऑनलाइन मर्चेंट्स जोड़ने पर रोक

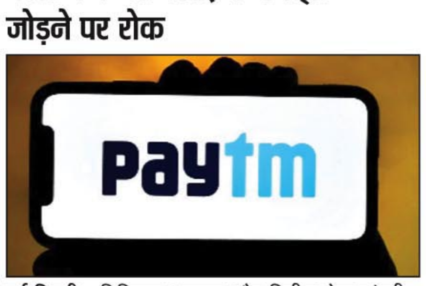

नई दिल्ली । डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने अपनी सेवाओं से जुड़ा एक अपडेट साझा किया है। फिनटेक कंपनी ने कहा कि उसे ऑनलाइन व्यापारियों के लिए भुगतान एग्रीगेटर सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राधिकरण के पास फिर से आवेदन करना होगा। इस संबंध में उसे भारतीय रिजर्व बैंक से एक पत्र प्राप्त हुआ है। पेटीएम ने यह बात रिजर्व बैंक की ओर से पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज के तहत ऑनलाइन मर्चेंट्स को अपने प्लेटफार्म से जोड़ने पर रोक लगाने के बाद कही गई है। कंपनी ने कहा है कि वह अब भुगतान एग्रीगेटर सेवाओं के लिए 120 कैलेंडर दिनों के भीतर आवेदन फिर से जमा करेगी। बता दें कि पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन75 कम्यूनिकेशंस ने भारतीय रिजर्व बैंक को दिसंबर 2020 में एक आवेदन दिया था। आवेदन में पेमेंट एग्रीगेटर सेवाओं के व्यवसाय को पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव दिया गया था। हालांकि, आरबीआई ने उस आवेदन को खारिज कर दिया था। उसके बाद कंपनी ने सितंबर 2021 में जरूरी दस्तावेज दोबारा जमा करवाए थे।

ट्विटर पर बैन हटने के बाद भी ट्रंप ने नहीं किया एक भी ट्वीट, मस्क करेंगे डेसैंटिस का समर्थन

वाशिंगटन ।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट से बैन हटे करीब एक सप्ताह हो रहा है। इसके बाद भी ट्रंप ने ट्विटर पर एक भी ट्वीट नहीं किया है। इसको लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। हालांकि, ट्विटर चीफ एलन मस्क का कहना है कि उन्हें इस बात से कोई समस्या नहीं है कि पूर्व राष्ट्रपति मस्क ने एक भी ट्वीट नहीं किया है। उधर, मस्क ने स्पष्ट किया है कि 2024 के अमेरिकी चुनाव में वे फ्लोरिडा के रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डेसैंटिस का समर्थन करेंगे, यदि वह चुनाव लड़ेंगे। दरअसल, लेखक टिम यंग ने ट्विटर पर एलन मस्क को टैग करते हुए एक पोस्ट किया।

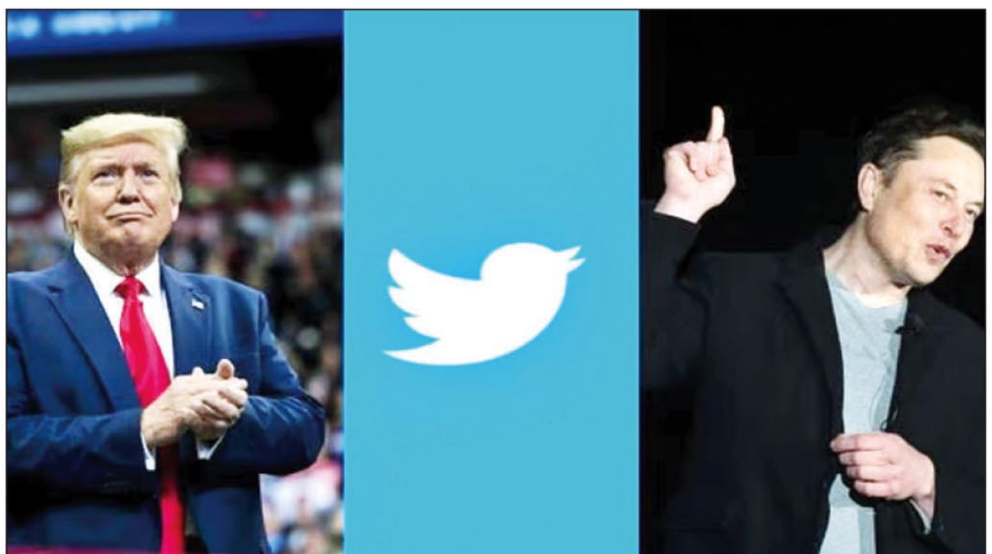

उन्होंने लिखा, एलन मस्क ट्रंप को ट्विटर पर वापस लाए एक सप्ताह हो गया है, और उन्होंने एक भी ट्वीट नहीं किया है। वामपंथी इसे संभाल नहीं सकते।

ट्विटर ने बड़ी गलती को सुधारा

टिम यंग के सवाल के जवाब में मस्क ने कहा, ट्रंप के ट्वीट न करने से उन्हें कोई समस्या नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नियमों के उल्लंघन के बावजूद ट्विटर ने एक बड़ी गलती को सुधार लिया है। उन्होंने कहा, एक मौजूदा राष्ट्रपति का खाता बैन करने से आधे अमेरिका का विश्वास ट्विटर पर कम हो गया। इसके बाद उन्होंने ट्विटर पर जो बाइडन को लेकर अपनी राय रखी। ट्रंप ने कहा, कहा, 2020 के राष्ट्रपति चुनावों में ट्रम्प की जगह उन्होंने जो बाइडन को वोट दिया था। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति पद के लिए ओबामा और बाइडन का समर्थक था। इसलिए ट्रंप के बजाय मैंने बाइडन को वोट दिया।

22 महीने बाद हटा था बैन

बता दें, अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के बाद कैपिटल हिल पर भड़की हिंसा भड़क गई थी। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट को बैन कर दिया गया था। हालांकि, एक सप्ताह पहले एलन मस्क ने उनके खाते को बहाल करने के लिए एक पोल का सहारा लिया, जिसमें ट्रंप के खाते को बहाल करने के पक्ष में करीब 51 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। इसके बाद ट्विटर ने ट्रंप के खाते पर से बैन हटा लिया था।

राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप का नहीं, डेसैंटिस का करेंगे समर्थन

एलन मस्क ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति चुनाव 2024 में वे डोनाल्ड ट्रंप का नहीं बल्कि फ्लोरिड के रिपब्लिक गर्वनर रॉन डेसैंटिस का समर्थन करेंगे। एक ट्विटर यूजर ने उनसे इस बारे में सवाल पूछा था। जवाब में मस्क ने कहा कि यदि डेसैंटिस 2024 के अमेरिकी चुनाव में राष्ट्रपति पद के लिए खड़े होंगे तो वे उनका समर्थन करेंगे। ट्रंप ने पिछले हफ्ते चुनाव में अपनी दावेदारी का एलान किया है।

190 लाख करोड़ रुपये के पार हो सकता है बैंक जमा, आने वाले समय में इस पर बढ़ेगा ब्याज

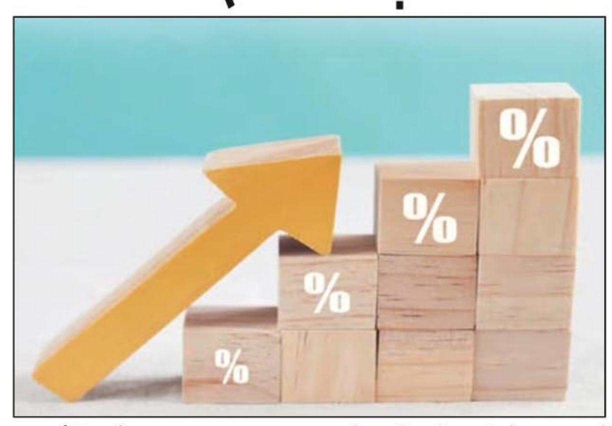

नई दिल्ली।

बैंकों में एक साल में जमा की रकम 190 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच सकती है। बैंकिंग सूत्रों के मुताबिक, उधारी की मांग को पूरा करने के लिए बैंकों के पास सबसे आसान तरीका एफडी पर ब्याज बढ़ाना है। अभी जमा की वृद्धि दर 9.5प्रतिशत है, वहीं कर्ज में 17प्रतिशत बढ़त है। जमा के अनुपात में कर्ज का उठाव दोगुना है।

यस सिक्योरिटीज के अमर अंबानी ने कहा कि बैंकों को जमा पर ब्याज बढ़ाना ही होगा। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 4 नवंबर के पखवाड़े में बैंकों के पास 173.70 लाख करोड़ जमा था। एक साल पहले यह 160.46 लाख करोड़ था।

पिछले साल नवंबर से इस साल मई तक जमा पर ब्याज दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई बावजूद इसके जमा में 13 लाख करोड़ की बढ़त दिखी। इस साल मई से आरबीआई द्वारा रेपो दर में 1.90 फीसदी की वृद्धि के बाद जमा पर ब्याज दरें जमकर बढ़ीं हैं। अब एफडी पर 8 फीसदी तक ब्याज मिल रहा है।

आईसीआईसीआई बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री समीर नारंग ने कहा, कर्ज में ज्यादा वृद्धि इसलिए हैं क्योंकि आवास, कृषि, वाहन और अन्य क्षेत्रों से मांग आ रही है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 और 2024 में कर्ज की रफ्तार 15प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। 2024 में बैंकों का कर्ज 164 लाख करोड़ हो सकता है।

बैंकों ने बांटे हैं 129.26 लाख करोड़ रुपये के कर्ज - बैंकों का कर्ज 110.40 लाख करोड़ से बढ़कर 129.26 लाख करोड़ रुपये हो गया है। जमा की तुलना में इसमें 6 लाख करोड़ बढ़त हुई है। पिछले साल जब होम लोन की ब्याज दरें निचले स्तर 6.35प्रतिशत पर थीं, तब कर्ज में केवल 5.5प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। लेकिन कर्ज पर ब्याज 9प्रतिशत के ऊपर है तो इसमें वृद्धि 17प्रतिशत की है।

भारी भरकम कर्ज की मांग पूरा करने के लिए जमा पर ज्यादा ब्याज देना ही होगा। 21 अक्तूबर के हफ्ते में जमा 172.03 लाख करोड़ रुपये पर था। सितंबर, 2020 से देखें तो इसमें 30 लाख करोड़ की बढ़त आई है। उस समय जमा 142.63 लाख करोड़ था।

कर्ज की मांग पूरा करने के लिए बॉन्ड से रकम जुटाएंगे बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया समेत कई बैंक हैं शामिल

मुंबई।

अगले कुछ हफ्तों में बैंक बॉन्ड के जरिए फंड जुटाने के लिए तैयार हैं, ताकि यील्ड में गिरावट का फायदा उठाया जा सके। साथ ही कर्ज मांग में तेजी के बीच पूंजी की जरूरतों को पूरा किया जा सके। बैंक ऑफ इंडिया टियर-1 बॉन्ड से इस माह के अंत तक 15 अरब रुपये जुटाने की योजना बना रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने टियर- 2 बॉन्ड के माध्यम से 22 अरब रुपये तक जुटाने की योजना बनाई है। जम्मू और कश्मीर बैंक भी टियर- 2 बॉन्ड से 15 अरब रुपये जुटाने की तैयारी में है। बढ़ती क्रेडिट मांग को पूरा करने के लिए बैंक बॉन्ड के रूप में अतिरिक्त पूंजी जुटा रहे हैं ताकि उनकी बैलेंस शीट का आकार बढ़ाया जा सके।

कोटक भी लाइन में - कोटक महिंद्रा बैंक की 7 साल के इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड के जरिए 15 अरब रुपये जुटाने की योजना है। एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड से 100 अरब जुटाने पर भी विचार कर रहा है। विश्लेषकों ने कहा, इस तरह के बॉन्ड में निवेश करने और पिछले कुछ वर्षों में ब्याज दरों की तुलना में ज्यादा कमाई का अवसर है।

ब्याज दरों की वृद्धि कम कर सकता है आरबीआई - लंबे समय के निवेशक, जो राज्य की संस्थाओं द्वारा जारी किए गए शीर्ष रेटेड कॉर्पोरेट बॉन्ड की तलाश में हैं, वे

लंबी अवधि के बॉन्ड में फिर से निवेश करने के इच्छुक हैं। अमेरिका और भारत में अक्तूबर की खुदरा महंगाई में कमी के बाद उधार लेने की लागत में गिरावट के कारण कई गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) और राज्यों की कंपनियों सहित कॉर्पोरेट पहले से ही कर्ज लेने की कतार में हैं। महंगाई के आंकड़ों से आरबीआई ब्याज दरों की वृद्धि कम कर सकता है।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के केंद्रीय बैंक लेनदेन लागत को कम करने के उद्देश्य से रुपये और दिरहम में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चर्चा कर रहे हैं। यूएई में भारत के राजदूत संजय सुधीर ने कहा कि स्थानीय मुद्राओं में कारोबार के लिए चर्चा पत्र भारत द्वारा साझा किया गया था।

2 दिन में अमेजन का दूसरा बड़ा फैसला: ऐडटेक के बाद अब इंडिया में अपना फूड डिलीवरी बिजनेस बंद करेगी कंपनी, 29 दिसंबर से नहीं मिलेगी सर्विस

नई दिल्ली।

दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने इंडिया में ऐडटेक बिजनेस के बाद अब अपने फूड डिलीवरी बिजनेस को भी बंद करने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेजन ने अपने रेस्टोरेंट्स पार्टनर्स से कहा है कि वो 29 दिसंबर से अपनी फूड डिलीवरी सर्विस को बंद कर देगा। अमेजन ने फूड डिलीवरी बिजनेस को मई 2020 में शुरू किया था।

मेल कर रेस्टोरेंट्स पार्टनर्स को दी जानकारी

अमेजन ने अपने रेस्टोरेंट्स पार्टनर्स को मेल कर इस बात की जानकारी दी। इस मेल में अमेजन ने कहा, इस फैसले का मतलब है कि इस तारीख के बाद अब आपको अमेजन फूड के जरिए ग्राहकों से ऑर्डर नहीं मिलेंगे। हालांकि, आपको आखिरी तारीख से पहले तक ऑर्डर मिलते रहेंगे और हम उम्मीद करते हैं कि आप उन ऑर्डर्स को पूरा करते रहेंगे। अमेजन ने अपने रेस्टोरेंट्स पार्टनर्स से वादा किया है कि वो उनके पेमेंट्स और दूसरे कॉन्ट्रेक्चुअल ऑब्लिगेशंस को समय पर पूरा कर देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि रेस्टोरेंट्स के पास अमेजन के सभी टूल्स और रिपोर्ट्स का एक्सेस 31 जनवरी 2023 तक होगा। कंपनी किसी भी कंप्लायंस रिलेटेड इश्यू के लिए आने वाले साल के 31 मार्च तक सपोर्ट भी प्रोवाइड करेगी। इस बीच देश में अपने दूसरे ऑपरेशंस को लेकर कंपनी ने कहा, हम इंडियन मार्केट के लिए कमिटेड हैं। आगे भी हम ग्रॉसरी, स्मार्टफोन एंड कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन एंड ब्यूटी और अमेजन बिजनेस जैसे ऑफरिंग्स में भी इन्वेस्टमेंट करना जारी रखेंगे।

इरडाई ने बीमा कारोबार में कई नियमों को दी मंजूरी, 2047 तक सभी को इंश्योरेंस देने का लक्ष्य

नई दिल्ली।

भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडाई) ने शुक्रवार को कई सुधारों को मंजूरी दे दी है। इसमें नई कंपनियों के लिए प्रवेश नियमों को आसान बनाया है। साथ ही सॉल्वेंसी मार्जिन भी कम कर दिया गया है। इससे बीमा कंपनियां 3,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त उपयोग कर सकेंगी। नए निर्णय का उद्देश्य बीमा की पैठ बढ़ाना और '2047 तक सभी के लिए बीमा' को सक्षम बनाना है। इरडाई ने अपनी बोर्ड बैठक में निजी इक्विटी (पीई) फंड को बीमा कंपनियों में सीधे निवेश करने की अनुमति देने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। नियामक ने सब्सिडियरी कंपनियों को बीमा कंपनियों का प्रवर्तक बनने की मंजूरी दी है। एक बयान के अनुसार, एक कंपनी जो चुकता पूंजी का 25प्रतिशत तक और सामूहिक रूप से सभी निवेशकों के लिए 50प्रतिशत का निवेश करती है, उसे बीमा कंपनियों में 'निवेशक' माना जाएगा। इससे अधिक के निवेश को केवल 'प्रवर्तक' माना

जाएगा। पहले यह सीमा व्यक्तिगत निवेशकों के लिए 10प्रतिशत और सामूहिक रूप से सभी निवेशकों के लिए 25प्रतिशत थी। इरडाई ने कहा कि प्रमोटरों को अपनी हिस्सेदारी को 26प्रतिशत तक कम करने की अनुमति देने के लिए नया प्रावधान पेश किया गया है। बशर्ते कि कंपनी के पास पिछले 5 वर्षों के लिए संतोषजनक सॉल्वेंसी रिकॉर्ड हो और वह सूचीबद्ध हो। इरडाई ने कहा, भारतीय बीमा कंपनियों के पंजीकरण से संबंधित नियमों में संशोधन का उद्देश्य व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना है। पॉलिसीधारकों को व्यापक विकल्प और बीमा तक पहुंच बनाने में सक्षम बनाने के लिए कॉरपोरेट एजेंटों (सीए) और बीमा वितरण फर्मों (आईएमएफ) के लिए टाई-अप की अधिकतम संख्या बढ़ा दी गई है। अब, एक सीए 9 बीमा कंपनियों (पहले 3 बीमाकर्ता) के साथ गठजोड़ कर सकता है। एक आईएमएफ अपने बीमा उत्पादों के वितरण के लिए लाइफ, जनरल और हेल्थ के प्रत्येक कारोबार में 6 बीमाकर्ताओं (पहले के 2 बीमाकर्ता) के साथ गठजोड़ कर सकता है। जनरल बीमा कंपनियों को फसल बीमा से संबंधित सॉल्वेंसी कारक को 0.70 से घटाकर 0.50 कर दिया गया है। इससे बीमा कंपनियों के लिए लगभग 1,460 करोड़ रुपये की पूंजी मिल जाएगी। लाइफ बीमा कंपनियों के मामले में, यूनिट लिंक्ड बिजनेस (बिना गारंटी के) के लिए सॉल्वेंसी की गणना के कारकों को 0.80प्रतिशत से घटाकर 0.60प्रतिशत व प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के लिए 0.10प्रतिशत से 0.05प्रतिशत कर दिया गया है।

इससे पूंजीगत जरूरतों में करीब 2,000 करोड़ रुपये की छूट मिलेगी। बीमा जानकारों ने कहा, ये बहुत ही बेहतर सुधार हैं जो कारोबार की सुगमता बढ़ाएंगे। इससे ग्राहक केंद्रित उत्पादों को प्रोत्साहित करेंगे और निवेश के लिए क्षेत्र को आकर्षक बनाएंगे। नियामक ने एक ही झटके में उद्योग के कई लंबित मुद्दों का समाधान निकालने की कोशिश की है।

नागा चैतन्य का फर्स्ट लुक पोस्टर किया साझा

- कस्टडी में क्रूर अवतार में दिखेंगे चैतन्य

हैदराबाद (ईएमएस)। अभिनेता अक्किनेनी नागा चैतन्य अगली फिल्म का निमार्ताओं ने दिलचस्प शीर्षक कस्टडी को लॉक कर दिया है। इस फिल्म में एक क्रूर अवतार में नागा चैतन्य का फर्स्ट लुक पोस्टर साझा किया है। प्रमुख फिल्म निमार्ता वेंकट प्रभु के निर्देशन में अक्किनेनी नागा चैतन्य की तेलुगु-तमिल द्विभाषी परियोजना की शूटिंग कुछ महीने पहले शुरू हुई थी। पोस्टर इंगित करता है कि नागा चैतन्य एक ईमानदार और द्रढ़निश्चयी पुलिस अधिकारी ए. शिव है जो सभी बाधाओं के खिलाफ खड़ा है और वह बदलाव लाना चाहता है जिसे वह देखना चाहता है। फिल्म निमार्ता वेंकट प्रभु ने चाई को एक बिल्कुल नए अवतार में पेश किया जो प्रभावशाली और रोमांचक दोनों है। उन्हें अपनी हर फिल्म को एक अलग टैगलाइन देने के लिए भी जाना जाता है। कस्टडी के लिए टैगलाइन यू मस्ट बी द चेंज यू विश टू सी इन द वर्ल्ड है। फिल्म के कलाकारों की टुकड़ी और तकनीकी टीम फिलहाल फिल्मांकन में व्यस्त है। अरविंद स्वामी प्रतिपक्षी की भूमिका निभा रहे हैं जबकि प्रियामणि एक शक्तिशाली भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में संपत राज सरथकुमार प्रेमजी वेनेला किशोर प्रेमी विश्वनाथ सहित अन्य कलाकार भी हैं। महान पिता-पुत्र की जोड़ी उस्ताद इसैग्नानी इलैया-राजा और लिटिल उस्ताद युवान शंकर राजा इस फिल्म के गीतों को ट्यून करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पवन कुमार इस महत्वाकांक्षी परियोजना को पेश करेंगे। अब्बूरी रवि संवाद लिख रहे हैं जबकि एस.आर. काथिर छायांकन संभाल रहे हैं। बता दें कि नागा चैतन्य अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं ऐसे में उनकी वर्तमान फिल्म एनसी 22 के निमार्ताओं ने प्रशंसकों के लिए एक विशेष सरप्राइज पेश किया है। कस्टडी नागा चैतन्य के करियर की सबसे महंगी फिल्मों में से एक है। श्रीनिवास चित्तूरी श्रीनिवास सिल्वर स्क्रीन बैनर तले फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

सिद्धार्थ को मिल रही काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया

-दृश्यम 2 में अपने किरदार को लेकर एक्टर ने किया खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म दृश्यम 2 में डेविड की महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सिद्धार्थ बोडके को काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रारंभ में डेविड वह भूमिका में नहीं थे जिसके लिए उन्हें चुना गया था। बालीवुड एक्टर अजय देवगन और तब्बू अभिनीत इस फिल्म के बारे में अभिनेता ने खुद बात की है। दृश्यम 2 को दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया पर उन्होंने कहा मैं बहुत खुश और भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं कि मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही।यह फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक के आग्रह पर था कि उन्होंने डेविड की भूमिका के लिए ऑडिशन दिया और नियति के अनुसार उन्होंने ऑडिशन में शानदार प्रदर्शन किया और भूमिका हासिल की। इस बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने आईएएनएस को बताया मुझे विक्की सिडाना की कास्टिंग एजेंसी से फोन आया और फिल्म में एक और भूमिका के लिए ऑडिशन दिया। मुझे उसके लिए चुना भी गया। बाद में निर्देशक अभिषेक पाठक ने मुझे डेविड के किरदार के लिए ऑडिशन देने के लिए कहा और इस तरह मुझे भूमिका मिली। मुझे कहना होगा कि मुझे इसे निभाना बहुत पसंद था क्योंकि यह चुनौतीपूर्ण था। अभिनेता जो वर्तमान में लोकप्रिय टीवी शो गुम है किसी के प्यार में में नजर आ रहे हैं ने आगे बताया कि उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के लिए कैसे तैयारी की। फिल्म में अपनी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा यह एक गोवा कैथोलिक चरित्र है। मैंने गोवा में कुछ स्थानीय लोगों से उनकी बोली समझने के लिए बात की।

बाद में मैंने निर्देशक से चरित्र की आवाज को थोड़ा बदलने के लिए कहा यह आवश्यक था क्योंकि मेरा किरदार पहले एक ड्रग डीलर का था। मैंने डेविड की कुछ बारीकियों को खोजने की भी कोशिश की। जब मैं पहली बार निर्देशक से मिला तो उन्होंने मुझे कुछ वजन बढ़ाने के लिए कहा इसलिए मैंने भूमिका के लिए लगभग 4-5 किलो वजन बढ़ाया और मेरी मोटी दाढ़ी ने मेरे लुक को सपोर्ट किया। फिल्म की शरूआत सिद्धार्थ से होती है और क्लाइमेक्स में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। निर्देशक ने उन्हें कैसे बताया इस बारे में उन्होंने कहा अभिषेक ने शूटिंग से पहले मुझे सब कुछ बताया था और हम गोवा जाने से पहले उनके कार्यालय में मिले थे। उन्होंने पूरे ग्राफ को समझाया और जब हम सेट पर थे तो हम पहले ग्राफ पर चर्चा करते थे। आगे अपने निर्देशक की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा अभिषेक बहुत मदद करते थे और यहां तक कि अगर मैं एक और टेक करना चाहता था तो उन्होंने मुझे इसे करने की अनुमति दी क्योंकि आंखों से सूक्ष्म तरीके से व्यक्त करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। मैं खुश हूं कि मेरा किरदार अच्छा रहा और लोगों ने इसे पसंद किया। सिद्धार्थ ने सेट पर और बाहर अजय देवगन के साथ अपने समीकरण भी साझा किए। उन्होंने कहा उनके साथ काम करना अद्भुत था। वो स्टार हैं ऐसा क्यों है यह आपको तब पता चलेगा जब आप उनके साथ काम करेंगे। जिस तरह से वह सेट पर अपना पेशेवर अंदाज रखते हैं वह काबिले तारीफ है।

हिट : द सेकेंड केसः ट्रेलर याद दिलाता है श्रद्धा हत्याकांड की

-ट्रेलर में दिखी सच्ची अपराधिक घटना की कहानी

मुंबई (ईएमएस)। साउथ के अभिनेता आदिवी शेष अभिनीत फिल्म हिटः द सेकेंड केस का ट्रेलर श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद दिलाता है। इस फिल्म के ट्रेलर में श्रद्धा नाम का उल्लेख है जो कि कहानी से लोगों को जोड़ता है। कहानी एक साल पहले लिखी गई थी और एक सप्ताह के भीतर इस तरह की भीषण वास्तविक जीवन त्रासदी के बाद फिल्म रिलीज हो रही है। फिल्म में मुख्य भूमिका में मीनाक्षी चौधरी हैं जबकि राव रमेश श्रीकांत मगंती कोमली प्रसाद मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। प्रशांति तिपिरनेनी फिल्म का निर्माण कर रही हैं जबकि नेचुरल स्टार नानी प्रस्तुतकर्ता हैं। हिट 2 डॉ. सैलेश कोलानू के हिट वर्स की दूसरी किस्त है। सैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित फिल्म 2 दिसंबर 2022 को स्क्रीन पर आने के लिए पूरी तरह तैयार है। निमार्ताओं ने रोमांचक ट्रेलर के साथ फिल्म प्रेमियों को खुश कर दिया। ट्रेलर एक शांत पुलिस वाले कृष्ण देव (केडी) की यात्रा की एक झलक देता है जिसका सामना एक भयानक मामले से होता है। ट्रेलर में केडी अपराधियों को पक्षी-दिमाग के रूप में मजाक उड़ाता है और फिर वह खुद को एक भीषण हत्या को हल करते हुए पाता है जिसने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। केडी का जीवन प्यार नौकरी और बाकी सब कुछ इसमें आपस में जुड़ा हुआ है। क्या केडी मामले को हल करने में सक्षम होगा? क्या वह इस जघन्य अपराध के असली अपराधी को ट्रैक कर पाएगा? आदिवी शेष ने मेजर के साथ अपनी हिंदी फिल्म की शुरूआत की थी। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित और बॉक्स ऑफिस पर सफलता का स्वाद चखने के अलावा फिल्म को 53वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव द्वारा हिंदी भाषा की फिल्म के रूप में चुना गया। नेटिजेंस के अनुरोधों के जवाब में हिट2ः द सेकेंड केस के निमार्ता दिसंबर के अंत तक हिंदी संस्करण के लिए रिलीज पर विचार कर रहे हैं।

फिट रहने में विश्वास करती हैं खुशबू अत्रे

बॉलीवुड अभिनेत्री खुशबू अत्रे कहती हैं अभिनेत्रियों के रूप में हमारे पास काम पर लंबे कार्यक्रम और व्यस्त दिन होते हैं और एक खेल खेलना भी एक बेहद प्रभावी तनाव-बस्टर है। स्कूल के समय से ही उनका खेलों की ओर रुझान रहा है। वह अपने कॉलेज की किकेट टीम की कप्तान भी थीं। फिटनेस के महत्व और इसे बनाए रखने में खेलों की भूमिका के बारे में वह कहती हैं फिटनेस एक स्वस्थ जीवन शैली का एक महत्वपूर्ण घटक है जैसा कि हम सभी जानते हैं। मैं खेलों को स्वस्थ जीवन जीने के तरीके के रूप में देखती हूं और फिट रहने में विश्वास करती हूं। यह है आत्म-नियंत्रण विश्राम और मानसिक शांति की यात्रा। खुशबू ने क्रिमिनल जस्टिस सीजन 2 राजी इललीगल शमिताभ और वोदका डायरीज जैसी फिल्मों और सीरीज में काम किया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने कैप्सूल गिल की शूटिंग खत्म की है और दूसरी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। परिणीति चोपड़ा और अक्षय कुमार के साथ फिल्म कैप्सूल गिल में नजर आने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री खुशबू अत्रे ने खेल के प्रति अपने प्यार और फिट और स्वस्थ रहने में उनकी भूमिका के बारे में बात की।

हमारी क्षेत्रीय भाषा के शब्द कभी विलुप्त न हों : प्रसून जोशी

-गोवा में चल रहे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में कहा

मुंबई (ईएमएस)। जाने-माने कवि और गीतकार प्रसून जोशी का कहना है कि हमारी क्षेत्रीय भाषा के शब्द कभी विलुप्त न हों। हमारी परवरिश और संस्कृति का हमारे लेखन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। मैं अपने अधिकांश शब्द और रूपक हमारी क्षेत्रीय भाषा और संस्कृति से उधार लेता हूं। हमारी क्षेत्रीय भाषा के शब्द कभी विलुप्त न हों। जोशी ने कहा कि पालन-पोषण और संस्कृति का उनके लेखन पर गहरा प्रभाव पड़ता है जिसके कारण वे अधिकांश शब्द और रूपक क्षेत्रीय भाषा और संस्कृति से उधार लेते हैं। गोवा में चल रहे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में आर्ट एंड क्राफ्ट ऑफ लिरिक्स राइटिंग पर इंटरैक्टिव सत्र को संबोधित कर रहे थे। अपने लेखन के सार के बारे में बोलते हुए प्रसून ने कहा कि उनके अधिकांश शब्द उनकी अपनी मिट्टी और संस्कृति से निकले हैं। उन्होंने कहा कि एक गीतकार और संगीतकार के बीच हमेशा सहजीवी संबंध होता है और दोनों को हमेशा एक दूसरे का पूरक होना चाहिए। आगे अपनी बात समझाते हुए प्रसून ने आज के अश्लील गीतों पर विचार करते हुए कहा कि बाजार की फिलॉस्फी के मुताबिक अगर कोई चीज बिकती नहीं है तो बनती नहीं है। पाठकों और दर्शकों को रचनाकारों की तरह समान रूप से जिम्मेदार होना चाहिए। उन्होंने कहा प्रामाणिकता एक गीतकार की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है। आपके जैसा कोई नहीं है। आप अद्वितीय हैं। एक गीतकार को हमेशा अपने शब्दों का उपयोग करते हुए अपनी शैली में लिखने का प्रयास करना चाहिए। एक गीतकार के रूप में जोशी ने फिल्म तारे जमीन पर (2007) और चटगांव (2012) में काम किया और सर्वश्रेष्ठ गीत के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। बता दें कि प्रसून जोशी एक प्रसिद्ध कवि लेखक गीतकार पटकथा लेखक और संचार विशेषज्ञ हैं जिनके हिंदी सिनेमा में काम ने उन्हें आलोचकों और लोकप्रिय प्रशंसा दोनों से नवाजा है।

अतुल अग्निहोत्री की बेटी शुरू कर रही फिल्मी सफर

बालीवुड अभिनेता अतुल अग्निहोत्री की बेटी अलिजेह अग्निहोत्री अपना फिल्मी सफर शुरू करने जा रही है। अलिजेह फिल्म निमार्ता सौमेंद्र पाधी की अगली फिल्म के साथ अपनी शरूआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सौमेंद्र को मनोज बाजपेयी स्टारर बुधिया सिंहः बोर्न टू रन के निर्देशन के लिए जाना जाता है जिसने 2016 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ बाल फिल्म का पुरस्कार जीता था। सौमेंद्र को नेटफ्लिक्स सीरीज जामतारा के निर्देशन के लिए भी जाना जाता है। अतुल को सर आतिश क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने 2004 में सलमान और प्रीति जिंटा अभिनीत फिल्म दिल ने जिसे अपना कहा और 2008 में सोहेल खान अभिनीत फिल्म हैलो का भी निर्देशन किया है। इसके अतिरिक्त वे सलमान खान को लेकर बॉडीगार्ड भारत और राधे सरीखी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। अलिजेह अग्निहोत्री की पहली फिल्म जिसका अभी तक कोई शीर्षक नहीं है 2023 में रिलीज होने वाली है।गौरतलब है कि जामतारा का दूसरा सीजन हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग के लिए शुरू हुआ है। अलिजेह अग्निहोत्री 90 के दशक के लोकप्रिय अभिनेता अतुल अग्निहोत्री और सलमान खान की बहन अलवीरा खान अग्निहोत्री की बेटी हैं।

गाना फीवर ऑफ लव में नजर आई मोनिका डोगरा

नेक्सा म्यूजिक के आगामी सीजन का दूसरा गाना फीवर ऑफ लव में मोनिका डोगरा नजर आने वाली हैं। मोनिका अमेरिकी-भारतीय संगीतकार और अभिनेत्री भी है। इस गाने के लिए ग्रैमी और ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान ने संगीत दिया है। इस गाने को मिकी मैक्लेरी ने सिंथ-पॉप जॉनर में कंपोज किया है और इसमें शानदार लिरिक्स आकर्षक म्यूजिक है और इसमें फ्री-स्पिरिट वाइब है। संगीत वीडियो में दिखाया गया है कि मोनिका एक पार्टी में जाती है और दिल खोलकर नाचती है। इसके दूसरे सीजन के लिए 24 प्रतिभाओं को ए.आर. रहमान द्वारा शॉर्टलिस्ट और मेंटॉर किया जाएगा। नेक्सा म्यूजिक 2 के सुपर विनर के तौर पर चार सिंगर्स का नाम होगा।संगीत वीडियो के विषय के साथ नियॉन रंगों और न्यूनतम वीएफएक्स मिश्रण का उपयोग है। नेक्सा म्यूजिक की बात करें तो यह एक इंडी ओरिजनल इंग्लिश म्यूजिक प्रॉपर्टी है जो भारत में ओरिजिनल इंग्लिश म्यूजिक आर्टिस्ट्स को सेलिब्रेट करती है।

टीना दत्ता की मां का सवाल

बिग बॉस 16 की प्रतिभागी टीना दत्ता की मां ने पूछा है कि क्या राष्ट्रीय टेलीविजन पर उनकी बेटी को गाली देना सही है। बीते दिनों शो में एक घटना घटी जहां मेडिकल अपील पर सुम्बुल के पिता को सुम्बुल से बात करने का मौका मिला। जहां उन्होंने नियम तोड़ा और सुम्बुल के घर की जानकारी दी। उन्होंने टीना और शालिन के बारे में अपमानजनक बातें कीं और यहां तक कि राष्ट्रीय टेलीविजन पर दत्ता को गाली भी दी। यह तथ्य कि सुम्बुल के पिता को उनसे बात करने का दूसरा अवसर मिला जो टीना की मां को परेशान कर गया। राष्ट्रीय टेलीविजन पर अपनी बेटी के साथ दुर्व्यवहार और अपमान होते देख टीना की मां की आंखों में आंसू आ गए। चूंकि उन्हें टीवी पर जाकर अपने विचार व्यक्त करने का अवसर नहीं मिला इसलिए उन्होंने टीना के सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया है जिसमें दर्शकों से अपील की गई है कि क्या राष्ट्रीय मंच पर किसी के लिए अपनी बेटी को गाली देना और उसे नीचा दिखाना सही था?

सूडोकु नवताल- 6264

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6263 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्दजाल - 7011

बं	ल	र	ह	द	ब	र्निं	ग	ट्रे	न	आ
ज	दि	ल	म	आ	मो	ह	दो	तें	शा	म
अं	इ	श	दि	ल	दा	ल	उ	र	ला	ब
मे	क	व	ल	प	ल	क	स्ता	रि	श	न
स	रे	श	ज	वा	ब	स	द	ग	वी	व
ही	रं	अ	च	व	लि	र्त	ल	ती	प	च
व	रो	ल	प	गा	आं	धी	तू	फा	न	ले
श	बा	ज	स	ने	क	छ	र	ग	श	थ
छ	त्ती	स	घं	टे	न	ज	स	शा	जू	ध
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	र्मा
थो	बु	लं	दी	र	हो	ग	या	दु	र	त्मा

शब्दजाल में 'डैनी' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मेरे अपने, छत्तीस घंटे, धर्मात्मा, द बर्निंग ट्रेन, बंदिश, दो उस्ताद, हीरो, आंधी तूफान, जवाब, बुलंदी

शब्दजाल - 7010 का हल

आ	व	मे	रि	दु	ला	से	ह	रा	ट	र्जी
क	ग	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	प	नी
सू	पी	अ	न	प	ढ़	बा	द	ह	त्थ	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	र	प्रे
ज	र	रा	म	न	ह	ला	कि	यो	के	मे
रो	इ	वि	मो	ग	प	म	शी	ह	स	रे
न	टी	ल	रा	व	मा	जो	रा	व	न	स
क	रि	र	र	य	र	प	म	ज	म	न
रा	म	औ	र	श्या	म	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	ला	व	प	स	री	टि	प
बां	स	सा	ज	ल	ड़	का	ल	ड़	की	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5964

7	4	5	2			
	38		32	1	27	7
	3			6		2
	30		40	7	32	
6	1	4			5	3
	24		36	4	30	5
1			7		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5963 का हल

5	1	3	6	7	2	4
6	34	6	33	1	33	7
7	5	1	3	6	4	2
1	26	2	29	4	33	5
4	1	5	6	2	7	3
3	30	4	37	5	33	6
2	4	7	5	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

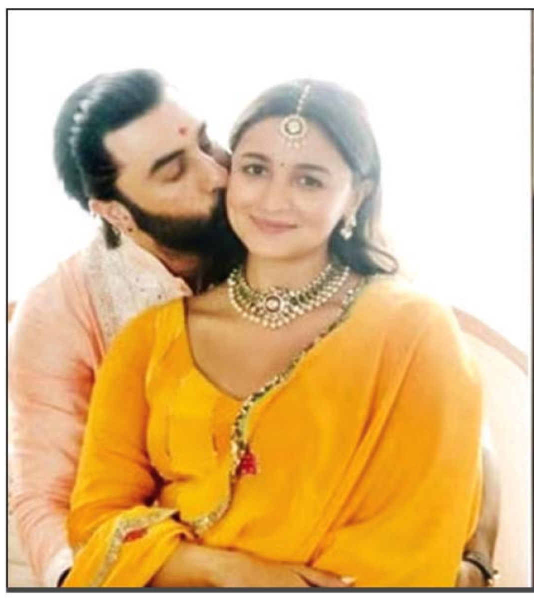

दिग्गज स्पैनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने रणबीर आलिया को दी बधाई, राहा के लिए कही यह बात

मुंबई ।
बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के लिए घर एक नन्ही मेहमान आई है। इस क्यूट कपल ने अपनी बेटी का नाम राहा रखा है। उन्होंने इसका खुलासा दिग्गज स्पैनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना की जर्सी पर नाम लिखकर किया था। दरअसल, रणबीर फुटबॉल के बड़े प्रशंसक हैं और उनकी पसंदीदा फुटबॉल क्लब बार्सिलोना है। अब बार्सिलोना ने भी रणबीर-आलिया को बधाई दी है।

बार्सिलोना फुटबॉल क्लब ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर किया। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा- आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को बधाई। एन नई बार्सा फैन का जन्म हुआ है। हम आप सब से मिलने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। बेटी के जन्म के बाद से ही फैंस इस इंतजार में थे कि आखिर आलिया और रणबीर बेटी का क्या नाम रखेंगे हालांकि, अब इसका खुलासा हो गया है। आलिया-रणबीर ने बेटी का नाम राहा कपूर रखा है। यह नाम राहा की दादी और एक्ट्रेस नीतू कपूर ने उन्हें दिया है।

आलिया भट्ट ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा कर फैंस को यह जानकारी दी थी। उन्होंने एक बेहद प्यारी सी तस्वीर शेयर की थी, जिसमें आलिया-रणबीर बेटी को हाथों में थामे नजर आ रहे हैं। साथ ही वॉल पर आलिया-रणबीर कपूर की बेटी का नाम बार्सिलोना की जर्सी पर लिखा दिख रहा है। यह नाम रणबीर कपूर की मां नीतू सिंह ने चुना है।

आलिया भट्ट ने पोस्ट के साथ एक लंबा नोट लिखा था। इसके जरिए उन्होंने बेटी के नाम का मतलब बताया है। उन्होंने लिखा- बेटी का नाम राहा रखा गया है। यह नाम उसकी शानदार और प्यारी दादी ने उसे दिया है। इस नाम के कई खूबसूरत मतलब हैं। इसका अर्थ होता है- दिव्य पथ। स्वाहिली में इसका अर्थ है आनंद। वहीं, संस्कृत में यह एक गोत्र है। बंग्ला में इस नाम के अर्थ- आराम, सहजता और राहत हैं। अरेबिक में इसका अर्थ है शांति। साथ ही खुशी, स्वतंत्रता भी इस नाम के मायने हैं। आलिया ने आगे लिखा- वह बिल्कुल अपने नाम के अनुरूप है। हमने जब पहली बार उसे अपनी बाहों में लिया तो वह सबकुछ महसूस किया, जो इस नाम के अर्थ हैं। शुक्रिया राहा, हमारे परिवार, हमारी जिंदगी में आने के लिए। ऐसा लगता है कि हमारी जिंदगी अभी शुरू हुई है। रणबीर और आलिया इसी साल अप्रैल में शादी के बंधन में बंधे थे।

न्यूज ब्रीफ

स्पोर्ट्स अथारिटी आफ इंडिया खेल परिषद के साथ मिलकर खेलो इंडिया योजनाओं को देगा तेजी

जम्मू। जम्मू कश्मीर में खेलों को बढ़ावा देने, खेल गतिविधियों और खेलो इंडिया की योजनाओं को तेजी देने के लिए स्पोर्ट्स अथारिटी आफ इंडिया (साई) और जम्मू कश्मीर खेल परिषद मिल कर काम करेंगे। स्पोर्ट्स अथारिटी आफ इंडिया (साई) स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर एसटीसी जम्मू ने विभिन्न गतिविधियों की एक व्यापक योजना तैयार की और जम्मू और कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल (जेकेएससी) के परामर्श से खेलो इंडिया योजनाओं के सुचारु और सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया। जम्मू में हुई बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि खेलो इंडिया की गतिविधियों को कैसे तेजी दी जा सकती है। बैठक में केआइसी, एसएलकेसीई और केआइए की निगरानी के अलावा एसटीसी जम्मू के कामकाज की समीक्षा और जम्मू कश्मीर में विभिन्न खेलो इंडिया योजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें जम्मू कश्मीर में खेलो इंडिया सेंटर आफ एक्सीलेंस, फेंसिंग एंड रोइंग पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जेकेएससी की सचिव नुजहत गुल, कार्यकारी निदेशक ललिता शर्मा, उप निदेशक साई जम्मू जफर इकबाल, नदीम अहमद डार के अलावा जेकेएससी से रियाज अहमद और माजिद यूसुफ मौजूद थे। नदीम अहमद डार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। न्यूजीलैंड में होने वाली कामनवेल्थ पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2022 के लिए चुने गए अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता हारून चौधरी को जम्मू कश्मीर खेल परिषद ने सम्मानित किया। खेल परिषद के सदस्य रंजीत कालरा ने सम्मानित करते हुए उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामना दी। प्रतियोगिता 27 नवंबर से 4 दिसंबर तक न्यूजीलैंड में होगी। कालरा ने हारून के पिछले प्रदर्शन को देखते हुए कहा कि देश को उनसे आगे भी बहुत उम्मीदें हैं।

झारखंड के खिलाफ यूपी की सधी शुरुआत, लंच तक 2 विकेट के नुकसान पर बनाए 135 रन

कानपुर। तीन वर्ष के लंबे के बाद ग्रीन पार्क स्टेडियम एक बार फिर बीसीसीआई के घरेलू मैच से गुलजार हो चुका है। कूच बिहार ट्रॉफी में टॉस जीतकर उत्तर प्रदेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी चुनी। झारखंड के खिलाफ घरेलू मैदान में जीत हासिल करने के लिए यूपी की टीम ने सधी शुरुआत की है और लंच तक 35 ओवरों में 135 रन बनाकर 2 विकेट खो चुकी है। ग्रीन पार्क में कूच बिहार ट्रॉफी मुकाबले का उद्घाटन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव मोहम्मद फहीम ने उत्तर प्रदेश और झारखंड के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। पहले खेलने उतरी उत्तर प्रदेश की टीम के कप्तान आदर्श और डेब्यू कर रहे बल्लेबाज प्रियांशु ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 100 के पर पहुंचाया। मैच के 28 ओवर में झारखंड के तेज गेंदबाज अभिषेक ने 61 रन के योग पर ओपनर बल्लेबाज प्रियांशु को अविनाश के हाथों कैच करवाया। उत्तर प्रदेश की टीम को पहला झटका 114 रनों पर प्रियांशु के रूप में लगा। इसके बाद अपना अगला ओवर फेंकने आए अभिषेक ने उत्तर प्रदेश टीम के कप्तान आदर्श को अर्धशतक से एक रन पहले ही पवेलियन लौटाया।

फुटबॉल वर्ल्ड कप...इंग्लैंड-अमेरिका का मैच गोलरहित ड्रॉ: दोनों टीमों ने 18 प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली

दोहा। कतर में चल रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप में खेला गया इंग्लैंड-अमेरिका मैच गोलरहित ड्रॉ रहा। ग्रुप बी के इस मुकाबले में दोनों ही टीमों ने बढ़त लेने के कई प्रयास किए। लेकिन, तय 90 मिनट के बाद भी कोई गोल नहीं आया। इंजरी टाइम में भी कोई गोल नहीं हुआ। ऐसे में दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। इस ड्रॉ के बाद फीफा विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ पहली जीत का इंग्लैंड का इंतजार और बढ़ गया। आपको बता दें कि इंग्लैंड की टीम आज तक वर्ल्ड कप में अमेरिका के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर पाई है। इस मैच के बाद इंग्लैंड की टीम पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है। 2 मैचों के बाद उसके 4 अंक हैं। अपने पिछले मुकाबले में इंग्लैंड ने ईरान को 6-2 के बड़े अंतर से हराया था। वहीं, अमेरिका की टीम लगातार दो ड्रॉ के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

हेमिल्टन में 13 साल से नहीं जीती है टीम इंडिया : न्यूजीलैंड के साथ दूसरा वनडे

हेमिल्टन।
भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार को हेमिल्टन में खेला जाएगा। पहला मैच हार चुकी भारतीय टीम के लिए यह करो या मरो की भिड़ंत है। इस मैच में हार का मतलब सीरीज से हाथ धोना होगा। हेमिल्टन का सिडन पार्क भारतीय टीम के लिए कभी आसान नहीं रहा है। इस ग्राउंड पर हमारी टीम पिछले 13 साल से कोई वनडे मैच नहीं जीत पाई है।

इस स्टेडियम में भारत के रिकॉर्ड को आगे विस्तार से देखेंगे। इसके अलावा वेदर कंडीशन, पिच रिपोर्ट और दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11 भी जानेंगे। सबसे पहले भारत-न्यूजीलैंड पिछले 5 वनडे मुकाबलों के नतीजे देख लेते हैं।

मैच के दौरान बारिश की आशंका

यह मैच भारतीय समय के अनुसार सुबह 7 बजे और हेमिल्टन के समय के अनुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होना है। रविवार को हेमिल्टन में बारिश की संभावना 40प्रतिशत से 68प्रतिशत तक है। वहां दोपहर 2 से 3, शाम 5 से 6 और रात 7 से 8 बारिश की आशंका 60प्रतिशत से ज्यादा है। यानी इस मैच में बारिश खलल डाल सकती है।

बाद में बैटिंग करना फायदेमंद

हेमिल्टन के सिडन पार्क में बाद में बैटिंग करने वाली टीम ज्यादा फायदे में रहती है। यहां अब तक 37 वनडे इंटरनेशनल खेले गए हैं। इनमें से 13 में पहले बैटिंग करने वाली और 22 में बाद में बैटिंग करने वाली टीम जीती है। दो मुकाबले बेनतीजा रहे हैं।

हेमिल्टन में वनडे मैच की पहली पारी का औसत स्कोर 245 रन है। यहां पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 5 बार 300 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। वहीं, 8 बार 270 से 300 रन के बीच का स्कोर बना है। यहां दो बार 300 से ज्यादा रन का टारगेट चेज किया जा चुका है।

2007 में न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में 350 रन बनाकर मैच में जीत हासिल की थी। कीवी टीम ने 2020 में भारत के खिलाफ दूसरी पारी में 348 रन बनाकर जीत हासिल की थी।

अब जान लेते हैं यहां भारत का रिकॉर्ड कैसा रहा है

भारत ने सिडन पार्क पर न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक सात वनडे मैच खेले हैं। इनमें से 6 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। टीम इंडिया को यहां इकलौती जीत 2009 में मिली थी। तब महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 10 विकेट से हराया था। यानी भारत को अगर मौजूदा सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल करनी है तो उसे 13 साल पुराने इतिहास को दोहराना पड़ेगा। 2009 के बाद से हमारी टीम ने यहां लगातार चार मैच गंवाए हैं।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

न्यूजीलैंड: फिन एलेन, डेवोन कॉनवे, केन विलियमसन, डेरिल मिचेल, टॉम लैथम, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर, एडम मिल्ने, मैट हैनरी, टिम साउदी और लॉकी फर्ग्युसन।

भारत: शिखर धवन, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, वाशिंगटन सुंदर, दीपक चाहर, उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव/युजवेंद्र चहल।

2003 के बाद पहली बार डेविस कप के फाइनल में पहुंचा ऑस्ट्रेलिया, सेमीफाइनल में क्रोएशिया को हराया

मलागा ।
ऑस्ट्रेलियाई टीम 2003 के बाद पहली बार डेविस कप के फाइनल में पहुंची है। शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल की रनर-अप टीम क्रोएशिया को 2-1 से शिकस्त दी। अब फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम का मुकाबला कनाडा और इटली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। खिताबी मुकाबला रविवार को खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के मैक्स पुर्सेल और जॉर्डन थॉम्पसन ने निर्णायक मैच में 2021 विम्बलडन चैंपियंस निकोला मेकटिच और माटे पेविच की जोड़ी को डबल्स मुकाबले में 6-7 (3/7), 7-5, 6-4 से हरा दिया। इस जीत का श्रेय पूरी तरह ऑस्ट्रेलियाई कप्तान लेटन हेविट को गया। उन्होंने ही निर्णयक मुकाबले में पुर्सेल को थॉम्पसन के साथ जोड़ी बनाने की नसीहत दी थी। डबल्स में पुर्सेल के जोड़ीदार मैथ्यू एब्डन हैं। हालांकि, एब्डन को रोक लिया गया। लेटन हेविट 2003 में डेविड कप टाइटल जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रह चुके हैं। हेविट ने मैच के बाद कहा- टाइटल जीते काफी समय हो चुका है। हमें डेविस कप के फाइनल में पहुंचने पर गर्व है और अपने खिलाड़ियों पर भी गर्व है। वह फाइनल में पहुंचना डिजर्व करते हैं। साथ ही उनके पास टाइटल जीतने का बहुत अच्छा मौका है। हेविट ने एब्डन को लेकर भी अपडेट दिया। उन्होंने कहा कि एब्डन थोड़ी अनफिट हैं, लेकिन मुझे पुर्सेल और थॉम्पसन के साथ खेलने पर कोई दिक्कत नहीं है। पहले मैच में क्रोएशिया के वर्ल्ड नंबर-26 बोर्ना कोरिच ने ऑस्ट्रेलिया के वर्ल्ड नंबर-95 थनासी कोक्कीनाकिस को 92 मिनट में 6-4, 6-3 से हराकर क्रोएशियाई टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर ने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन क्रोएशिया के मारिन सिलिच को 6-2, 6-2 से हराया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। सिलिच की एटीपी रैंकिंग 17 और मिनौर की 24 है। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने सिलिच के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। कोरिच ने मैच के बाद कहा कि थनासी के खिलाफ जीतना उनके लिए काफी फायदेमंद है। कोरिच ने इसी साल टेनिस में वापसी की है। वह दाएं कंधे में सर्जरी की वजह से 12 महीनों तक टेनिस से दूर रहे। इसी साल मार्च में उन्होंने कोर्ट में वापसी की।

सऊदी अरब के सभी खिलाड़ियों को मिलेगी रॉल्स रॉयस की कार, अर्जेंटीना पर जीत के लिए मिलेगा तोहफा

दोहा ।
अर्जेंटीना के खिलाफ यादगार जीत के बाद सऊदी अरब में जश्न का माहौल है। इस जीत को तीन दिन हो गए, लेकिन वहां के लोग अभी भी इसका जश्न मना रहे। जीत के बाद सऊदी अरब की सरकार ने अगले दिन अब सभी खिलाड़ियों के लिए बड़ा तोहफा दिया जाएगा। सऊदी अरब के राजकुमार मोहम्मद बिन सलाम अल सऊद ने कार देने की घोषणा की है। मोहम्मद बिन सलाम अल सऊद ने इस बात का एलान किया कि सभी खिलाड़ियों को रॉल्स रॉयस फैंटम कार से सम्मानित किया जाएगा। सऊदी अरब की टीम ने दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना को 2-1 से हराया था। लियोनल मेसी के गोल के बावूजद अर्जेंटीना की टीम मैच को अपने नाम नहीं कर सकी थी। उसने हाफटाइम तक 1-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन दूसरे हाफ में सऊदी अरब ने धमाकेदार वापसी की और मैच को अपने नाम कर लिया। भारत में रॉल्स रॉयस फैंटम की कीमत 8.99 करोड़ रुपये से शुरू होकर 10.48 करोड़ रुपये तक जाती है। सऊदी अरब ने अर्जेंटीना की 36 मैचों की लगातार जीतने के अभियान को रोक दिया था। दुनिया की नंबर 51 टीम सऊदी अरब ने एक महत्वपूर्ण जीत के साथ अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत की। अर्जेंटीना के सबसे अहम खिलाड़ी लियोनल मेसी ने एक गोल किया। लियोनल मेसी ने 10वें मिनट में ये गोल किया और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी थी। मेसी

का फीफी विश्व कप इतिहास में यह सातवां गोल था। हालांकि उसके पांच मिनट के बाद ही सउदी अरब ने बढ़त ले ली और सऊदी अरब के लिए सालेह अलसेहरी ने 48वें और 53वें मिनट में सालेम अलडावसारी ने गोल किया। इसके बाद दोनों में से कोई टीम गोल नहीं कर सकी।

सऊदी अरब के गोलकीपर ने शानदार प्रदर्शन किया

आखिरी कुछ मिनटों में सऊदी अरब के गोलकीपर एम.अल ओवैस ने शानदार प्रदर्शन किया और उन्होंने कई गोल बचाए। अर्जेंटीना की टीम ने शुरुआती कुछ मिनटों पर तीन गोल किए, लेकिन यह सभी ऑफसाइड रहे। अर्जेंटीना की टीम को ऑफसाइड ले डूबी। इस हार के साथ अर्जेंटीना के लगातार 36 मैचों में जीत का क्रम टूट गया।

एयरगन चैंपियन खेल संग पढ़ाई में भी आगे रहीं मनु भाकर

मुंबई ।
गोल्डन गर्ल मनु भाकर ने हाल ही में कोरिया के दायगू शहर में आयोजित एशियाई जूनियर एयरगन चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण पदक जीते हैं। स्वर्ण पदकों के मामले में उनके नाम कई रिकार्ड हैं। आज जानते हैं इस चैंपियन निशानेबाज के बचपन की बातें

छुटपन से ही चंचल थी। घर हो या बाहर कभी टिकते नहीं थे कदम लेकिन जब भी वे आगे बढ़ते एक नई पहचान के लिए बढ़ते। वह जिद्दी नहीं थीं। पर जीतने की ललक ऐसी कि प्रथम पुरस्कार नहीं आए तो दुखी होकर रोने लगतीं। एक बार स्कूल में दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। उसमें प्रथम स्थान पर आने से चूक गयीं। पदक तो मिला लेकिन मनु को कोई खुशी नहीं थी। जब मां ने समझाया कि अगली बार प्रथम आने का प्रयास करना, तो मनु ने वही किया। वह प्रथम स्थान पर आईं। उसके बाद से तो प्रथम आने की लगन लग गयी उन्हें। केवल खेल ही नहीं। पढ़ाई और दूसरी प्रतियोगिता में भी भाग लेना पसंद था उन्हें। दूसरी कक्षा में थीं तब उन्हें रीडिंग प्रतियोगिता में सबसे तेज पुस्तक पाठ का रिकार्ड बनाया। आज भी वह बैज उनके पास सुरक्षित है। जो बात उनकी मां को आज भी रान करती है वह है आगे बढ़ने का जुनून है और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना। यह अलग बात है कि आज वह निशानेबाजी में देश-विदेश जाकर कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं लेकिन मुक्केबाजी जैसे दूसरे खेलों में भी वह राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची हैं। मनु को बचपन से चित्रांकन पसंद है। कभी स्केटिंग सीखना है तो कभी जूडो कराटे। चूंकि वह खुद इतनी गंभीर थीं और नई चीजें सीखने की लगन थी तो कोई मना भी नहीं करता था। आज भी जब अवसर मिलता है मनु घर की दीवारों को रंगों से सजा देती हैं। उन्हें खराब हो चुके सामान या वेस्ट चीजों से रचनात्मक चीजें बनाना बहुत पसंद है। पिता मरीन इंजीनियर थे। एक बार शिप पर मनु का पूरा परिवार गया। गर्मी की छुट्टी में मनु को वेस्ट से बेस्ट बनाने की चुनौती दी गयी और मनु ने पूरे शिप पर घूमकर वेस्ट चीजें इकट्ठा कीं और उस चुनौती को पूरा कर दिखाया। एक बार इस चैंपियन खिलाड़ी और उनके छोटे भाई में खूब झगड़ा हुआ। दोनों ने तकिए से इतनी लड़ाई की कि तकिया फटा और सारी रुई बाहर आ गयी। मां ने नाराज होकर दोनों भाई-बहन को घर से बाहर निकाल दिया। हिदायत दी गई कि जी भर लड़ने के बाद ही अंदर आएं। उस दिन के बाद से मनु ने खुद को समझाया कि ऐसी चीजों से बचना है। वह खुद को कभी खाली नहीं रहने देतीं। वह बचपन से ही कम बोलती हैं पर अपनी वजनदार बातों से हैरान कर देती हैं।

इंग्लैंड-यूएसए का मैच देखने पहुंचे दिग्गज डेविड बेकहम

यूएस सॉकर पर कसा तंज, फेसबुक ने भी किया रिएक्ट

दोहा ।
दुनिया के महान खिलाड़ियों में शुमार और फ्री किक के बादशाह माने जाने वाले इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर डेविड बेकहम शुक्रवार को इंग्लैंड और यूएसए के बीच ग्रुप-बी का मैच देखने अल बायत स्टेडियम पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने सेल्फी भी ली और स्टेडियम का नजारा पेश किया। बेकहम ने साथ ही इंग्लैंड और यूएसए के बीच फुटबॉल के असली नाम को लेकर चल रही जंग पर अमेरिका का मजाक भी उड़ाया।

बेकहम ने क्या लिखा

बेकहम ने सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक पर पोस्ट करते हुए लिखा- इसे फुटबॉल कहा जाता है यूएस सॉकर। अल बायत स्टेडियम में शानदार माहौल। यूएसए और इंग्लैंड के फैन्स ने वातावरण मनोरंजक बनाया है। बेकहम इंग्लैंड का समर्थन करने स्टेडियम पहुंचे थे। उनके इस पोस्ट पर फेसबुक ने भी रिएक्ट किया और लिखा- आपने सुना इस महान खिलाड़ी ने क्या कहा।

क्या है विवाद

दरअसल, कई सालों से इंग्लैंड और यूएसए के बीच इस बात को लेकर विवाद चलता आ रहा है कि इस गेम को फुटबॉल कहा जाता है या सॉकर। यूएसए में अमेरिकन फुटबॉल अलग खेल है और फुटबॉल को सॉकर के नाम से जाना जाता है। वहीं, यूरोप में इस खेल को फुटबॉल कहा जाता है और वह इसे सॉकर कहे जाने के खिलाफ हैं। इसी को लेकर कई बार यूरोप के देशों और यूएसए में विवाद हो चुका है और अब भी इसे लेकर दोनों आमने-सामने हैं।

बेकहम का करियर

बेकहम ने 20 साल लंबे करियर के बाद 2013 में संन्यास लिया था। उन्होंने इस दौरान 19 मेजर ट्रॉफीज जीतीं। उन्हें अपने समय के महान मिड-फील्डर्स में से एक माना जाता है। साथ ही उन्हें सेट-पीस स्पेशलिस्ट भी माना जाता है। वह पहले इंग्लिश प्लेयर हैं, जिसने चार देशों (इंग्लैंड, स्पेन, यूएसए और फ्रांस) में लीग टाइटल्स जीते हैं।

इंग्लैंड के लिए 1996 में किया था डेब्यू

इंग्लैंड के लिए बेकहम ने 21 साल की उम्र में 1996 में डेब्यू किया था। वह इंग्लिश फुटबॉल टीम के कप्तान भी रह चुके हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 115 मैच खेले। साथ ही तीन फीफा वर्ल्ड कप में भी टीम का हिस्सा रहे। इसमें 1998, 2002 और 2006 वर्ल्ड कप शामिल है। बेकहम फुटबॉल के ग्लोबल अंबेस्डर भी हैं। वह दुनिया के हाईएस्ट अर्निंग फुटबॉलर भी रह चुके हैं। 2013 में वह हाईएस्ट पेड एथलीट भी बने थे।

विक्टोरिया बेकहम से की शादी

बेकहम ने 2019 में विक्टोरिया बेकहम से शादी की थी और उनके चार बच्चे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 115 मैचों में 17 गोल दागे। साथ ही क्लब करियर में 523 मैचों में 97 गोल दागे। बेकहम क्लब करियर में मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड, एलए गैलेक्सी, एसी मिलान और पेरिस सेंट जर्मेन जैसे क्लब से खेल चुके हैं।

इंग्लैंड-यूएसए मैच में क्या हुआ

इंग्लैंड और यूएसए का मैच गोल रहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दोनों टीमें फुल टाइम तक कोई गोल नहीं कर सकीं। इंग्लैंड की टीम ग्रुप-बी में दो मैचों में एक जीत और एक ड्रॉ के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। उसके चार अंक हैं। वहीं, ईरान तीन अंकों के साथ दूसरे, यूएसए दो अंकों के साथ तीसरे और वेल्स एक अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

दुनिया की सबसे खतरनाक और डरावनी सीढ़ियां

जिन पर चढ़ाई करना है बहुत रोमांचक

सीढ़ियों से हम सबका आना-जाना तो रोज ही होता है, लेकिन हम कभी सीढ़ियों की बनावट पर गौर भी नहीं करते। हमारे देश में ज्यादातर हिन्दू तीर्थस्थल ऐसी जगहों पर स्थित है, जहां लोगों को अपनी मुरादें पूरी करने के लिए भी सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ता है। लोग भगवान के प्रति अपनी आस्था दिखानें के लिए भी सीढ़ियों की यात्रा पूरी करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि अगर ये अजीबो गरीब हो तो, या डरावनी हो तो क्या होगा। आइये जानते है दुनिया की कुछ ऐसी ही अजीबो गरीब और डरावनी सीढ़ियों के बारें में

अंगकोरवाट मंदिर की सीढ़ियां : अंगकोरवाट मंदिर का नाम तो हम सबने ही सुना है लेकिन क्या आपने यहां की सीढ़ियों के बारें में सुना है। दोस्तों ये सीढ़ियां 70 प्रतिशत झुकी हुई है। इन सीढ़ियों पर चढ़ने या उतरने के लिए आपको रस्सियों का सहारा लेना पड़ता है। कहते है कि यह सीढ़ियां लोगो को यह बताती है की स्वर्ग की सीढ़ियों पर चढ़ना भी इतना ही मुश्किल है। यह भगवान विष्णु का सबसे बड़ा मंदिर है और कम्बोडिया में स्थित है।

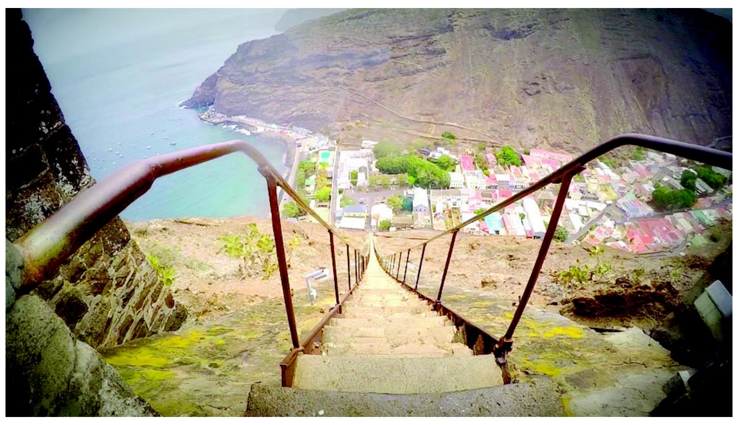

बाटू की गुफाएं : मलेशिया के गोम्बैक जिले में स्थित हैं बाटू की गुफाएं। ये गुफाएं चूना पत्थर की एक पहाड़ी पर स्थित हैं। इन गुफाओं के अलावा यहां मंदिरों की शृंखलाएं मौजूद हैं। इस पहाड़ी से होकर बाटू नदी बहती है। इसी कारण इसे बाटु की गुफाएं कहते है। इन गुफाओं में भगवान मुरुगन की विशाल मूर्ति स्थित है, जिसके दर्शन के लिए गुफा के अंदर 50 सीढ़ियां चढ़कर जाना पड़ता है।

स्टेचू ऑफ लिबर्टी : स्टैचू ऑफ लिबर्टी न्यूयॉर्क हार्बर में स्थित है। यहां तांबे की एक विशाल मूर्ति है जिसकी ऊंचाई 305 फुट है। 22 मंजिला इस मूर्ति के टॉप तक पहुंचने के लिए 354 घुमावदार सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।

फ्लोरली की सीढ़ियां : नॉर्वे फ्लोरली दुनिया की सबसे ऊंची सीढ़ियां है। यहां कुल 4,444 सीढ़ियां है जिनकी ऊंचाई 2,427 फीट है। ये सीढ़ियां पत्थर की नहीं, बल्कि लकड़ी से बनी हुई है।

माउन्ट हुशन की सीढ़ियां : इन सीढ़ियों को स्वर्ग की सीढ़ियां कहा जाता है। अब तक कोई भी इन सीढ़ियों की गिनती नहीं कर पाया है। ये सीढियां चाइना में स्थित है। इन सीढ़ियों के टॉप पर पहुंचने पर आपको स्वर्ग का नजारा देखने को मिलता है। आपको ऐसा लगेगा जैसे स्वर्ग आस-पास ही है।

हाइकु स्टेयर्स : इन्हे *जन्नत की सीढ़ियां* भी कहा जाता है ये लकड़ी की बनी हुई है। यहां कुल 3922 सीढ़ियां बनी हुई है। 1987 के बाद इन सीढ़ियों को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया, लेकिन हाइकर्स अभी भी इस पर चढ़ाई करते दिख जाते हैं। ये अमेरिका में स्थित है।

तेहांग की सीढ़ियां : तेहांग की सीढ़ियां चाइना में स्थित है। तेहांग सीढ़ियों की ऊंचाई 300 फीट है। सीढ़ियों पर चढ़ाई करने के लिए आपको फिजिकली एकदम फिट होना पड़ेगा। साठ साल से कम उम्र के लोग ही इन सीढ़ियों पर चढ़ाई कर सकते है।

इंका सीढ़ियां, पेरू : ये सीढ़ियां पेरू के मांचू पिचू की पहाड़ियों में स्थित है। यह सीढ़ियां ग्रेनाइट की बनी हुई है और काफी फिसलन भरी है। इनकी ऊंचाई 600 फीट से ज्यादा है। यहां रोज 400 से ज्यादा पर्यटक चढ़ाई के लिए आते है।

पाइलोन डेल डियाब्लो वाटरफॉल : ये सीढ़ियां झरनों के साथ सटी हुई है जिसके कारण इन सीढ़ियों पर बहुत फिसलन होती है। इसलिए इन पर सावधानी से चढ़ना-उतरना होता है।

हाफ डोम, केबल रूट : यह सीढ़ियां कैलिफोर्नियां में है और इन पर चढ़ाई करने के बारें में आप सोच भी नहीं सकते है यहां 400 से अधिक सीढ़ियां मौजूद हैं। आपको यहां पहाड़ों पर भी चढ़ना पड़ता है। यहां लगभग सात-मील (वन-वे) ऑल-इनलाइन हाइक हैं।

प्यार में सात समंदर पार से आई दुल्हन

प्यार करने वालों के लिए सरहदें मायने नहीं रखतीं। ऐसी ही प्रेम कहानी है बेल्जियम की रहने वाली केमिली की है, सोशल मीडिया पर उनकी दोस्ती कर्नाटक के अनंतराजू से बढ़ी, जो बाद में प्यार में बदल गई। इसके बाद केमिली ने प्यार के लिए सात समंदर पार से कर्नाटक आ गईं। यहां उसने प्रेमी अनंतराजू से शादी कर ली। गौरतलब है कि 30 साल के अनंतराजू ऑटो चलाने के साथ टूरिस्ट गाइड का काम करते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2019 में केमिली अपने परिवार के साथ कर्नाटक के हंपी में घूमने आई थीं। तब अनंतराजू उनके गाइड बने थे। अनंतराजू ने ही उन्हें कर्नाटक में घुमाया था और उनके रहने-खाने की व्यवस्था कराई थी। इसके बाद जब वे वापस बेल्जियम लौट गई तो सोशल मीडिया के जरिए दोनों के बीच बात-चीत होती रही। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकी बढ़ने लगी और दोस्ती प्यार में बदल गई। केमिली ने इंडिया आकर मिलने का वादा भी किया, लेकिन फिर कोरोना आ गया और दोनों की मुलाकात अधूरी रह गई। जब दोनों के बीच प्यारा ज्यादा बढ़ गया तो दोनों ने अपने परिवारों को इसके बारे में बताया और शादी करने की इच्छा जताई। जब दोनों के परिवार वालों ने अपनी सहमति दे दी तो बेल्जियम से इंडिया आकर केमिली ने कल यानी शुक्रवार को अनंतराजू के साथ शादी कर ली। अनंतराजू ने बताया कि जब वे लोग हम्पी से वापस गए थे तो मुझसे बेहद प्रभावित हुए थे। उन्होंने दोबारा इंडिया आने की बात भी कही थी। उन्होने बताया कि हमने बीते साल ही शादी करने का निर्णय लिया था, लेकिन कोरोना के कारण इसमें देरी हो गई। अब जबकि कोरोना के बाद स्थिति सामान्य हुई तो हमने हिंदू-रीतिरिवाजों के मुताबिक शादी कर ली। अनंतराजू ने यह भी बताया कि शादी के लिए केमिली के करीब 40 रिश्तेदार और दोस्त हम्पी आए थे। हम दोनों ने शादी करके सह साबित कर दिया है कि प्यार की कोई सीमा नहीं होती। वहीं, केमिली ने कहा कि बेल्जियम से वापस आकर और अनंतराजू से शादी करना एक बहुत अच्छा अहसास है।

गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है थायरॉइड की समस्या

थायरॉइड विकारों की समस्या वैश्विक स्तर पर बढ़ती हुई रिपोर्ट की जा रही है, यह शरीर में कई प्रकार की जटिलताओं को बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि थायरॉइड कुछ स्थितियों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का भी कारण बन सकती है, ऐसे में इससे बचाव के उपाय करते रहना सभी के लिए आवश्यक है। लाइफस्टाइल और आहार में बदलाव करके थायरॉइड विकारों से बचा जा सकता है। थायरॉइड, गले में स्थित तितली के आकार की ग्रंथि होती है जो शरीर के लिए आवश्यक ट्राईआयोडोथायरोनिन (टी3) और थायरोक्सिन (टी4) जैसे हार्मोंस का उत्पादन करती है। अध्ययनों में पाया गया है कि थायरॉइड विकारों में शरीर का वजन बढ़ने या कम होने का दिक्कत हो सकती है, कुछ गंभीर स्थितियों में इसके कारण कोमा जैसे मामले भी विकसित होते देखे गए हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि दिनचर्या में योगासनों को शामिल करके थायरॉइड विकारों और इसकी जटिलताओं को कम करने में मदद मिल सकती है। योगासन, थायरॉइड ग्रंथि के कार्य को बेहतर करने और हार्मोंस के स्राव को नियंत्रित रखने में मददगार हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि इसके लिए किन योगासनों के अभ्यास की आदत लाभकारी हो सकती है। सेतुबंधासन, जिसे ब्रिज पोज के नाम से भी जाना जाता है यह थायरॉइड विकारों, विशेषकर हाइपोथायरायडिज्म (अंडरएक्टिव थायरॉइड) के लिए एक प्रभावी योग है। यह गर्दन को स्ट्रेच करने के साथ थायरॉइड ग्रंथि में रक्त परिसंचरण को सुधारने में सहायक है। सेतुबंधासन योग के अभ्यास से थायरॉइड रोग की जटिलताओं को कम करने में लाभ मिल सकती है। यह मुद्रा अस्थमा और सिरदर्द की समस्या को कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए भी प्रभावी है। हलासन योग के दौरान गर्दन की बेहतर स्ट्रेचिंग हो जाती है, यह थायरॉइड ग्रंथि को उत्तेजित करने में मददगार अभ्यास है।

गाजर फेस पैक से निखारें अपनी त्वचा

सर्दी के मौसम में गाजर का सेवन खूब किया जाता है। इसमें विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। यह सेहत के साथ स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। आप अपने स्किन केयर रूटिन में गाजर को शामिल कर सकते हैं। यह विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ग्लोइंग स्किन के लिए आप गाजर फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं, घर पर गाजर से फेस पैक कैसे बनाएं।

मुल्तानी मिट्टी और गाजर : अगर आप चेहरे से पिंपल्स की छुट्टी करना चाहते हैं, तो इस पैक का इस्तेमाल जरूर करें। इसके लिए 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी में गाजर का जूस और गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बना लें। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं, 15 मिनट बाद पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को हफ्ते में 1-2 बार कर सकते हैं।

शहद और गाजर का पैक : अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो इस फेस पैक से राहत पा सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले गाजर को कद्दूकस कर लें, इसमें एक चम्मच शहद और कच्चा दूध मिला दें। इस मिश्रण को अच्छी तरह फेंट लें। अब इस पैक को चेहरे पर लगाएं, 10-15 मिनट बाद पानी से धो लें।

चावल और गाजर का फेस पैक : इसे बनाने के लिए सबसे पहले चावल को पीस लें, अब इसमें घिसे गाजर को डालें। इस मिश्रण में कच्चे दूध डालकर पेस्ट बना लें। चाहें तो इसमें एक चुटकी हल्दी भी मिला सकते हैं। अब इसे चेहरे पर लगाएं, 15 मिनट बाद पानी से धो लें। ये पैक झुर्रियों से राहत दिलाने में मदद कर सकता है।

दही और गाजर : इसके लिए दो चम्मच दही में गाजर का जूस मिलाएं। इस मिश्रण में अंडे की सफेदी डालकर अच्छी तरह फेंट लें। अब पेस्ट को चेहरे पर लगाएं, 15 मिनट बाद पानी से धो लें। सप्ताह में एक बार इस फेस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पहाड़ों को नजदीक से देखने की चाह में ऐसे भटके कि दोबारा नहीं मिले

कुल्लू, मनाली व लाहुल के पहाड़ों में हर साल कई पर्यटक मनमानी व जानकारी के अभाव में जान से हाथ धो रहे हैं। पर्यटन विभाग ने हिमाचल प्रदेश में आने वाले ट्रैकर के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। दुर्घटना का शिकार होने वाले ट्रैकर विभाग के दिशा-निर्देश का पालन नहीं करते हैं। पहाड़ों में कदमताल के शौकीन लाखों देशी-विदेशी सैलानी हर साल कुल्लू-मनाली आते हैं। जो ट्रैकर अनुभवी गाइड व पंजीकृत ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से पुलिस को बताकर ट्रैकिंग पर जाते हैं, उनके साथ दुर्घटना बहुत कम होती है। जो लोग मनमाने तरीके से इन चोटियों को हल्के में लेते हैं, बिना तैयारी व बिना अनुभवी गाइड के ट्रैकिंग के लिए निकल पड़ते हैं, उनमें से ही अधिकतर दुर्घटना का शिकार होते हैं। कुल्लू-मनाली सहित लाहुल-स्पीति भी ट्रैकर की पहली पसंद रही है मगर डेढ़ दशक में कई देशी-विदेशी ट्रैकर जान गंवा चुके हैं। सैकड़ों देशी-विदेशी ट्रैकर पहाड़ों में ऐसे गुम हुए कि आज तक उनका कोई पता नहीं चला है। इसी साल 15 जून को लाहुल-स्पीति के सीबी 13 में बेंगलुरु के पर्वतारोही वेद व्यास ग्लेशियर की दरार में गिर गए थे। रेस्क्यू अभियान चलाए और कड़ी मशक्कत के बाद पर्वतारोहण संस्थान की टीम तीन महीने बाद उनका शव निकालने में सफल हुई थी। इसी साल आठ सितंबर को मलाणा के माउंट अली रतनी टिब्बा में बंगाल के चार पर्वतारोही रास्ता भटक गए थे। प्रशासन ने उन्हें भी पर्वतारोहण संस्थान मनाली की मदद से सुरक्षित तलाश लिया था। हालांकि पुलिस ने अधिकतर ट्रैकर के शव बरामद किए लेकिन कई सैलानियों का पता नहीं लगा है। 23 मार्च 2018 को मलाणा की पहाड़ियों में गुम हुए दिल्ली के अमन अवस्थी का कोई सुराग नहीं लग पाया है। हामटा की पहाड़ी में गुम दिल्ली के युवा ट्रैकर अखिल का शव भी सप्ताह बाद बरामद किया गया था। इसलिए पर्यटकों को पर्यटन विभाग से पंजीकृत ट्रैवल एजेंसियों से ही सुरक्षित ट्रैकिंग करनी चाहिए। एसडीएम मनाली डाक्टर सुरेंद्र ठाकुर का कहना है प्रशासन व पर्यटन विभाग देशी-विदेशी पर्यटकों को दिशानिर्देश जारी करता है। कुछ पर्यटक मनमाने तरीके से पहाड़ों की ओर अकेले निकल जाते हैं। ऐसे पर्यटक दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। ट्रैकर से आग्रह है कि वे दिशानिर्देशों का पालन करें। निर्धारित समय में ही पंजीकृत ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से अनुभवी गाइड के साथ ट्रैकिंग पर जाएं।

नहीं रहे दिग्गज फिल्म अभिनेता विक्रम गोखले

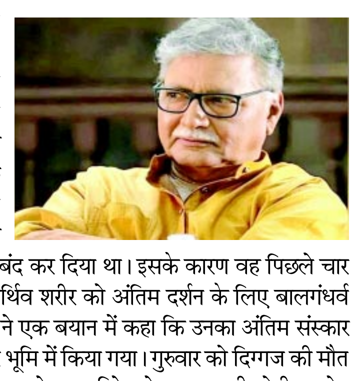

दिग्गज फिल्म अभिनेता विक्रम गोखले का शनिवार को दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में निधन हो गया पुणे के अस्पताल में जहां उनकी हालत गंभीर थी। वह 77 वर्ष के थे। अभिनेता गोखले पिछले कुछ समय से अस्पताल में भर्ती थे और *लाइफ सपोर्ट* थे। उनके शरीर के कई अंगों ने पहले ही काम करना बंद कर दिया था। इसके कारण वह पिछले चार दिनों से वेंटिलेटर पर थे। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए बालगंधर्व रंगमंच में रखा जाएगा। अस्पताल ने एक बयान में कहा कि उनका अंतिम संस्कार शाम छह बजे पुणे के वैकुंठ संस्कार भूमि में किया गया। गुरुवार को दिग्गज की मौत की अफवाह उड़ी जिसके बाद अजय देवगन, रितेश देशमुख, एली गोनी, जावेद जाफरी सहित कई बॉलीवुड हस्तियों ने शोक व्यक्त करने के लिए ट्विटर का सहारा लिया। दीनांत मंगेशकर अस्पताल के डॉ धनंजय केलकर और अभिनेता की बेटी ने बाद में अफवाहों का खंडन किया, 40 से अधिक वर्षों के करियर में, गोखले विभिन्न मराठी और बॉलीवुड फिल्मों में दिखाई दिए, जिनमें *अग्निपथ,* 1990 में अमिताभ बच्चन अभिनीत, और 1999 में सलमान खान और ऐश्वर्या राय बच्चन के साथ *हम दिल दे चुके सनम।* उन्हें आखिरी बार शिल्पा शेट्टी और अभिमन्यु दासानी के साथ *निकम्मा* में देखा गया था।

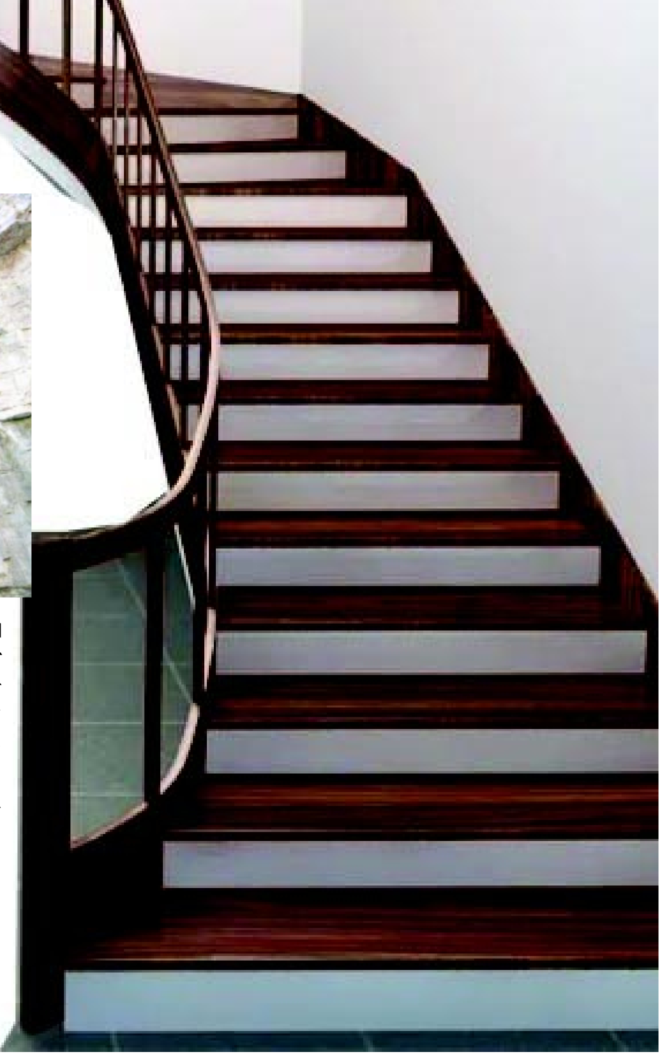

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**